मूल्य-20

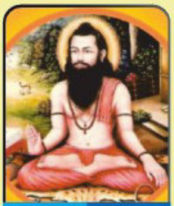
अंगिराऽसि जंगिडः

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

श्री विश्वकर्मणे नमः

वर्ष:118, अंक:07 , जुलाई - 2025 ई. , तारीख 22-27 प्रति माह

POSTED UNDER LICENCE U(DN)39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

इन्दौर में महासभा की नवगठित कार्यकारिणी की पहली बैठक 22 जून को आयोजित की गई और इस बैठक में 500 रुपए वाले सदस्य को चुनाव लड़ने और जाति जनगणना के बारे में ऐतिहासिक निर्णय लिए गए।इस बैठक में शामिल होने वाले, सभी कोर कमेटी, उच्च स्तरीय समिति, अनुशासन समिति और महासभा की कार्यकारिणी के सभी प्रतिष्ठित महानुभावों का हृदय से आभार और वन्दन करता हूं और आशा है कि आपका यह निश्छल अगाध प्रेम और स्नेह, महासभा को भविष्य में भी इसी प्रकार से मिलता रहेगा। आप सभी का विपुल धन्यवाद।

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

संपादक- रामभगत शर्मा

इन्दौर में 22 जून को आयोजित की गई, महासभा की त्रैमासिक बैठक, कैमरे की एक नजर में -

इन्दौर में 22 जून को आयोजित की गई,
महासभा की त्रैमासिक बैठक, कैमरे की एक नजर में -

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

With its existence over three and half decades,we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

Our Management Team

Rampal Sharma | Deepak Sharma | Jagmohan Sharma | Amith Sharma

OUR STRENGTHS

- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE

- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE

- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Some of our Valuable Clients

Flying Machine, U.S. Polo Assn., Aeropostale, Arrow, LP Louis Philippe, Peter England, Nautica, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, Van Heusen, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, Tanishq, TANEIRA, TITAN, Helios, fastrack, Titan eyeplus, Mia, Melorra, CENTRO, BIRKENSTOCK, Third Wave Coffee, SWAYAMVAR, Shoppers Stop, Bluestone, Beauty, SWISH, TASVA, Manyavar

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड'' - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड'' - 09414003411

सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड'' - 09814681741

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)

कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

02. इन्दौर में 22 जून की त्रैमासिक मीटिंग की चित्रावली...
07. सम्पादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. महासभा प्रधान रामपाल शर्मा को गाजे-बाजे..
12. अभिभावक अपने बच्चों को क्वालिटी टाइम..
13. जांगिड समाज राष्ट्र के निर्माण में..
15. प्रधान रामपाल शर्मा, समाज के लोगों की...
17. समाज के गरीब छात्र-छात्राओं को पढ़ाई....
19. जांगिड समाज द्वारा देश की भावी पीढ़ी का..
21. महासभा कार्यकारिणी ने 500 रूपये बिना...
24. महासभा के कार्यो में पारदर्शिता के.....
26. मध्य प्रदेश में जांगिड समाज को पिछडा वर्ग.
28. इन्दौर की त्रैमासिक बैठक में महिलाओं....
30. प्रदेशसभा, जिलासभा, और शाखा सभाओं को.
34. जयपुर में जिलासभा को, भूमि खरीदने के...
36. नजफगढ़ के अनिल जांगिड के साहसिक..
37. नरेश कुमार शर्मा-अभिनन्दन पत्र..वि0टूडे...
38. धर्मशलाएं और मंदिर तो बहुत बना चुके...
38. बांकनेर स्कूल के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के..
39. कोर कमेटी मीटिंग आयोजन की सूचना....
41. वाइस प्रेसिडेंट असीम शर्मा द्वारा समाज कें
42. चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद-बीकानेर.....
43. इन्दौर में आयोजित प्रदेशाध्यक्षों की त्रैमासिक..
47. स्व. सन्तोष राधेश्याम जी जांगिड चैरिटेबल..
48. जिलासभा सांबरकांठा का 15 जून को शपथ..
49. प्रदेशसभा मध्यप्रदेश की त्रैमासिक बैठक 24-
50. स्कूल भवन निर्माण एवं जीर्णोद्धार कमेटी...
51. एक महान विभूति हुई है महात्मा भूरी बाई..
52. होनहार प्रतिभाएं..
53. महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम..
59. वैवाहिक विज्ञापन..
60. महासभा दिल्ली के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य
61. नाशिक में 6 जुलाई को शपथग्रहण समारोह की चित्रावली

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय.....

मनुष्य का स्वभाव का मूल आधार है, परमात्मा पर आस्था, विश्वास और भरोसा और तभी जीवन में सफलता मिलती है।

सम्पादक, रामभगत शर्मा।

सबसे पहले मैं, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की समाज के होनहार, प्रतिभावान और गरीब विद्यार्थियों के प्रति सकारात्मक सोच और उनके उदात्त दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प को नमस्कार करता हूं, जिन्होंने जीवन में, बचपन में खुद उस आर्थिक विभिषिका को महसूस किया कि परिस्थितियों के वशीभूत होकर एक होनहार विद्यार्थी, किस प्रकार से परिस्थितियों से मुकाबला करते हुए हार जाता है और उसका जीवन आर्थिक हालातों के कारण बर्बाद हो जाता है। लेकिन यह उस बच्चे की मानसिकता पर निर्भर करता है कि, वह इस आर्थिक मदद को किस दृष्टिकोण से देखता है और यह अधिकतर उस विधार्थी की सकारात्मक सोच पर ही निर्भर करता है कि वह अपने उद्देश्य में कहां तक सफल या निष्फल रहता है, लेकिन यह निश्चित है कि जीवन में सफलता केवल उसी को ही मिलती है, जो आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ परमात्मा पर भरोसा और विश्वास रखते हुए, अपने जीवन में सामंजस्य बनाए रखते हुए अपने कदम आगे बढ़ाने का काम करता है।

समाज के ऐसे गरीब, बुद्धिमान और प्रतिभावान तथा होनहार छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा के, सकारात्मक दृष्टिकोण और समाज कल्याण की वृहत सोच ने, उनको समाज हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेने के लिए, उनमें परिव्याप्त आध्यात्मिक चेतना ने उनको अभिप्रेरित किया है और **मेरा तो यहां तक मानना है कि मनुष्य में ऐसी सोच परमात्मा ही पैदा करता है, अन्यथा लाखों करोड़ों रुपए होने के बावजूद भी कई भामाशाह, दान में एक रुपया नहीं देते हैं। ऐसा माना जाता है कि मीठे शब्द और अच्छा व्यवहार इंसान को शिखर पर पहुंचा देता है और एक व्यक्ति केवल पैसों से धनवान नही होता है अपितु इस जीवन में असली धनवान वह व्यक्ति है, जिसके पास अपनी सकारात्मक सोच और मधुर व्यवहार तथा परोपकार की भावना से ओत-प्रोत 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई** की भावना है और प्रधान, रामपाल शर्मा में यह सभी गुण मौजूद हैं और यही कारण है कि परमपिता परमात्मा ने, उनका हाथ पकड़ कर, उनको जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता दिखलाया है।

मेरा मानना है कि **इस समाज में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो खुद अभाव में रहकर भी दूसरों की सहायता इसलिए करते हैं कि उनको, इससे मानसिक शांति और सुकुन मिलता है और इस आधुनिक भागदौड़ की दुनिया में, इसी सुकुन और मानसिक शांति हासिल करने का स्तुत्य प्रयास किया जा रहा है।** रामपाल शर्मा की सोच महान है और उनकी इस महान सोच को मैं, सलाम करता हूं, क्योंकि उन्होंने अपने अथक परिश्रम और पुरुषार्थ से यह सिद्ध करके दिखलाया है कि यदि सत्यनिष्ठा पूर्वक संघर्ष, कर्म, पुरुषार्थ और मेहनत की जाए तो, हालात भी बदल सकते हैं और यह उन्होंने सिद्ध करके भी दिखलाया है। **जिस समय एक बुद्धिमान व्यक्ति अपने दिमाग में बड़ा सपना देखता हैं, तो उसके सभी निर्णय ही बदल जाते हैं और इसके विपरित जो छोटी सोच वाले व्यक्ति हैं, वह हमेशा ही छोटा लक्ष्य चुनते हैं जिससे नतीजे भी छोटे ही मिलते हैं,** लेकिन अगर आप सोचते हैं कि मैं, इस कार्य को करने में सक्षम हूं और मैं इस कार्य को कर सकता हूं तो, तो ऐसा साहस आपको, असंभव सी लगने वाली चुनौतियों से भी निमटने का ताकत प्रदान करता है। आपकी यह सकारात्मक सोच और आपके चुनौतीपूर्ण कार्य आपकी हालत के साथ आपकी दुनिया भी बदल सकते हैं और रामपाल शर्मा के बारे में भी यही कहा जा सकता है कि, **उनकी सोच बड़ी है और इस बड़ी सोच ने ही जीवन में उनको संघर्ष करने की प्रेरणा दी और उन्होंने कभी भी हार नहीं मानी और परमात्मा ने उनके साथ दिया और वह आज इस**

मुकाम पर पहुंचे हैं। यह बात उन पर अक्षरशः लागू होती है कि मनुष्य का स्वभाव बनता है, परमात्मा पर आस्था, विश्वास और भरोसा रखने से और तभी जीवन में आशातीत सफलता मिलती है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा का उदात्त हृदय मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से परिपूर्ण है तथा वह सदाशयता की प्रतिमूर्ति और विनम्रता की जीवन्त मिसाल हैं, **जिन्होंने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और गरीब तथा होनहार बच्चों के रास्ते में आ रही वित्तीय कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए ही महासभा को प्रतिवर्ष 2 लाख 51 हजार रुपए, समाज के गरीब बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए देने का जो संकल्प लिया है, उससे आने वाले समय में उन बच्चों की किस्मत बदलने का रास्ता साफ होगा, जो पैसे के अभाव में अपने सपनों का गला घोंटने पर विवश होते थे।** मैं यह नहीं कहता कि इस धन राशि से समाज के सभी गरीब और प्रतिभावान बच्चों की किस्मत एक दम ही बदल जाएगी। लेकिन यह एक शुरुआत है और गरीब बच्चों के लिए एक आशा की किरण अवश्य ही है, हां **लेकिन इतना निश्चित है कि अगर एक साल में, एक या दो बच्चे भी, आई ए एस और आई पी एस तथा उच्च पदों पर सुशोभित होंगे तो, उनको निश्चित रूप से अपने विगत दिनों की याद आएगी और वह समाज के उन गरीब बच्चों की सहायता करने के लिए आगे आएंगे, जो उस समय उन जैसी परिस्थितियों का सामना कर रहे होंगे।**

मैं समाज के एक ऐसे उच्च अधिकारी को जानता हूं, जिन्होंने खुद अभाव का जीवन जिया और वजीफे की सहायता से पढ़ाई की और पुलिस के महानिदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं और उन्होंने बाद में, समाज के कई गरीब बच्चों का मार्गदर्शन किया और आगे बढ़ने में सहायता की और उनमें से अनेक बच्चे सफल भी हुए हैं। **इंदौर में 22 जून को हुई महासभा की कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक में इन्दौर के एक 32 वर्षीय इंजीनियर असीम शर्मा ने भी घोषणा की थी कि वह भी समाज के गरीब और मेधावी बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए एक लाख रुपए प्रतिवर्ष आजीवन देते रहेंगे।**

मैं, इस इंजीनियर की उदारवादी सोच को सलाम करता हूं कि **जिस उम्र में बच्चे अपने परिवार और अपना घर बनाने के सपने लेते हैं, उस उम्र में उसने समाज के गरीब बच्चों की पढ़ाई के बारे में सोचा है और परमात्मा उनकी इस उदात्त भावना को सदैव ही इसी प्रकार से बनाए रखें और गरीब बच्चों का की दुआओं के फल से उसका जीवन सार्थक हो जाएगा।** इस जीवन में एक बात तो अटल सत्य है कि मनुष्य का स्वभाव तैयार होता है, परमात्मा पर भरोसा करने से, इसलिए जीवन में कोई भी कार्य करें, तो इस बात को हमेशा याद रखना कि करना तो मुझे ही है, लेकिन करवाने वाली कोई शक्ति ऊपर बैठी है, जो मुझसे यह काम करवा रही है और जिस दिन मनुष्य में यह भावना बलवती हो जाएगी कि **करते हो तुम कन्हैया, मेरा नाम हो रहा है** तो उसी दिन से उसकी किस्मत बदलनी शुरू हो जाएगी।

रामपाल शर्मा ने आध्यात्मिकता से ओतप्रोत होने के कारण ही, इसी बात पर भरोसा किया और जीवन में उनको सफलता भी मिली। लेकिन कई बार एक व्यक्ति मन की इच्छा पूरी न होने से, निराश हो जाता है, लेकिन ऐसे में, निराश होने की जरूरत नहीं है, इस जीवन की परीक्षा तो हर पल चलती ही रहती है, लेकिन जिसका परमात्मा में विश्वास अटल है, वह उन झंझावातों का मुकाबला करते हुए भी आगे ही बढ़ता रहता है। यदि हम जीवन में इस तरह से प्रयास करेंगे और अपने स्वभाव तथा कर्म को एक साथ जोड़ेंगे तो, यदि किसी कारण से असफलता भी मिली तो, हम उस असफलता से निराश नहीं होंगे और थकेंगे भी नहीं, क्योंकि असफलता पर वही लोग थकते हैं जिनका **मैं प्रबल होता है और जो कर्म में अहंकार को जोड़कर चलते हैं**। लेकिन जो लोग इसमें परमात्मा का हस्तक्षेप देखते हैं वह पुनः सफलता के लिए आसानी से तैयार हो जाते हैं। **जीवन में ऐसे दृढ़ इच्छाशक्ति वालों को सफलता भी निश्चित रूप से ही मिलती है, इसलिए जब भी आप कोई बड़ा काम करें, तो अपने प्रयासों और स्वभाव को साथ जोड़कर चलिए और परमात्मा पर भरोसा रखें तो जीवन में आगे बढ़ने से कोई भी नहीं रोक सकता है।** विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

प्रधान की कलम से ---

महासभा को आजीवन 2 लाख 51 हजार रुपए प्रति वर्ष,उच्च शिक्षा के लिए दिए जाएंगे।

प्रधान, रामपाल शर्मा

सबसे पहले मैं, महासभा रुपी परिवार को 10 जुलाई को मनाई गई व्यास गुरु पूर्णिमा और तीज महोत्सव के साथ-साथ श्रावण मास की बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। श्रावण मास भगवान शिव की भक्ति का सर्वोच्च काल है और भगवान शिव को समर्पित है और इसके दौरान भगवान शिव की भक्ति, उपासना और आराधना, पूजा अर्चना सदियों से अनवरत रूप से जारी है और भगवान शिव के अनन्त स्वरूप हैं, जिनमें 12 ज्योतिर्लिंग भी शामिल हैं, जिनकी विशेष रूप से पूजा अर्चना की जाती है। देवशयनी एकादशी को भगवान विष्णु चार महीने के लिए शयन के लिए चले जाते हैं और इस दौरान भगवान शिव इस संसार का संचालन करते हैं। इसी प्रकार गुरु पूर्णिमा, केवल परंपरा नहीं, अपितु यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो कृतज्ञता, श्रद्धा, निष्ठा और विनम्रता का प्रतीक है और ज्ञान परंपरा का उत्सव है । **गुरु बिना ज्ञान नहीं और गुरु के बिना सम्मान नहीं, गुरु हमारे हृदय से सूर्य के प्रकाश की तरह अज्ञान को विलोपित करके, सदमार्ग का रास्ता दिखलाता है।** गुरु पूर्णिमा पर सभी के द्वारा अपने-अपने गुरुओं को हृदय से वन्दन और प्रणाम**, गुरु वह दीपक हैं जो बिना बोले ही अज्ञानता का अंधेरा दूर कर देता है।**

इसके साथ ही मैं, महाकाल की नगरी और अहिल्याबाई होलकर की कर्मस्थली इन्दौर में, महासभा की नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम त्रैमासिक बैठक का 22 जून के आयोजन के लिए, मध्य प्रदेश सभा के अध्यक्ष, प्रभु दयाल बरनेला के कुशल नेतृत्व और महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला के मार्गदर्शन में आयोजित की गई बैठक में देश के कौने-कौने से इस बैठक में भाग लेने वाले कार्यकारिणी के सदस्यों का भी आभार व्यक्त करता हूं। जिन्होंने इस बैठक में शामिल होकर महासभा का उत्साह बढ़ाया और प्रोत्साहित किया। **इस महत्वपूर्ण त्रैमासिक बैठक में जाति जनगणना और 500 रुपए के सदस्य को चुनाव लड़ने का अधिकार देने जैसे, ऐतिहासिक निर्णय लिए गए।** इसके साथ ही मैं, साधुवाद और धन्यवाद देता हूं, श्री जांगिड समाज पंचायत श्री राम विश्वकर्मा मंदिर तोपखाना के अध्यक्ष अशोक रोडवाल और उसकी टीम तथा श्री विश्वकर्मा जांगिड ब्राह्मण समाज मंदिर एवं धर्मशाला पटेल नगर इन्दौर के अध्यक्ष रतन लाल लाडवा और उसकी टीम का आभार व्यक्त करता हूं, जिनके भरसक सहयोग से इस त्रैमासिक बैठक को आशातीत सफलता मिली और इसके साथ ही भारी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति की भागीदारी ने, समाज को एक संदेश देने का प्रयास किया है कि आज के इस आधुनिक युग में नारी शक्ति भी पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है।

इस त्रैमासिक बैठक में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राजस्थान के राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, विधायक राकेश गोलू शुक्ला, इन्दौर के महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने शामिल होकर इसकी शोभा को द्विगुणित किया और अपना आशीर्वाद भी दिया। **इस बैठक में समाज के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, सर्वसम्मति से सबसे महत्वपूर्ण निर्णय यह लिया गया कि महासभा के जो 500 रुपए वाले सदस्य हैं, उनको भी सभी पदों पर चुनाव लड़ने का अधिकार दिया गया, इससे पहले उनको केवल प्रस्तावक बनने और वोट डालने का ही अधिकार प्राप्त था।** और आपको जानकर यह हैरानी होगी कि **महासभा के एक लाख 15 हजार माननीय सदस्यों में से 88 हजार सदस्य 500 रुपए वाले शामिल हैं। यह ऐतिहासिक निर्णय 23 जून 2025 से ही लागू हो गया है और इसके लागू होने के साथ ही 500 रुपए वाले सदस्यों को भी किसी भी पद पर चुनाव लड़ने का अधिकार हासिल हो गया है, लेकिन इस शर्त के साथ कि चुनाव जीतने के**

बाद एक महीने के भीतर उसको 1600 रुपए, महासभा के खाते में जमा करवाकर पत्रिका का सदस्य बनना जरूरी होगा।

मैं यहां पर इस लेख के माध्यम से यह भी सन्देश देना चाहता हूं कि समाज में केवल ऐसे अच्छे लोगों को ही, विरोध का सामना करना पड़ता है, और जो समाज की भलाई के लिए निस्वार्थ भाव से बेहतर कार्य करते हैं और आजकल जिस प्रकार से व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के माध्यम से महासभा के बारे में, समाज में कुत्सित प्रवृत्ति के लोग अपनी हताशा और निराशा व्यक्त कर रहे हैं, ऐसे लोगों को मेरा एक ही सुझाव है कि अगर आपका इतना समर्पण का भाव भगवान के प्रति होता तो, शायद आपको उनके भी दर्शन हो जाते। मेरा अपना यह मानना है कि **शब्द वह तलवार है, उसका घाव कभी भी नहीं भरता है, इसलिए मेरा उन दिग्भ्रमित लोगों से विनम्र अनुरोध है कि जिस समय, किसी के विरुद्ध टिप्पणी की जाए तो भी मर्यादा में ही होनी चाहिए, क्योंकि मर्यादा वह हथियार है, जिसका कवच आपको सुरक्षित रखता है। इसलिए कहा गया है कि शब्द वह अमूल्य गहना हैं, जिसको तुच्छ मानसिकता के घेरे में कभी भी बन्द नहीं किया जा सकता है। कु शब्द का प्रयोग करने की अपेक्षा निशब्द हो जाना बेहतर है। इसलिए कम बोलों, लेकिन मधुर वाणी में बोलो और यही आपके संस्कारों का परिचायक है।**

मेरा तो मानना है कि, विष और विषमता को पचाए बिना कोई भी व्यक्ति महान नहीं बन सकता है। **देवाधिदेव भगवान महादेव का उदाहरण आप सबके सामने है, उन्होंने मानवता के कल्याण के लिए विष भी पी लिया था, जिससे उनका कंठ नीला हो गया था और वह नीलकंठ महादेव कहलाए। मेरा तो यही मानना है कि जो अमृत पीते हैं वो देव बनते हैं एवं जो राष्ट्र, समाज और प्रकृति की रक्षा के लिए विष को भी प्रेम से पी जाए तो, वह महादेव बन जाते हैं। लेकिन अफसोस इस बात का है कि, आज के इस आधुनिक युग में अमृत तो सभी पीना चाहते हैं, लेकिन विष का नाम सुनकर सभी दूर भागते हैं।**

मैं तो परमात्मा में आस्था और विश्वास रखने वाला एक तुच्छ प्राणी हूं और मुझे इस बात को सहर्ष स्वीकार करने में कोई भी संकोच नहीं है और मैं तो यहां तक कहता हूं कि परमात्मा ने मुझे जरुरत से एक हजार गुना ज्यादा दिया है जिसका मैं अधिकारी नहीं था और परमात्मा का शुक्रिया अदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मेरे माता–पिता और गुरुजनो द्वारा दिए गए बेहतर संस्कारों के कारण ही, समाज के कल्याण के लिए ही मैंने **अपनी बचपन की आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और अपनी अर्न्तआत्मा की आवाज पर परमात्मा के आदेश और उनके निर्देश का पालन करते हुए ही मैं समाज के सामाजिक के कार्य में सदैव ही सतत् प्रयत्नशील हूं और जीवन पर्यन्त समाज सेवा करता रहूंगा, चाहे मैं प्रधान रहूं या ना रहूं।**

मैं, जीवन में जिन संघर्षों और प्रतिकूल परिस्थितियों से गुजर कर यहां तक पहुंचा हूं, मैं नहीं चाहता कि समाज के किसी गरीब और प्रतिभावान तथा बुद्धिमान बच्चे की आर्थिक परिस्थितियों के कारण उसकी पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न हो और इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही **मैंने अपने परिवार और विशेषकर अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा से गहन विचार विमर्श और चिंतन करके, समाज हित का एक छोटा सा संकल्प लिया है और वह संकल्प है, मैं घोषणा करता हूं कि महासभा को प्रत्येक वर्ष 2 लाख 51 हजार रुपए आजीवन भर दिए जाएंगे, महासभा का प्रधान चाहे कोई भी हो, लेकिन उसमें एक शर्त है यह है कि इस पैसे का उपयोग, समाज के बच्चों को उच्च्व शिक्षा दिलाने के लिए ही दिया जाएगा। इस पैसे को किसी अन्य मद में, खर्च करने की अनुमति नही दी जाएगी।**

अन्त में, मेरा सभी समाज बन्धुओं से यह विनम्र अनुरोध है कि समाज में एकता और भाईचारा बनाए रखते हुए, शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गरीब बच्चों की सहायता करें और जातिगत जनगणना के दौरान जांगिड शब्द का अधिकाधिक उपयोग करें ताकि समाज और संगठन की ताकत का पता चल सके। विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा को, गाजे -बाजे के साथ, रीगल चौराहे से सभा स्थल तक लाया गया।

सम्पादक राम भगत शर्मा।

प्रधान रामपाल शर्मा को जुलूस के रूप में 22 जून को सभा स्थल रविन्द्र नाटय शाला तक लाया गया।

इन्दौर में 22 जून को आयोजित की गई महासभा की कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक में, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा को सरोवर पार्टिको होटल से, रविन्द्र नाट्य शाला, सभा स्थल तक, भगवान विश्वकर्मा और महर्षि अंगिरा के जयघोष के नारों के बीच, भगवान महाकाल और अहिल्याबाई होलकर की कर्मभूमि पर, मधुर संगीतमय वातावरण में भारी संख्या में महिलाओं ने उपस्थित होकर, प्रधान रामपाल शर्मा की आरती उतारी और चंदन का तिलक लगाकर, गाजे–बाजे की मधुर संगीतमय धुन के बीच सुखद और आनन्दमय वातावरण के बीच जुलूस के रूप में रवाना किया और परमात्मा ने अपनी कृपा दृष्टि बरसाते हुए हल्की–हल्की बारिश की बूंदों के द्वारा इस वातावरण को और अधिक सुखद और मनोरम तथा आनन्दमय बना दिया।

आसमान पर छाए हुए काले बादल और धीमी–धीमी बारिश, पलक पांवड़े बिछाकर अहिल्याबाई होलकर की कर्मभूमि पर प्रधान जी का, भावभीना स्वागत करने के लिए उत्सुक थी और ऐसा लग रहा था, मानों प्रकृति ने अपना सारा प्यार और संवेदनाओं को यही पर प्रधान जी पर उड़ेल दिया हो। महासभा और प्रदेश सभा के बैनरों को हाथों में लिए हुए, मध्य प्रदेश की युवा टीम आगे आगे चल रही थी और आगे–आगे महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष, माया शर्मा की समर्पित टीम नाचते–गाते हुए, प्रधान जी की अगवानी कर रही थी और भगवान विश्वकर्मा और महर्षि अंगिरा के नारों से वातावरण गूंजायमान हो रहा था तथा, इस मनोरम वातावरण में, प्रधान रामपाल शर्मा को सरोवर पोर्टिको रीगल चौराहे से रविन्द्र नाट्य शाला के सभा स्थल तक लाया गया।

मध्य प्रदेश में महाकाल और अहिल्याबाई होलकर की, कर्मभूमि पर प्रदेश सभा, महिला प्रकोष्ठ और युवा प्रकोष्ठ द्वारा दिए गए सम्मान से अभिभूत होकर, प्रधान रामपाल शर्मा, भाव विह्वल हो गए और उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश प्रदेश सभा द्वारा, समाज के इस मुख्य सेवक को जो, अविस्मरणीय और अकल्पनीय मान–सम्मान दिया गया है, उसको पाकर मैं, आन्दातिरेक से अभिभूत हो गया हूं और मध्य प्रदेश सभा का आभार व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्दों का अभाव है। रवीन्द्र नाट्य शाला में सभा स्थल पर पहुंचने से पहले, प्रधान रामपाल शर्मा ने ध्वजारोहण किया और जन–गन–मन अधिनायक नामक, राष्ट्रीय गान गाया गया और सभा स्थल के मुख्य द्वार पर पहुंचने पर कुमारी कास्वी और नीधि ने तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा करके प्रधान रामपाल शर्मा का भावभीना स्वागत किया और प्रधान ने इन बच्चियों को आशीर्वाद दिया।

प्रधान जी के साथ, जुलूस में शामिल समाज के जो प्रतिष्ठित महानुभाव भागीदार रहे, उनमें महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा, मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, महामंत्री सांवरमल जांगिड, सम्पादक राम भगत शर्मा, मिशन डेढ़ लाख सदस्य प्रभारी रामजी लाल जांगिड, विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, मीडिया प्रभारी महेश जांगिड, सुभाष जांगिड, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष समिता शर्मा, मध्य प्रदेश प्रभारी रत्न लाल लाडवा, मेरठ से यशपाल शर्मा, सोनीपत से फूल कुमार जांगिड, प्रदेश सभा के महामंत्री अनिल कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष रत्न लाल जांगिड, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष माया जांगिड देवास, हेमलता, सीमा, सुमन, मीना, ऊमा, किरण, सुनीता, रंजना, आशा, सन्तोष, पारुल और मंजू, जो मालवा बैंड के साथ–साथ बारिश में भीगते हुए महासभा प्रधान के जुलूस के साथ सभा स्थल पर पहुंचे।

परिसर में ध्वजारोहण के साक्षी बनने वालों में, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा, मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, प्रभु दयाल शर्मा देवास, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, गुरुग्राम के उधोगपति पी एल शास्त्री, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा, उच्च स्तरीय समिति के सदस्य मोहन लाल दायमा, रोहिताश जांगिड और विद्यासागर, गुड़गांव से सोहनलाल शर्मा, नाशिक से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण शर्मा, जिला नाशिक अध्यक्ष गोपाल जांगिड, पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद जांगिड, रामवतार जांगिड, अनिल जांगिड, श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान गंगादीन जांगिड, दिल्ली प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, राजस्थान प्रदेश सभा के महामंत्री कैलाश शर्मा, जिला सीकर महामंत्री राधेश्याम मांडन, दमन दीव से सम्पादक जटाशंकर शर्मा, हिसार से पूर्व पार्षद ओम प्रकाश जांगिड, हरियाणा प्रदेश प्रभारी अजय जांगिड, पूर्व रजिस्टार ईश्वर जांगिड, हवासिंह जांगिड, सीता राम जांगिड सहित अनेक महानुभाव उपस्थित थे, जिन्होंने इसकी गरिमा को चार–चांद लगा दिए। ☆☆☆

''अभिभावक अपने बच्चों को क्वालिटी टाइम प्रदान करे।''

मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री, कैलाश विजयवर्गीय।

मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश सभा के पदाधिकारियों को शपथ दिलवाते हुए।

भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और अहिल्याबाई होलकर की कर्मभूमि तथा 7वीं बार देश के सबसे सुंदर शहर की सूची में शामिल इन्दौर में, महासभा की नवगठित कार्यकारिणी की 22 जुलाई को रविन्द्र नाट्य गृह में पहली भव्य और गरिमामय त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई और मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'जिस समाज का अध्यक्ष प्रभू हो, भला उस समाज के विकास को कौन रोक सकता है और जांगिड समाज मेहनत कश समाज है। मातृशक्ति के भारी संख्या में उपस्थित होने का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि यह समाज की जागरूकता और विकास का परिचायक है। पहले जांगिड समाज में शिक्षा का अभाव था, लेकिन अब समाज में इंजिनियर, डॉक्टर और उच्च अधिकारी बन रहे है।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि पहले लोग यहां कमाने के लिए, काम की तलाश में यहां पर आए थे और अहिल्याबाई होलकर की नगरी ने सबको स्वीकार कर लिया। उन्होंने अभिभावकों को उपदेश देते हुए कहा कि आप पैसा कमाएं लेकिन अपने बच्चों को समय और प्यार देना जरूरी है, क्योंकि बच्चों को जहां प्यार मिल जाता है वह वहीं पर चले जाते है और यह भी कटू सत्य है कि पैसा कभी भी प्यार की बराबरी नहीं कर सकता है और जिस समय बच्चा किसी के प्यार में बंध जाता है तो उसका कोई भी उपचार नही है।

उन्होंने कहा कि ठीक है, आज लोगों के पास पैसा है, वह अपने बच्चों को जरूरत के अनुसार पैसा तो दे देते हैं और वह जरूरी भी है, लेकिन उनके प्यार की भरपाई कौन करेगा, क्योंकि प्यार ही असली दौलत है और प्यार न मिलने से बच्चे गुमराह हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि एक बेटी दो परिवारों को सम्भालती है। पहले अपने भाई बहनों को और शादी होने के बाद, उसके पश्चात अपने सास ससुर की सेवा करती है। इसलिए अपने बच्चों को समय और संस्कार दोनों ही देने चाहिए और अगर आपने अपने बच्चों को शिक्षा दी और संस्कार नहीं दिए तो उसका कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आने वाला समय बड़ा ही चुनौतीपूर्ण है। आज आधुनिक तकनीक बढ़ रही है और इसके लाभ के साथ-साथ इसका नुकसान भी है। उन्होंने दावा किया कि वह अपने बच्चों को क्वालिटी टाइम देते हैं।

कैलाश विजयवर्गीय द्वारा मध्य प्रदेश सभा के महामंत्री अनिल शर्मा, कोषाध्यक्ष रत्न लाल जांगिड, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कपिल शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा और इन्दौर जिला अध्यक्ष धीरज शर्मा को महासभा की तरफ से पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

राजस्थान के मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कैलाश विजयवर्गीय को राजस्थानी पगड़ी बांधी और मध्य प्रदेश सभा के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला और उसकी टीम द्वारा कैलाश विजयवर्गीय को माला स्मृति चिह्न और तलवार भेंट करके सम्मानित किया गया और महिला शक्ति ने भी उसका स्वागत किया।

मंत्री ने कहा कि अपने बच्चों को समझाएं और जरूरत के अनुसार उनको पैसा भी दें और इसके साथ ही बच्चों की बेहतर संगति होनी चाहिए, क्योंकि आज कल नशे का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है और बच्चों की संगति बेहतर होनी चाहिए और आपको यह पता होना चाहिए कि आपके बच्चे का दोस्त और बेटी की सहेली कौन है क्योंकि आने वाली पीढ़ी को संस्कारवान बनाना और सुधारना बहुत अधिक जरूरी है। उन्होंने मातृशक्ति से आग्रह किया कि वह अपने बच्चों को अपने हाथों से खाना बना कर खिलाएं क्योंकि उस खाने में मां का प्यार और दुलार छिपा होता है। क्योंकि **जैसा खाए अन्न वैसा होय मन** और मां का प्यार और बहन का दुलार ही असली दौलत और पूंजी है। क्योंकि आने वाला समय बहुत ही चुनौतीपूर्ण है, जैसे-जैसे आधुनिकता बढ़ रही है, वह लाभदायक होने के साथ नुकसानदायक भी है। यहां पर मातृशक्ति ने सिर पर जो पल्लू ओढ़ा हुआ है वह हमारी संस्कृति भी है और संस्कार भी, जो हमारी विशेष पहचान है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला की जांगिड ब्राह्मण समाज को इन्दौर में, राजस्थान और हरियाणा की तर्ज पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सस्ती दरों पर 5 एकड़ जमीन उपलब्ध करवाने की मांग का उल्लेख करते हुए **भरोसा दिलाया कि इन्दौर में जांगिड ब्राह्मण समाज को जमीन दिलवाने का काम किया जाएगा।**

☆☆☆

जांगिड समाज राष्ट्र के निर्माण में अपनी महत्ती भूमिका निभा रहा है।

राजस्थान के राज्य मंत्री, झाबर सिंह खर्रा।

भगवान विश्वकर्मा से, इस समाज को सृजन और निर्माण की कला विरासत में मिली है और भगवान विश्वकर्मा द्वारा प्रदत्त इस अद्वितीय कला और प्रदत्त विधा के माध्यम से जांगिड ब्राह्मण समाज, राष्ट्र के निर्माण में अपनी महत्ती भूमिका निभा रहा है। यह उदगार महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और अहिल्याबाई होलकर की कर्मभूमि पर और देश में लगातार 7 बार सुन्दर और स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करने वाले इन्दौर, शहर के रविन्द्र नाट्य गृह में, 22 जून को आयोजित, जांगिड ब्राह्मण महासभा की कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक और और मध्य प्रदेश सभा, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ और जिला सभा इन्दौर के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए राजस्थान के केबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने व्यक्त किए। उन्होंने मध्य प्रदेश सभा के पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ भी दिलवाई।

राजस्थान के राज्य मंत्री झावर सिंह खर्रा ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा से, इस समाज को सृजन और निर्माण की कला विरासत में मिली है और भगवान द्वारा प्रदत्त विधा के माध्यम से आप लोग देश निर्माण में अपनी अमूल्य और महत्ती भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में, सबसे बड़ा संकट भावी पीढ़ी में संस्कारों का है और यह सर्वसिद्ध है कि जिस भी समाज की पीढ़ी के संस्कार बेहतर और उदात्त होंगे, तो उस समाज को आगे बढ़ने से कोई भी नहीं रोक सकता है। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों का आह्वान किया कि वह युवा पीढ़ी को बेहतर संस्कार प्रदान करें क्योंकि आज संस्कारों का सबसे बड़ा संकट है, क्योंकि कुछ वर्षों से संयुक्त परिवार टूट रहे हैं और बच्चे दादा-दादी और ताऊ-ताई द्वारा दिए जाने वाले संस्कारों से वंचित हो रहे हैं और आज इस कमी को पूरा करने के लिए सद्शिक्षा और संस्कार नामक दो बड़े ही महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिनकी तरफ तत्काल ही सर्वाधिक ध्यान दिया जाना परमावश्यक है।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले, आपके समाज का स्नेह स्वरूप आभार और समाज में एकजुटता बनाए रखने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को सुसंस्कृत बनाने के लिए परिवार में एकता बनाए रखें, क्योंकि एकता में ही सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि अगर हमारे बच्चे सुशिक्षित और सुसंस्कारित होंगे तो, कड़े परिश्रम के बल पर राष्ट्र को आगे बढ़ने से कोई भी नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों का यह दायित्व है कि वह बच्चों को सुसंस्कृत और सदमार्ग पर चलने के लिए अभिप्रेरित करें और अपने अथक परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर आगे बढ़ने का स्तुत्य प्रयास करें।

मंत्री खर्रा ने कहा कि बच्चे की पहली शिक्षक उसकी मां होती है और माता के गर्भ से लेकर 4-5 साल की आयु तक बच्चे के दिमाग पर, माता के हाव-भाव का गहरा और अमिट प्रभाव पड़ता है और माता से प्राप्त संस्कार उसके, जीवन पर्यन्त काम आते हैं और जिस समय कभी भी वह गलत मार्ग पर चलने का प्रयास करता है तो मां द्वारा दिए गए बेहतरीन संस्कार उसको गलत कार्य करने से रोक लेते हैं । उन्होंने आग्रह किया कि वह आने वाली पीढ़ी को, सृजन और निर्माण कला रुपी विरासत को प्रदान करें, जिससे बच्चों के जीवन में कोई भी कमी नहीं आएगी और मेरी यह मनस्कामना है कि पूरे राष्ट्र में सामाजिक समरसता का वातावरण बने ।

इन्दौर के सांसद शंकर लालवानी, जो वर्ष 2024 में हुए, लोकसभा के चुनाव में देश में सबसे अधिक वोटों से जीते हैं, ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि मां अहिल्याबाई होलकर की कर्मभूमि और महाकाल की इस पावन नगरी में देश के कौने-कौने से इस बैठक में शामिल हुए हैं, सभी का हार्दिक

स्वागत है और मुझे खुशी है कि जांगिड ब्राह्मण समाज ने, इतने भव्य और बेहतरीन और प्रशंसनीय, कार्यक्रम का आयोजन किया है । उन्होंने आश्वासन दिया और विश्वास दिलाया कि, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ मिलकर, आपके समाज की सभी मांगों को पूरा किया जाएगा । मैं मध्यप्रदेश अध्यक्ष, प्रभू दयाल बरनेला और उसकी टीम का भी आभार व्यक्त करता हूं कि आपने इस कार्यक्रम के माध्यम से मुझे अपने विचार व्यक्त करने का सुअवसर प्रदान किया है।

इन्दौर के विधायक राकेश गोलू शुक्ला ने कहा कि कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, इन्दौर का एक हीरा है, जो हर समय इन्दौर के लोगों के ह्रदय में चमकता रहता है और इन्दौर शहर का विकास सुनिश्चित करना है तो कैलाश विजयवर्गीय के प्रसांगिक और विस्तृत अनुभव का लाभ उठाने का प्रयास करना होगा।

इन्दौर नगर निगम के महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने कहा कि मैं बड़ा ही सौभाग्यशाली हूं कि आपके बीच आने का सुअवसर प्राप्त हुआ और आपके जिस समाज को, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आपकी सभी मांगे पूरी करने का आश्वासन भी दिया है। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण का पर्याय है और जो आप देश को देंगे, वह भविष्य में एक अनूठा उदाहरण बनेगा। उन्होंने मध्य प्रदेश अध्यक्ष, प्रभू दयाल बरनेला की इन्दौर में किसी चौराहे का नाम भगवान विश्वकर्मा के नाम पर रखने की मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि **मैं घोषणा करता हूं कि जिस चौराहे का नाम आपकी प्रदेश सभा द्वारा लिखित में दिया जाएगा, उसका भगवान् विश्वकर्मा के नाम पर नामकरण करने के साथ ही, वहां पर भगवान विश्वकर्मा की आदमकद प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी।** उन्होंने कहा कि इन्दौर शहर को सुंदर बनाने में आपके समाज का अमूल्य योगदान रहा है। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश के ओबीसी मोर्चा के प्रोफेसर हंसराज जांगिड ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर राजस्थान के राज्य मंत्री झावर सिंह खर्रा, इन्दौर के सांसद और देश में सबसे अधिक वोटों से जीते शंकर लालवानी, विधायक राकेश गोलू शुक्ला और इन्दौर नगर निगम के महापौर और देश के सबसे सुंदर शहर के महापौर होने का गौरव हासिल किए हुए, पुष्पमित्र भार्गव का, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला और उसकी टीम के सदस्यों और महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल स्मृति चिह्न, तलवार भेंट कर और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया और इसके साथ ही प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा देवास की टीम ने भी इन सभी का भावभीना स्वागत किया।

इस समारोह की गरिमा में चार चांद लगाने वालों में, श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर भगवतानंद गिरी महाराज, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की मुख्य मधु शर्मा, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सविता जांगिड, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड, जांगिड पत्रिका के सम्पादक राम भगत शर्मा, दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड, विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, महासभा के मीडिया प्रभारी राजेश जांगिड और महेश जांगिड, जांगिड रत्न और उच्च स्तरीय समिति के मोहनलाल दायमा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, घनश्याम शर्मा, पंवार, हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगिड, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नानूराम जांगिड, उतर प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा, उत्तराखंड प्रदेश रमेश चंद्र शर्मा, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष जगत राम भदरेचा, गोवा प्रदेश अध्यक्ष भंवरलाल सुथार, दिल्ली प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सिया राम जांगिड, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष सतीश जांगिड, प्राचीन विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज दिल्ली के प्रधान गंगादीन जांगिड, देशराज जांगिड, हंसराज जांगिड, दीपक जांगिड, मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष माया शर्मा, सोहनलाल शर्मा जयपुर, दूरदर्शन, महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रोहिताश जांगिड और लक्ष्मी नारायण जांगिड, मध्य प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष पी डी शर्मा देवास, महामंत्री अनिल शर्मा, शैतान मल शर्मा, उच्च स्तरीय समिति के सदस्य और महाराष्ट्र के प्रभारी मिश्री लाल जांगिड, उच्च स्तरीय समिति के सदस्य गुड़गांव से विद्यासागर जांगिड और सोहनलाल शर्मा, फरीदाबाद से नरोत्तम लाल जांगिड, समालखा से राजेन्द्र शर्मा, और रेवाड़ी से जयपाल जांगिड शामिल हैं।

☆☆☆

प्रधान रामपाल शर्मा, समाज के लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए समुचित निर्णय ले रहे हैं।

पूर्व महासभा प्रधान, कैलाश बरनेला।

महासभा की नव गठित कार्यकारिणी की पहली त्रैमासिक बैठक 22 जून को, भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की पुण्य धरा और अहिल्याबाई होलकर की कर्म भूमि इन्दौर में हुई। इस त्रैमासिक बैठक और महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा के बारे में, महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने उदात्त और उन्मुक्त भाव से अपने विचार व्यक्त करते हुए, **अपने मन की बात कही और बड़े ही बेबाक तरीके से कहा कि महासभा का अर्थ है। 'महा' अर्थात बड़ा और 'सभा' का अर्थ है, सभी यानी एक साथ मिलकर, समाज के लोगों का एक विशाल समूह, जिसमें सभी एक साथ मिलजुल कर, समाज कल्याण और समाज उत्थान के लिए कार्य कर सकें ताकि समाज को आगे बढ़ाया जा सके।**

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, प्रधान रामपाल शर्मा से विचार विमर्श करते हुए

कैलाश बरनेला ने कहा कि इन्दौर में 22 जून को कार्यकारिणी की, जो बैठक हुई है, उसने मुझे 14 मई 2017 में, इन्दौर में महासभा की कार्यकारिणी की बैठक की याद ताजा कर दी है और मुझे याद है कि **वह बैठक एक प्रकार से, ऐतिहासिक बैठक बन गई थी, जिसमें कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने, मुझे महासभा का प्रधान रहते हुए, आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि महासभा के भवन निर्माण के कार्य की शुरुआत की जा सके। सच पूछो तो मैं, उस समय बिल्कुल उम्मीद छोड़ चुका था और मुझे अहसास होने लगा था कि, महासभा के भवन निर्माण का कार्य कभी भी पूरा नहीं हो सकेगा, लेकिन महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग भगवान ने, मुझसे महासभा भवन के निर्माण का कार्य का संकल्प पूरा करवाना था और उस कठिन समय में, भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ने मेरी मदद की और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी ओर उनकी कृपा से ही, कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने मुझ पर अगाध भरोसा और विश्वास करते हुए आगे बढ़ने और महासभा भवन के निर्माण के बारे में उचित निर्णय लेने का अधिकार दिया** और उसके पश्चात समाज के भामाशाहों और दान दाताओं के सहयोग से, मुण्डका दिल्ली में, महासभा भवन निर्माण के लिए जमीन की खरीद करके, महासभा के भवन की आधारशिला रखी गई।

उन्होंने कहा कि समाज के दान-दाताओं और भामाशाहों और जनमानस के सपनों को साकार करने के लिए, **पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा और नेमीचंद शर्मा ने अपने-अपने स्तर पर अपनी-अपनी परिस्थितियों के अनुसार इस महासभा भवन के, निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने का काम किया, लेकिन मेरे सपनों को मूर्त रूप देकर साकार किया है, समाज शिरोमणि और जांगिड रत्न, आपके चहेते मधुर वाणी और विनयशीलता और विनम्रता के द्योतक और संवाहक, प्रधान रामपाल शर्मा ने, अपने पहले कार्यकाल के दौरान महासभा के आलीशान और भव्य भवन निर्माण करके, समाज के महापुरुषों के दिव्य सपनों को साकार किया है।**

कैलाश बरनेला ने याद दिलाया कि, **प्रधान रामपाल शर्मा, पहली बार महासभा की त्रैमासिक बैठक में 14 मई 2017 को भाग लेने, इसी इन्दौर शहर में आए थे और इनको, यह मालूम नहीं था कि, जिस इन्दौर शहर में, महासभा की इस त्रैमासिक बैठक में, वह एक आम आदमी की हैसियत से आए हैं, उसी इन्दौर शहर में 8 साल बाद, वह महासभा के प्रधान पद को सुशोभित करते हुए, भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की इस पावन धरा पर, प्रधान के रूप में महासभा की त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता करेंगे ।**

उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन में, समाज सेवा करने का सौभाग्य भाग्यशाली पुरूषों को ही मिलता है और उनके इसी संकल्प को देखते हुए ही, समाज के लोगों ने पहली बार जनवरी 2022 में प्रधान रामपाल शर्मा को समाज का मुख्य सेवक बनाया और अपने पहले कार्यकाल में, जनभावनाओं का ध्यान रखते हुए ही, **प्रधान रामपाल शर्मा ने, महासभा भवन का लोकार्पण 7 सितंबर 2024 को गणेश चतुर्दशी के पावन अवसर पर करवाया और इतना ही नहीं इस महासभा भवन के निर्माण के लिए, उन्होंने अपने परिवार की तरफ से 1 करोड़ 25 लाख रुपए का सहयोग भी दिया।**

पूर्व प्रधान ने कहा कि इन्दौर में हुई इस त्रैमासिक बैठक की कार्यकारिणी में, सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसला समाज के लोगों की जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, यह लिया गया कि महासभा के 500 रुपए वाले सदस्यों को भी शाखा अध्यक्ष से लेकर, महासभा के प्रधान तक का चुनाव लड़ने का अधिकार दिया गया है और इसके साथ ही इस ऐतिहासिक निर्णय **का देश के सभी प्रदेश अध्यक्षों द्वारा करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। इसके साथ ही एक और महत्वपूर्ण निर्णय जाति जनगणना के बारे में लिया गया है और इस फैसले के अनुसार अपने नाम के साथ, जांगिड लिखने का सर्वसम्मति से फैसला लिया गया है और यहां तक कि किसी भी जाति के उपनाम से पहले भी जांगिड शब्द लिखने का सुझाव दिया गया है।**

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मेरा यह मानना है कि **मनुष्य जीवन पर्यन्त सीखता ही रहता है और वह अनुभव के आधार पर ही सर्वश्रेष्ठ परिणाम दे सकता है और अब प्रधान रामपाल शर्मा को अपने पिछले साढ़े तीन साल के अनुभव के दौरान यह मालूम हो चुका है कि समाज का हितैषी कौन–कौन है और इस समाज को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा सहित किन–किन बातों पर सर्वाधिक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है और मुझे विश्वास कि उनके कुशल नेतृत्व और प्रबंधन क्षमता के परिणामस्वरूप ही, इस दूसरे कार्यकाल के दौरान भी समाज हित के अनेक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लिए जाएंगे।** जिस प्रकार से, प्रधान रामपाल शर्मा ने, महासभा के परिवार को बढ़ाने के लिए **मिशन डेढ़ लाख शुरू किया है और इस मिशन के बड़े ही उत्साहवर्धक परिणाम सामने आ रहे हैं और 10 जून 2025 तक इस महासभा रुपी परिवार में 1 लाख 14 हजार 116 सदस्य शामिल हो चुके हैं।** मैं तो प्रधान जी से भी, यही आग्रह करूंगा कि यह असाध्य लक्ष्य बड़ा ही कठिन है लेकिन **मेहनत करने वालों की जीवन में कभी भी हार नहीं होती है। प्रधान जी आप आगे बढ़ो, हम आपके साथ हैं** इसलिए मेरी सभी महानुभावों से करबद्ध प्रार्थना है कि हम सभी मिलकर और आपसी मतभेदों को भुलाकर समाज हित के लिए प्रधान जी, के साथ, कंधे से कंधा मिलाकर भरपूर सहयोग करें। आपको मालूम है कि **प्रधान जी ने समाज सेवा करने का संकल्प उनकी आध्यात्मिक सोच से अभिप्रेरित होकर ही लिया है और इसके साथ ही महासभा में भी पारदर्शी तरीके से काम करने के आदेश लागू किए गए हैं।** मुझे विश्वास है कि यहां से लोग महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करके मधुर स्मृतियां साथ लेकर जाएगे। भारत में 12 ज्योतिलिंग हैं और मध्य प्रदेश में उज्जैन में महाकालेश्वर में दो ज्योतिर्लिंग हैं। प्रदेश सभा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला और उसकी कार्यकारिणी, जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत श्री राम विश्वकर्मा मंदिर तोपखाना इन्दौर के अध्यक्ष अशोक रोडवाल और उसकी टीम तथा श्री विश्वकर्मा जांगिड ब्राह्मण समाज मंदिर एवं धर्मशाला पटेल नगर, इन्दौर के अध्यक्ष रतन लाल लाडवा और उसकी कर्मठ टीम ने इस बैठक को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इन सभी महानुभावों का, मैं हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं।

☆☆☆

प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा समाज के गरीब छात्र-छात्राओं को पढ़ाई जारी रखने के लिए 2 लाख 51 हजार रुपए प्रति वर्ष देने की घोषणा।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

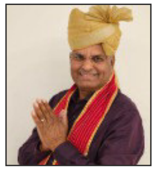

इस मानव जीवन का उद्देश्य तभी सार्थक होता है, जिस समय वह इस जीवन की सार्थकता को समझ कर, प्रभु का सुमिरन करते हुए मानव कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प लेता है तो ऐसे व्यक्ति का जीवन धन्य हो जाता है । **महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की समाज सेवा करने की प्रबल प्रवृत्ति ने यह सिद्ध कर दिया है कि, दान देना और समाज सेवा करना प्रभु की कृपा के बिना सम्भव नहीं है, लेकिन जो व्यक्ति सामर्थ्य होते हुए भी दान देने से संकोच करता है तो वह उस जलहीन बादल की भांति शोभाहीन होता है।** जिसका कोई लाभ नहीं होता है।

हीरे की परख तो, एक जोहरी ही कर सकता है । **प्रधान रामपाल शर्मा ने इस सहज और स्वाभाविक रूप से परिलक्षित होने वाली, समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों की पीड़ा और उनकी व्यथा को समझते हुए ही, समाज के गरीब और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की सहायता करने के लिए 2 लाख 51 हजार रुपए प्रति वर्ष, आजीवन महासभा को देने की घोषणा की है।** उनके द्वारा यह महत्वपूर्ण घोषणा 6 जुलाई को भगवान श्री राम की मधुर स्मृतियों को संजोए हुए और भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में विख्यात, त्रयंमकेश्वर की पावन धरा, नाशिक में, महाराष्ट्र प्रदेश सभा की 5वीं त्रैमासिक बैठक व नाशिक जिला सभा कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए की गई और इस घोषणा का सभा में, उपस्थित सभी महानुभावों ने खड़े होकर करतल ध्वनि के साथ, इस समाज हितैषी कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा के साथ स्वागत किया।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता के 17वें अध्याय के 20वें श्लोक में कहा है कि दान, तीन प्रकार का सात्विक, राजस और तामस होता है और इनमें से सबसे सर्वश्रेष्ठ दान वह माना गया है। जो दान, देश, काल और पात्र को निस्वार्थ भाव से बिना किसी प्रत्यूपकार और निस्वार्थ भावना और किसी भी लोभ और लालच के बिना परोपकार की भावना से दिया जाता है, वही सात्विक दान है।

इसके साथ ही **मन में, परहित सरिस धर्म नहिं भाई** अर्थात दूसरों के हित के समान कोई भी धर्म नही है, की भावना से ओत-प्रोत होकर जो दान दिया जाता है तो ऐसा दान, सोने पर सुहागा बन जाता है। सन्त कबीर दास जी ने भी कहा है कि- **चिड़ी चोंच भर ले गई, नदी घट्यो ना नीर, दान दिए धन ना घटे कह गए सन्त कबीर।** वास्तव में दान देने से धन घटता नही है अपितु यह बढ़ता है ओर इसके अनेकों उदाहरण आपके सामने है, **धन्ना जाट ने फसल बोने के लिए रखी सारी ज्वार भूखे सन्त महात्माओं को दान में दे दी और खेत में कंकर बो दिए, लेकिन उसमें ज्वार की लहलहाती फसल पैदा हुई तथा दूसरे किसानों की फसलें सूख गई, यह उनके दान देने की भावना का ही प्रभाव था। गुरु नानक देव ने सच्चा सौदा खरीदने के उसके पिता द्वारा दिया गया सारा धन साधु-सन्तो पर लुटा दिया था।**

आध्यात्मिकता से परिपूर्ण और भगवान में आस्था और विश्वास रखने वाले रामपाल शर्मा ने कहा कि **मैंने जीवन में उन अभावों को स्वयं भी महसूस किया है और मैं समाज के गरीब और प्रतिभावान विद्यार्थियों की पीड़ा और दर्द को भलीभांति महसूस करता हूं और इस संकल्प को पूरा करने के लिए ही अब परमात्मा ने इस सेवक को समाज के गरीब और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की सहायता करने का सामर्थ्य प्रदान किया है तो, मैं इसका श्रेय मैं खुद नही लेना चाहता हूं, क्योंकि मैं तो केवल इतना ही जानता हूं कि जो कुछ है प्रभू सो तोर, मनुष्य का क्या है जो वह क्या साथ लेकर आया सभी तो परमात्मा ने ही दिया है, मनुष्य का तो केवल अंहकार और मैं हूं ही है, जो उसने यहां पर ग्रहण किया है।** परमात्मा के आशीर्वाद और दान देने की इस

प्रवृत्ति ने ही मुझे यह महत्वपूर्ण घोषणा करने के लिए अभिप्रेरित किया है। इसीलिए कहा गया है कि **भगवान के इस जीव की शोभा, उसके सांसारिक ऐश्वर्य में नही, अपितु दान और धर्म करने में ही है। इसीलिए भगवान की सद्प्रेरणा और अपने गुरु महाराज के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए ही, प्रधान रामपाल शर्मा ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है और इस निर्णय के लिए समाज उनको साधुवाद देता है।**

इतना ही नही समाज को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणीय बनाने की उनकी पिपासा अभी शांत नही हुई है। समाज के गरीब और प्रतिभाशाली बच्चों की सहायता करने का यह संकल्प नया नही है। प्रधान जी की, अर्धांगिनी श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने भी समाज के 5 गरीब और प्रतिभावान बच्चों को गोद लिया हुआ है और उनका शिक्षा का सारा खर्च उसके द्वारा ही, वहन किया जा रहा है और इस बारे में एक घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार मैं, अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल, बांकनेर दिल्ली के शताब्दी समारोह में शामिल होने गया था और **वहां पर एक बच्ची मेरे पास आई, जिसको मेरी अर्धांगिनी श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने पढ़ाया है और वह मेरे गले लगकर रोने लगी और कहने लगी कि देवी स्वरूप मां के समान, मैडम के कारण ही आज मैं इस मुकाम पर पहुंच पाई हूं और यह सुनकर मुझे बहुत ही तसल्ली हुई ।**

प्रधान रामपाल शर्मा ने इन्दौर के 32 वर्षीय युवा इंजीनियर असीम शर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि, उसने भी समाज के गरीब बच्चों की सहायता के लिए एक लाख रुपए प्रति वर्ष आजीवन देने का फैसला किया है। उन्होंने सभा में उपस्थित दान दाताओं से भी अपील की है कि वह समाज के गरीब बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने में मदद करें और यदि सम्भव हो सके तो एक-दो दान-दाता मिलकर भी, एक गरीब और प्रतिभावान छात्र और छात्रा को गोद लेकर उसकी सहायता करने का संकल्प लें सकते हैं और उन्होंने पुन: दोहराया कि सभी मिलकर समाज के गरीब बच्चों को शिक्षित करने के लिए उन्हें अभिप्रेरित करने के साथ ही उनकी यथा सम्भव सहायता करें, क्योंकि शिक्षा से ही समाज की प्रगति और विकास का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

रामपाल शर्मा ने, अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि महासभा के मुण्डका भवन में भी, समाज के गरीब और प्रतिभावान और युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए उनके रहने की सस्ते दामों पर समुचित व्यवस्था की जाएगी और इसके साथ ही **मैं, यह भी घोषणा करता हूं कि जो कोई भी समाज का युवा, आई ए एस की प्री की परीक्षा पास कर लेता है, उसकी मैं परीक्षा होने तक महासभा के मुण्डका भवन में रहने और खाने की मुफ्त सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।** यह एक छोटा सा प्रयास महासभा द्वारा किया गया है। **रामपाल शर्मा ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि 2 लाख 51 हजार रुपए महासभा को सिर्फ गरीब बच्चों की उच्च शिक्षा में सहायता करने के लिए ही दी जाएगी और इस राशि का अन्य किसी भी उद्देश्य के लिए कोई भी उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी।**

राज्य सभा के सांसद रामचन्द्र जांगड़ा, आदमपुर के विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. सुमित शर्मा और आयकर विभाग के मुख्य प्रधान आयुक्त डॉ. नरेन्द्र शर्मा, महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा ने कहा कि महासभा प्रधान रामपाल शर्मा की समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों के प्रति सोच ने यह साबित कर दिया है कि परमात्मा द्वारा दिए गए धन का सदुपयोग परोपकार के कार्यों में किस प्रकार से किया जा सकता है और समाज में शिक्षा को किस प्रकार से बढ़ावा दिया जा सकता है। परमात्मा समाज के प्रति उनकी इस सकारात्मक सोच को सदैव ही इसी प्रकार बनाए रखें ताकि वह इसी प्रकार से समाज सेवा करते रहें।

आइए, हम सभी मिलकर शिक्षा रुपी इस महायज्ञ को सफल बनाने का कार्य करने के लिए और इस समाज को नई दिशा और दशा देने का मिलकर कार्य करने का संकल्प लें और एक नए इतिहास की रचना करें और अपने बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाने का संकल्प ले कर, समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों को आगे बढ़ाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। आप सभी का विपुल धन्यवाद। ☆☆☆

जांगिड समाज द्वारा देश की भावी पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान, विनम्रता और सदाशयता की प्रतिमूर्ति रामपाल शर्मा ने कहा कि आधुनिक डिजिटल क्रांति के युग में समाज के युवाओं को आधुनिक तरीके से शिक्षित करने की महत्ती आवश्यकता है ताकि वह आधुनिक चुनौतियों का मुकाबला करने के साथ ही उच्च शिक्षा ग्रहण करके अपने लक्ष्य को हासिल कर सकें और इसके लिए जांगिड ब्राह्मण समाज को शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ ही अधिक से स्कूल खोलने के साथ ही अधिक से अधिक छात्रावासों और कोचिंग सेंटरों की स्थापना करने पर विशेष बल देना होगा।

प्रधान रामपाल शर्मा ने यह उद्‌गार इन्दौर में 22 जून को आयोजित महासभा की त्रैमासिक बैठक के दौरान एक साक्षात्कार के दौरान व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि इन्दौर में महासभा की नवगठित कार्यकारिणी की पहली बैठक, मध्यप्रदेश सभा द्वारा 22 जून को रविन्द्र नाट्य गृह, इन्दौर में आयोजित की गई थी और इस गरिमामय बैठक में मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राजस्थान के राज्य मंत्री झावर सिंह खर्रा, इन्दौर के सांसद शंकर लालवानी और विधायक राकेश गोलू शुक्ला तथा इन्दौर के पुष्पमित्र भार्गव महापौर अपना आशीर्वाद देने पहुंचे थे, जिससे इस बैठक की सार्थकता और गरिमा कई गुणा बढ़ गई। समारोह के श्रीगणेश से पहले, समाज के विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में झण्डारोहण किया गया और भगवान विश्वकर्मा और ऋषि अंगिरा की पूजा अर्चना और आरती की गई।

प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि किसी भी समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए शिक्षा का सर्वाधिक महत्त्व है, क्योंकि केवल मात्र शिक्षा ही एक मात्र ऐसी अमोघ शक्ति है, जो देश के उज्ज्वल भविष्य और कर्णधारो के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी करने के लिए भी प्रेरित करें ताकि वह उच्च पदों पर आसीन होकर देश और समाज सेवा कर सकें और इसके साथ ही अपने बच्चो को, अपनी जरूरतों को कम करके उनको शिक्षा के मूलभूत सुविधाओं, जैसे कोचिंग दिलवाने की उचित व्यवस्था करें । उन्होंने समाज के वरिष्ठ अधिकारियों और सक्षम भामाशाहों से अपील की है वह भावी पीढ़ी का मार्ग दर्शन करने के साथ ही, भामाशाहों को गरीब और प्रतिभावान बच्चों की सहायता करने के लिए विशेष रूप से आगे आना चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चो पर अनावश्यक रूप से जबरदस्ती शिक्षा ना थोपे, इसके विपरित उनको अपनी अभिरुचि और इच्छाओं के अनुरूप आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित करें, क्योंकि आधुनिक युग में केवल मात्र शिक्षा ही एक ऐसा अमोघ अस्त्र है, जो आपके बच्चों का भाग्य बदलने का सामर्थ्य रखती है। उन्होंने प्रोफेशनल शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आज के इस प्रतिस्पर्धा के युग में केवल वही बच्चा सफल होगा, जो तकनीकी और प्रोफेशनल शिक्षा में पारंगत होगा और ऐसे प्रतिभावान युवा को रोजगार के लिए इधर-उधर भागने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी । बच्चों के उज्ज्वल भविष्य बनाने की वकालत करते हुए, उन्होंने सुझाव दिया कि अपने बच्चों को आधुनिक जमाने की बुराइयों जैसे टी वी, मोबाइल, इन्टरनेट से दूर रखे तथा इसके साथ ही अपने बच्चों पर विशेष रूप से पूरी निगरानी रखे । उन्होंने

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड से पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, विचार विमर्श करते हुए

पुनः दोहराया कि महासभा द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों युवाओं के लिए दिल्ली में शीघ्र ही रहने की उचित व्यवस्था की जाएगी क्योंकि, महासभा के मुंडका भवन में अधिक क्षमता का मीटर कनेक्शन लगाने के लिए दिल्ली सरकार से अप्रूवल मिल गई है और इसके साथ ही मेरी हार्दिक मनस्कामना है कि बाकनेर स्कूल, केवल मात्र एक स्कूल न होकर, शिक्षा का बेहतर मंदिर बने और इस स्कूल के जीर्णोद्धार का काम भी शुरु कर दिया गया है। मैं आपके कल्याण के लिए कल महाकाल के दर्शन करने गया था और मैंने समाज के हित में काम करने के लिए भगवान महादेव और महाकाल से शक्ति देने की प्रार्थना की थी। मैं इस अवसर पर केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि -----

सपनों की मंजिल कभी भी, इतनी पास नही होती ।
यह अनमोल जिन्दगी है, हर पल उदास नही होती ।।
भगवान पर भरोसा रखो तो, कभी निराशा नहीं होती ।
कभी कभी वह मिल जाता है, जिसकी आस नही होती ।।

संगठन की मजबूती और आपसी प्रेम और सौहार्द तथा आपसी सामंजस्य बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए, प्रधान ने कहा कि आप को कुछ स्वार्थी लोगों द्वारा महासभा के बारे में किए जा रहे दुष्प्रचार से सतर्क रहने की जरूरत है। मेरा तो यही मानना है कि समाज में मतभेद तो हो सकतें हैं, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए, क्योंकि हम एक ही पिता की सन्तान हैं। इसीलिए कहा गया है कि यदि हम समाधान नही बन सकते तो, सांत्वना तो बन ही सकते है और यदि हम सहायता नही कर सकते तो, कम से कम नुकसान पहुंचाने से तो बच ही सकते हैं और यदि हम समस्या का निराकारण नही बन सकते तो कम से कम उसका कारण तो ना बने और यदि हम गति को बढ़ा नही सकते तो कम से कम गति अवरोधक तो ना बने। इसीलिए आज समय की यह महत्ती आवश्यकता है कि आप और हम सभी मिलकर महासभा को एक नई ऊंचाइयों पर ले जाने का सभी मिलजुल कर स्तुत्य प्रयास करें।

अन्त में, मैं इस शानदार भव्य और गरिमामय आयोजन के लिए मध्यप्रदेश प्रदेश सभा के जुझारू अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला और उसकी कर्मठ टीम को बधाई देता हूं, जिन्होंने शहर में इतने बड़े-बड़े पोस्टर तो लगवाए, लेकिन प्रभु दयाल बरनेला ने अपनी फोटो नहीं लगाई और न ही निमंत्रण पत्रिका में अपना नाम लिखा है और यह उनकी महानता का परिचायक होने के साथ ही बड़ा दिल होने का द्योतक भी है। इसके साथ ही महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष माया शर्मा और युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कपिल शर्मा और विशेषकर मातृशक्ति का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इतनी भारी संख्या में उपस्थित होकर, इस समारोह की गरिमा को चार चांद लगा दिए। इसके साथ ही स्थानीय श्री जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत श्री राम विश्वकर्मा मंदिर समिति तोपखाना के अध्यक्ष अशोक रोडवाल और उसकी टीम तथा श्री विश्वकर्मा जांगिड ब्राह्मण समाज मन्दिर एवं धर्मशाला पटेल नगर के अध्यक्ष रतन लाल लाडवा और उसकी कर्मठ टीम, मीडिया से जुड़े पत्रकार नरेश शर्मा, हरिराम जांगिड, महेश जांगिड, जांगिड पत्रिका के सम्पादक राम भगत शर्मा तथा महासभा के उच्च स्तरीय समिति, अनुशासन समिति और सभी प्रदेश अध्यक्षों के साथ विभिन्न प्रदेशों से आए हुए आगुंतक मेहमानों का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, जिनकी उपस्थिति ने इस समारोह की भव्यता और गरिमा को एक विशेष पहचान दिलवाने में सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि महाकाल और अहिल्याबाई होलकर की कर्मभूमि की स्मृतियों को अपने हृदय में सहेज कर साथ ले जाएं क्योंकि यह यादें आपको इस महाकाल की नगरी में आयोजित इस त्रैमासिक बैठक और शपथ ग्रहण समारोह की स्मृतियों को ताजा बनाए रखने में उपादेय और लाभदायक सिद्ध होगी। आप सभी का पुनः हृदय की गहराइयों से आभार। विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

महासभा कार्यकारिणी ने 500 रुपए बिना पत्रिका वाले संरक्षक सदस्यों को भी चुनाव लड़ने का अधिकार देकर एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

महासभा के महामंत्री, सांवरमल जांगिड।

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा 22 जून को इंदौर में महासभा कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक में महासभा के निर्धारित ऐजेण्डे पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए सबसे पहले उन्होंने महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा उनमें पुन: विश्वास और भरोसा व्यक्त करने और उनको पुन: महामंत्री का दायित्व सौंपने के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं प्रधान जी का हृदय के अन्त:करण से आभार व्यक्त करता हूं।

महामंत्री ने कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा और आप लोगों ने मुझ पर जो अटूट विश्वास करके, समाज सेवा का अनुपम अवसर प्रदान किया है, इसके लिए पुन: आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि महासभा का दूसरा कार्यकाल बंधुत्व भाव और सकारात्मक सोच और नई आशाओं और आकांक्षाओं के साथ शुरू हो रहा है और समाज द्वारा प्रदान किए गए अनवरत सहयोग के लिए आभार और मुझे विश्वास है कि आप सभी अपनी सकारात्मक सोच के साथ, समाज को आगे बढ़ाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करेंगे। मैं, महासभा के प्रति समाज की अगाध आस्था और उन्नति की सोच से भाव विभोर हूँ तथा आपकी उपस्थिति की सुगंधमय महक से सारा वातावरण प्रफुल्लित हो गया है। उन्होंने कहा कि विगत तीन वर्षों के दौरान प्रधान रामपाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में महासभा में पारदर्शी तरीके से कार्य किया गया है और यही कारण है कि महासभा में समाज के लोगों का विश्वास बढ़ा है।

मालवा क्षेत्र की अहिल्याबाई होलकर की कर्मभूमि पर इस गरिमामय त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया है और जिस प्रकार से मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और राजस्थान के नगरीय विकास एवं स्वायत शासन विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा और इन्दौर के सांसद शंकर लालवानी और विधायक राकेश गोलू शुक्ला तथा इन्दौर के महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने अपना आशीर्वाद देकर इसकी गरिमा को द्विगुणित किया ।

इस बैठक में प्रधान रामपाल शर्मा की अनुमति से रखें गए **ऐजेण्डे नम्बर 1.** का उल्लेख करते हुए महामंत्री ने कहा कि आगामी तीन चार माह में देश की चार प्रदेश सभाओं का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है जिनमें उत्तराखंड, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और गुजरात में प्रदेश सभाओं के चुनाव करवाने के लिए कल 21 जून शनिवार को सभी प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रभारियों की त्रैमासिक बैठक में इस निर्णय के बारे में सर्व सम्मति से सभी ने सहमति प्रदान करते हुए महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा को आगामी समस्त प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव सम्पन्न करवाने के लिए अधिकृत भी करने का निर्णय किया गया है । उक्त एजेंडा बिंदु को सदन के पटल पर रखते ही सभा कक्ष में उपस्थित पदाधिकारियों ने इस निर्णय का करतल ध्वनि के साथ एक स्वर में समर्थन किया है ताकि आने वाले समय में सभी प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव निश्चित समय एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न करवाए जा सकें। इसके साथ ही जून 2025 की जांगिड ब्राह्मण पत्रिका में पृष्ठ नं 36 से पृष्ठ नं 42 तक उक्त प्रदेशों में होने वाले प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव के सन्दर्भ में चुनाव अधिसूचना भी प्रकाशित की जा चुकी है।

ऐजैण्डा न. 2. महासभा के नव निर्मित मुंडका भवन का प्रबन्धकीय संचालन के लिए एक कमेटी बनाने का निर्णय किया गया है, आपको मालूम है कि महासभा भवन का लोकार्पण 7 सितंबर 2024 को गणेश चतुर्दशी के पावन अवसर पर किया गया था और इस बारे में बेंगलुरु में 29 सितम्बर को हुई महासभा की त्रैमासिक बैठक में समय के अभाव के कारण महासभा भवन के संचालन के लिए समिति बनाने का निर्णय

नहीं हो पाया था और इस मुद्दे पर कल 21 जून को, प्रदेश अध्यक्षों और प्रदेश प्रभारियों ने सर्वसम्मति से महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड को अधिकृत किया और सभी अध्यक्षों ने इस निर्णय का करतल ध्वनि समर्थन किया है ताकि इस बारे में उचित निर्णय लेकर इसके संचालन की समुचित व्यवस्था की जा सके ।

ऐजैण्डा नं. 3. अयोध्या में भगवान विश्वकर्मा का मन्दिर और धर्मशाला का निर्माण करना। जैसा कि आपको विदित है कि 11 फरवरी 2024 को हैदराबाद में हुई महासभा की त्रैमासिक बैठक में भगवान श्रीराम के जयघोष के गूंजायमान नारों के बीच अयोध्या में भगवान विश्वकर्मा के मंदिर और धर्मशाला का निर्माण करने का संकल्प लिया गया था और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 17 दिसंबर 2024 को प्रधान रामपाल शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल अयोध्या में गया था, जिसमें महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, महामंत्री सांवरमल जांगिड, महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रोहिताश जांगिड और मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला शामिल थे और अयोध्या का दौरा करने के बाद वहां कुछ सरकारी दस्तावेज चेक करने के बाद जमीन खरीदने के बारे में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया जा सका। अभी महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रोहताश जांगिड 19-20 और 21 जून को इसी प्रयोजन के लिए अयोध्या गए हुए थे और उन्होंने तीन-चार जगह के बारे में जानकारी हासिल की है वह अयोध्या से इस त्रैमासिक बैठक में भाग लेने के लिए कल ही 21 जून को अयोध्या से सीधे यहां इन्दौर पहुंचे हैं। महासभा द्वारा इस उद्देश्य के लिए भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में लगभग 2000 वर्ग गज भूमि खरीदने के लिए एक कमेटी का गठन करने का निर्णय लिया गया है और इस कमेटी का गठन भी शीघ्र ही कर दिया जाएगा ताकि अयोध्या में भगवान विश्वकर्मा मंदिर और धर्मशाला के निर्माण के लिए जल्दी से जल्दी ठोस कदम उठाए जा सके । उन्होंने रहस्योद्घाटन किया कि इस कमेटी के गठन के बारे में भी महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड को अधिकृत किया गया है ताकि इस बारे में शीघ्रातिशीघ्र एक 5 सदस्यीय कमेटी का गठन किया जा सके।

ऐजैण्डा नं. 4. राष्ट्रीय जाति जनगणना पर चर्चा- केंद्र सरकार ने देश में जाति जनगणना को दो चरणों में करवाने का ऐतिहासिक फैसला किया है और यह इस समाज और संगठन के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इस समाज के लोगों की अलग-अलग प्रदेशों में विभिन्न नामों से पहचान है जैसे बढ़ई, खाती, जांगिड, जांगिड ब्राह्मण, जांगड़ा, धीमान, पांचाल, विश्वकर्मा, शर्मा और रामगढ़िया जैसे उपनामों की जगह सिर्फ जांगिड लिखने के सुझाव के बारे में सभी प्रदेश सभाओं को एक पत्र लिखा जाएगा और वह इस मामले को अपनी राज्य सरकारों के साथ उठाएगीं। इस बारे में 21 जून को प्रदेश अध्यक्षों और 22 जून को **महासभा की कार्यकारिणी में यह निर्णय लिया गया।** और महासभा द्वारा सभी प्रदेश अध्यक्षों को एक पत्र लिखकर उन्हें अविलंब जानकारी भेजने के लिए कहा गया है कि **महासभा को यह सूचित करने का कष्ट करें कि आप के प्रदेश में सरकारी रिकार्ड में, हमारे समाज को किस नाम से जाना जाता है** और इस एकरूपता के आधार पर ही प्रदेश सरकारों एवं केन्द्र सरकार को पत्राचार किया जाना है।

ऐजैण्डा नं. 5. महासभा के 500 रुपए बिना पत्रिका वाले सदस्यों को चुनाव लड़ने का अधिकार। महामंत्री ने कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा ने समाज के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है की महासभा के पत्रिका रहित 500 रुपए वाले सदस्य भी अब चुनाव में प्रत्याशी हो सकते हैं और इस ऐतिहासिक निर्णय का, बैठक में उपस्थित सभी प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया । उन्होंने कहा कि यद्यपि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली और उसके अंतर्गत सभी इकाइयों के चुनाव महासभा कार्यकारिणी द्वारा पारित ''चुनाव निर्देशिका 2024" के नियम एवं दिशा निर्देशानुसार हो रहे हैं। महासभा संविधान एवं ''चुनाव निर्देशिका-2024" में महासभा के पत्रिका रहित 500 रुपए के सदस्यों को चुनाव में प्रत्याशी होने की पात्रता नहीं हैं, परंतु इंदौर में 21 जून 2025 को प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों की मीटिंग एवं 22 जून 2025 को आयोजित महासभा की त्रैमासिक मीटिंग में सर्वसम्मति से यह निर्णय पारित कर लागू कर दिया गया है कि महासभा एवं अंतर्गत किसी भी इकाई के चुनाव में महासभा के पत्रिका रहित 500 रुपए वाले संरक्षक सदस्य को भी चुनाव लड़ने की पात्रता प्रदान की गई हैं।

लेकिन चुनाव लड़ने की यह पात्रता इस शर्त के साथ दी गई है की पत्रिका रहित 500 रूपये वाले सदस्य यदि चुनाव जीत जाते है तो उन्हे एक माह के भीतर 1600 रुपए रुपए जमा करवाकर 2100 रुपए का पत्रिका वाला सदस्य बनना अनिवार्य होगा अन्यथा उनका निर्वाचन इस अवधि के पश्चात स्वत: ही निरस्त माना जाएगा।

इस अवसर पर इस त्रैमासिक बैठक की शोभा को चार चांद लगाने वालों में, प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, महासभा के कार्यकारी प्रधान लादू राम जांगिड, मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर भगवतानंद गिरी महाराज, भागीरथ एण्ड ब्रदर्स के फाऊंडर संस्थापक रामेश्वर लाल शर्मा, अशोक बरनेला, जांगिड पत्रिका के सम्पादक राम भगत शर्मा, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, महासभा के कोषाध्यक्ष अनिल कुमार जांगिड, महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सविता शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष स्मिता जांगिड जयपुर, महामंत्री मीनू शर्मा अजमेर, कोर कमेटी के सदस्य और जांगिड रत्न से सम्मानित शंकर लाल लदोया और मोहनलाल दायमा, प्रदेश अध्यक्षों में, प्रभू दयाल बरनेला, घनश्याम शर्मा, खुशी राम जांगिड, नानूराम जांगिड, अशोक शर्मा, कैलाश चंद शर्मा, जगत राम भदरेचा, भंवरलाल सुथार, सिया राम जांगिड, रमेश चन्द्र शर्मा और सतीश जांगिड, मध्य प्रदेश प्रभारी रतन लाल लाडवा, दिल्ली प्रभारी मदनलाल शर्मा, उतर प्रदेश प्रभारी, मुकेश शर्मा हरियाणा प्रभारी अजय जांगिड, महाराष्ट्र प्रभारी चम्पा लाल जांगिड, छतीसगढ़ प्रभारी धर्मचंद शर्मा, शिरोमणि सभा हरिद्वार के चेयरमैन लीलूराम शर्मा, मिशन डेढ़ लाख प्रभारी रामजी लाल जांगिड, श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान गंगादीन जांगिड, दिल्ली प्रदेशसभा के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, कोर कमेटी के सदस्य विद्यासागर जांगिड गुडगांव, सांवरमल जांगिड गोवा, सुरेन्द्र वत्स दिल्ली, बजरंग लाल जांगिड दुर्ग, ओम प्रकाश शर्मा दिल्ली, पी. डी. शर्मा देवास, प्रदीप शर्मा मंडेवाला इंदौर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गुजरात महावीर जांगिड, द्वारका प्रसाद शर्मा, महाराष्ट्र के प्रदेश पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रोहितास जांगिड औरंगाबाद और लक्ष्मी नारायण शर्मा नाशिक, विनोद जांगिड, अनुशासन समिति के सदस्य देवेन्द्र शर्मा एवं ओम प्रकाश जांगिड जयपुर, राजस्थान प्रदेश सभा के महामंत्री कैलाश शर्मा, मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष माया शर्मा, महामंत्री अनिल कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष रतन लाल जांगिड, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कपिल शर्मा (गोगोरिया), इन्दौर, प्रसिद्ध भामाशाह एवं जिला अध्यक्ष सूरत के, एकलिंग जांगिड, सीकर जिला सभा के अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल जांगिड और महामंत्री राधेश्याम मांडण के मार्गदशन में 70 सदस्यों की टीम, जोधपुर से उच्च स्तरीय समिति के सदस्य पुखराज जांगिड और उसकी 20 सदस्यों की कर्मठ टीम।

इसके साथ ही पत्रकार, विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड जयपुर और महासभा के मीडिया प्रभारी जयपुर से महेश जांगिड, इंदौर से जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत विश्वकर्मा मंदिर तोपखाना के अध्यक्ष अशोक रोड़वाल, राजेन्द्र रावत, वीरेंद्र शर्मा, महेन्द्र आसलिया, विश्वकर्मा जांगिड ब्राह्मण समाज मंदिर एवं धर्मशाला पटेल नगर से रत्न लाडवा, रामचंद्र लाखा, केदार बोदलिया ललित बिरानिया और कैलाश जोपिंग, जाने माने मंच संचालक हेमंत पडवा, जिलाध्यक्ष गोपाल जांगिड, पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद जांगिड, अनिल जांगिड, राम अवतार जांगिड, मातृशक्ति के रूप में इन्दौर से जीवन बाला शर्मा, सगीता शर्मा, हेमलता जांगिड, सुमन बड़वा, जयपुर से नीलू शर्मा और मंच संचालन करने वाली पत्रकार देवास की साक्षी शर्मा सहित देश के कोने-कोने से आए महासभा के समस्त पदाधिकारियों, भामाशाहों, प्लैटिनम सदस्यों, उपस्थित प्रबुद्ध समाज के अनगणित महानुभावों ने इस बैठक में शामिल होकर इसकी शोभा को द्विगुणित किया।

अन्त में, महामंत्री सांवरमल जांगिड ने कहा कि मैं, प्रदेश सभा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला और उसकी ऊर्जा से भरपूर टीम, युवा प्रकोष्ठ और महिला प्रकोष्ठ टीम के साथ महासभा के स्तम्भ और हमारे पथ प्रदर्शक पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला का भी हृदय के अन्त:करण से आभार व्यक्त करता हूं। मुझे उम्मीद है कि आगुंतक मेहमान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और अहिल्याबाई होलकर तथा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग की मधुर विस्मृतियों को अपने हृदय में संजोकर साथ ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं, सभी मेहमानों और प्रदेश सभा मध्य प्रदेश का पुन: पुन: हार्दिक आभार और कृतज्ञता सहित, विपुल धन्यवाद देता हूं।

☆☆☆

महासभा के कार्यों में पारदर्शिता के परिणामस्वरूप ही इसकी वित्तीय स्थिति सुदृढ़ हुई है।

महासभा के महामंत्री, सांवरमल जांगिड।

जांगिड ब्राह्मण समाज की महान् विरासत के रूप में विगत 118 वर्षों के दौरान इस महासभा के संचालन के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने का प्रयास किया जाता रहा है और इसके साथ ही इसके कार्यों में पारदर्शिता का होना भी परमावश्यक है और प्रधान रामपाल शर्मा के प्रेरणादायक मार्ग दर्शन में, विगत साढ़े तीन वर्षों के दौरान महासभा के सदस्यों की आशाओं और आकांक्षाओं पर महासभा के कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखते हुए, खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास किया गया है और यही कारण है कि 8 दिसम्बर 2024 को समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों ने प्रधान रामपाल शर्मा को पुन: निर्विरोध निर्वाचित करके विगत 30 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया और इसके लिए समाज बधाई का पात्र है।

महासभा के कोषाध्यक्ष का यह दायित्व है कि, वह महासभा द्वारा समाज हित में खर्च किए गए पैसे का उचित हिसाब-किताब सभी के समक्ष प्रस्तुत करें ताकि लोगों का विश्वास बना रहे। पिछली त्रैमासिक बैठक जो 30 सितम्बर 2024 को बैंगलुरू में हुई थी और उसके पश्चात विगत 8 महीने का लेखा-जोखा महासभा के कोषाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा द्वारा इस बैठक में रखा जाना था, लेकिन उनका गला ठीक न होने के कारण, इस दायित्व का निर्वहन महामंत्री सांवरमल जांगिड ने बड़े ही दक्षतापूर्ण ढंग से किया। उन्होंने महासभा का विगत 8 महीने का लेखा-जोखा एवं महासभा की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि -

1. अक्टूबर 2024 से मई 2025 तक महासभा के सदस्यों की संख्या, जो 30 सितम्बर 2024 को 1 लाख 9 हजार 062 थी, वह 10 जून 2025 को बढ़कर एक लाख 14 हजार 116 तक पहुंच गई है और इस दौरान पिछले 8 महीने में 5389 नए सदस्य जोड़े गए हैं और इनमें से 4718 सदस्य राजस्थान, 310 सदस्य हरियाणा, 102 सदस्य कर्नाटक से और बाकी सदस्य अन्य प्रदेशों से शामिल हैं। मैं, इस स्तुत्य प्रयास के लिए राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करता हूं।

2. महासभा के प्लेटिनम सदस्यों की संख्या, जो सितम्बर 2024 में 158 थी वह 31 मई तक बढ़कर 162 हो गई है और इसमें जो 4 नए प्लैटिनम सदस्य बनाए गए हैं, उनमें, कोटा से श्रीमती उषा बरडवा, उदयपुर से देवेन्द्र रोसांवा, फरीदाबाद से नरोतम लाल जांगिड एवं जयपुर हजारी लाल शर्मा शामिल हैं।

3. महासभा में, 30 सितम्बर 2024 को रजिस्टर्ड शाखा सभाओं की संख्या 289 थी, जो 31 मई तक बढ़कर 327 हो गई है। इस प्रकार से पिछले 8 महीनों के दौरान 38 नई शाखा सभाएं रजिस्टर्ड की गई हैं। जिनमें दिल्ली की 12, राजस्थान और हरियाणा में 9-9 महाराष्ट्र में 8 शाखा सभाएं शामिल हैं।

4. महामंत्री ने बताया कि जो भी समाज का कोई भी भामाशाह भवन निर्माण और मन्दिर निर्माण या अन्य स्थाई निर्माण कार्य में दानराशि दान करता है, उसको आयकर की धारा 80 जी में छूट मिलती है और वर्ष 2024-25 के दौरान जिन्होंने महासभा, प्रदेश सभा और जिला सभाओं को दान राशि प्रदान की है, उन सभी को फार्म नं 10 ई, प्रेषित कर दिया गया है। जैसा कि आपको विदित है कि महासभा भवन का लोकार्पण 7 सितंबर 2024 को गणेश चतुर्दशी के शुभ मुहूर्त में किया गया था।

5. महामंत्री ने बताया कि महासभा भवन में, बिजली का थ्री फेज, बिजली का मीटर लगाने की अनुमति दिल्ली सरकार से मिल गई है और अब इस भवन को किराए पर देने या छात्रावास शुरू करने में कोई दिक्कत नहीं आएगी और इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना अमूल्य और यथा सम्भव योगदान देने वाले, दिल्ली के विधायक, सांसद, पार्षद और विशेष तौर से मुंडका दिल्ली के राजेंद्र सिंह जांगिड का महासभा हृदय से आभार व्यक्त और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती है।

6. महामंत्री ने कहा कि महासभा को, 30 सितम्बर 2024 से 31 मार्च 25 तक 9 लाख 86 हजार रुपए, 1 अप्रैल 2025 से 31 मई 25 तक दान के रूप में कुल 7 लाख 86 हजार रुपए मिला है। इस प्रकार से पिछले 8-9 महीनों के दौरान कुल 17 लाख 72 हजार रुपए दान के रूप में महासभा को प्राप्त हुए हैं। इसमें 1. द्वारका दिल्ली के मदनलाल शर्मा

द्वारा 4 लाख रुपए, 2. नांगलोई दिल्ली के महासिंह जांगड़ा द्वारा 1 लाख 11 हजार रुपए 3. करौली के सुरेश कुमार जांगिड द्वारा 3 लाख रुपए, 4. इन्दौर के प्रभु दयाल बरनेला द्वारा 1 लाख रुपए, 5. जयपुर के प्रेम कुमार जांगिड द्वारा 50 हजार रुपए 6. जिला सभा खण्डवा मध्यप्रदेश द्वारा 50 हजार रुपए, 7. द्वारका दिल्ली के सतीश शर्मा द्वारा 5 लाख 11 हजार रुपए, 8. ज्योति नगर दिल्ली के दीपक कुलरिया द्वारा 2 लाख 50 हजार रुपए की दान राशि, इस दौरान महासभा को प्रदान की गई है। इस प्रकार महासभा को कुल 17 लाख 72 हजार रुपए की दान राशि प्राप्त हुई है।

7. महामंत्री ने रहस्योद्घाटन किया कि महासभा भवन के निर्माण पर अब तक 4 करोड़ 32 लाख 12 हजार 366 रुपए खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व कार्यकारिणी ने 28 जनवरी 2022 को चार्ज देते समय, वर्तमान कार्यकारिणी को 26 लाख 46 हजार रुपए का शेष सुपुर्द किया था, जिसे इस कार्यकारिणी ने महासभा भवन पर 4 करोड़ 32 लाख 12 हजार 366 रूपए खर्च करने के उपरांत एवं पिछले तीन सालों के दौरान महासभा कार्यालय खर्च, कार्यालय के कर्मचारियों का वेतन खर्च, महासभा ऑडिट खर्च, वेबसाईट अपडेशन खर्च, टीडीएस डिमांड का भुगतान तथा पत्रिका प्रिंटिंग एवं प्रेषण खर्च करने के उपरांत भी 31 मार्च 2025 को महासभा के पास 9 लाख 26 हजार 131 रुपए जमा थे एवं 31 मई 2025 को रूपये 24 लाख 49 हजार 775 रुपए जमा शेष हैं। यह सब आप जैसे भामाशाहों के भरपूर सहयोग एवं आपकी समाजसेवा के प्रति उत्कट सेवा भावना के कारण ही सम्भव हुआ है जिसके लिए मैं एक बार पुनः आप सभी भामाशाहों का दिल से हार्दिक अभिनन्दन करते हुए आभार प्रकट करता हूँ।

8. अन्त में, मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि आपकी एक-एक पाई का हिसाब पारदर्शिता पूर्ण तरीके से रखा जा रहा है और इसके साथ ही मैं, महासभा के उन दान दाताओं और भामाशाहों का भी, प्रधान रामपाल शर्मा की तरफ से हृदय के अन्तःकरण से आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने न केवल महासभा भवन के निर्माण में दिल खोलकर दान दिया, अपितु आज भी अपनी उसी समाज सेवा और दान भावना का परिचय देते हुए, समाज को प्रगति के रास्ते पर अग्रसर करने में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं। आप सभी का विपुल धन्यवाद। ☆☆☆

महासभा के पूर्व प्रधान नेमीचंद शर्मा के समर्पण भाव को सलाम।

प्रधान, रामपाल शर्मा।

सदाशयता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति, समाज सेवा की उत्कट जिजीविषा से अभिभूत तथा कर्तव्य परायण की अनूठी मिसाल और समाज के पथ प्रदर्शक, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के पूर्व प्रधान नेमीचंद शर्मा की चौथी पुण्यतिथि पर 5 जुलाई को, जयपुर में आयोजित युवा प्रकोष्ठ के शपथ ग्रहण समारोह में उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

स्वर्गीय श्री नेमीचन्द शर्मा

समाज के प्रति समर्पण भाव रखने वाले, पूर्व प्रधान नेमीचंद शर्मा ने उत्कृष्ट समाज सेवा भावना को आत्मसात करते हुए, समाज के लिए, जो उच्च आदर्श मूल्य स्थापित किए, वह अनुकरणीय और अतुलनीय हैं और वही आदर्श इस समाज का भी भविष्य में पद प्रदर्शन करते रहेगें और आज उनके उच्च आदर्शो और उदात्त मूल्यों को अपने जीवन में उतारने की महत्ती आवश्यकता है।

यह उद्‌गार महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने जयपुर मे युवा प्रकोष्ठ के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर नेमीचंद शर्मा को, भाव भीने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए व्यक्त किए और उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। प्रधान ने कहा कि ऐसी महान विभूति समाज के लिए एक वरदान और अमूल्य निधि होते हैं, जो सत्य निष्ठा और समर्पण भाव से अपने दायित्व का भलीभांति निर्वहन करते हुए, जीवन में अपनी अमिट छाप छोड़ जाते हैं। समाज ऐसी समर्पित और निष्ठावान महान विभूति के योगदान को कभी भी नही भूला सकता है और ऐसी महान विभूतियों द्वारा छोड़े गए पदचिह्नों पर चलते हुए ही समाज द्वारा एक नया मुकाम हासिल किया जा सकता है। प्रधान ने कहा कि, एक प्रखर समाज सेवी नेमीचंद शर्मा, भले ही आज हमारे बीच में नहीं हैं, लेकिन महासभा के प्रधान के रूप में उनकी सक्रीयता और भागीदारी एक अनुकरणीय और अनूठी मिसाल है। उनके पदचिह्नों पर चलते हुए कर्म ही सच्चा सुख है कि भावना को आत्मसात करते हुए, उनका मार्ग दर्शन सदैव ही चिर स्मरणीय और वंदनीय रहेगा। मैं, महासभा रुपी परिवार की तरफ से भी उनकी चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर भीवभीने श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं और उनको शत् शत् नमन करता हूं।

इस बारे में महासभा द्वारा उनके पुत्र रौनक शर्मा जांगिड को भी एक पत्र लिखकर, प्रधान रामपाल शर्मा और महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा संवेदना सदेश भेजा गया। ☆☆☆

मध्यप्रदेश में जांगिड समाज को पिछड़ा वर्ग में शामिल किया जाए।

मध्यप्रदेश सभा अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला।

मध्यप्रदेश सभा के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला ने मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से मांग की है, मध्यप्रदेश में भी, राजस्थान और हरियाणा प्रदेशों की तरह ही **जांगिड ब्राह्मण जाति को, पिछड़े वर्गों की श्रेणी में शामिल किया जाए** और इसके लिए मध्यप्रदेश सभा द्वारा विगत 10 वर्षों से सतत् प्रयास किया जा रहा है और यह मामला मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के संज्ञान में भी है। उन्होंने कहा कि इस बारे में, पिछड़ा वर्ग आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष, मधु वर्मा को भी एक ज्ञापन दिया गया था, जिसमें जांगिड समाज को पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की मांग की गई थी, लेकिन इस पर आज तक कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है। इसके साथ ही, उन्होंने मंत्री से मांग की है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले जांगिड समाज के जो लोग, फर्नीचर के व्यवसाय में लगे हुए हैं और उनकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है, उनको मध्य प्रदेश वन विभाग के अधिकारी, अनावश्यक रूप से परेशान करते हैं, इसलिए उन अधिकारियों पर कड़ी लगाम लगाई जाए।

मध्यप्रदेश अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला शपथ दिलवाते हुए

प्रदेश अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला, प्रदेश सभा द्वारा आयोजित महासभा की 22 जून को इन्दौर में हुई त्रैमासिक बैठक में, अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इससे पूर्व, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा को जुलूस के साथ समारोह स्थल तक लाया गया और समारोह शुरू होने से पूर्व ध्वजारोहण किया गया और भगवान विश्वकर्मा और महर्षि अंगिरा की आरती और पूजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सभा की कार्यकारिणी, मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ और मध्य प्रदेश युवा प्रकोष्ठ की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया । इस समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और बैठक की अध्यक्षता महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा की गई।

प्रदेश अध्यक्ष ने समाज की मांग को पुरजोर तरीके से, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के सामने रखते हुए कहा कि **श्री जांगिड ब्राह्मण पंचायत श्री राम विश्वकर्मा मंदिर तोपखाना, इन्दौर मंदिर की इमारत जर्जर हो चुकी है और इसके अतिरिक्त वहां पर पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। इसलिए जांगिड ब्राह्मण समाज को राजस्थान और हरियाणा सरकारों की तर्ज पर रियायती दरों पर 5 एकड़ भूमि आवंटित की जाए।** उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मध्यप्रदेश में, जांगिड समाज के 80 प्रतिशत लोग, भारतीय जनता पार्टी के समर्थक हैं और सीधे भाजपा से जुड़े हुए हैं और इतना अधिक संपर्क होने के बावजूद भी, भाजपा सरकार का, इस समाज की अनदेखी कर रही है और भाजपा का इस समाज के प्रति कोई झुकाव नहीं है। उन्होंने कहा कि कपिल शर्मा भारतीय जनता पार्टी के साथ लंबे समय से जुड़े हुए हैं और उनको प्रदेश सभा ने युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया है। और इस त्रैमासिक बैठक को आशातीत रुप से सफल बनाने में, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष कपिल शर्मा के साथ-साथ महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा और महासभा की महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में, महिलाओं को जोड़ने का जो स्तुत्य प्रयास कार्य किया गया, उसके परिणामस्वरूप ही इतनी भारी संख्या में मातृशक्ति ने इस समारोह में उपस्थित होकर इस समारोह की गरिमा को चार-चांद लगा दिए हैं। इन सभी का हृदय के अन्त:करण से

हार्दिक आभार और धन्यवाद।

प्रभू दयाल बरनेला ने कहा कि, इसके साथ ही अपने हृदय के अन्त:करण से **श्री जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत श्री राम विश्वकर्मा मंदिर तोपखाना के अध्यक्ष अशोक रोडवाल, सचिव राजेन्द्र रावत, कोषाध्यक्ष विरेन्द्र शर्मा, सांस्कृतिक मंत्री महेंद्र आसलिया, सुनील बड़वाल, हेमंत पड़वा, राजेश शर्मा, छाजूलाल जांगिड कपिल गोगोरिया, योगेश जांगिड, अरुण गोठडीवाल, संजय मांदीवाल, धीरज दैहमण, अजय राजोतिया तथा महेन्द्र पंवार और श्री विश्वकर्मा जांगिड ब्राह्मण समाज मंदिर एवं धर्मशाला पटेल नगर के अध्यक्ष और मध्य प्रदेश प्रभारी, रत्न लाडवा, रामचंद्र लाखा केदार बोदलिया, ललित बिरानिया, कैलाश जोपिंग, अशोक लिकड, नवीन और महेश चवेल, त्रिलोक लाडवा, राकेश आसदेव, सुनील खोखा, रवि बदनावर, हितेश पांडे और कार्यकारिणी को भी अपनी तरफ से हार्दिक बधाई और धन्यवाद देता हूं। जिन्होंने महासभा की इस त्रैमासिक बैठक को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।**

मध्यप्रदेश सभा अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला, प्रधान रामपाल शर्मा, कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा और माइक्रोमैक्स के पी एल शास्त्री का स्वागत करते हुए।

उन्होंने कहा कि यह **पहला अवसर है कि की प्रदेश महासभा की त्रैमासिक बैठक में, कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक और महापौर शामिल हुए हैं और मेरे पास आप सभी का आभार व्यक्त करने के लिए शब्दों का अभाव है और भगवान भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के रचयिता है तथा भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद भी सदैव ही हमारे सिर पर रहा है, जिससे इस समारोह की गरिमा कई गुणा बढ़ गई है।** उन्होंने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से अनुरोध किया कि, जांगिड समाज से राजनीति के क्षेत्र में केवल एकमात्र भाजपा का कर्मठ कार्यकर्ता कपिल शर्मा हैं उनको कोई सरकारी बड़ा पद दिया जाये। **उन्होंने मांग की कि सृष्टि के रचयिता भगवान विश्वकर्मा के नाम पर इन्दौर शहर में, एक चौराहे का नामकरण भी भगवान विश्वकर्मा के नाम पर रखने के साथ ही उनकी आदमकद प्रतिमा भी स्थापित की जाए।**

उन्होंने जांगिड समाज के प्रेरणा स्त्रोत और मध्य प्रदेश में इस सभा की नींव रखने वाले और श्री भागीरथ एण्ड ब्रदर्स मोटर्स के फाऊंडर संस्थापक, रामेश्वर शर्मा का भी, जिन्होंने न केवल यह वटवृक्ष का पौधा लगाया अपितु हमें चलना भी सिखाया और वह आज हमारे बीच में उपस्थित हैं और उनका आशीर्वाद सदैव इस प्रदेश सभा के साथ रहा है। उनके प्रति भी मैं अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

इसके साथ ही महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, जिन्होंने महासभा को पल्लवित और पुष्पित किया है और उनका मार्गदर्शन और अनन्य सहयोग तथा आशीर्वाद भी सदैव ही हमारे सिर पर रहा है और उनकी समाज हितैषी सोच ने ही, हमें आगे बढ़ने के लिए सदैव ही अभिप्रेरित किया है।

उल्लेखनीय है पब्लिसिटी से दूर रहने वाले और स्वच्छ छवि से ओत-प्रोत और लगातार दूसरी बार मध्यप्रदेश सभा के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने वाले, प्रभू दयाल बरनेला ने सभी जिला अध्यक्षों का चुनाव भी निर्विरोध सम्पन्न करवाया है और यही कारण है कि उनको महासभा द्वारा सर्वोत्कृष्ट प्रदेश अध्यक्ष का पुरस्कार देकर भी सम्मानित किया जा चुका है और आशा है कि वह भविष्य में भी अपनी निर्विवाद छवि को बनाए रखते हुए मध्य प्रदेश में समाज को आगे ले जाने का काम इसी सत्य निष्ठा और ईमानदारी से करते रहेंगे। महासभा उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती है। ☆☆☆

इन्दौर की त्रैमासिक बैठक में महिलाओं ने इतिहास रच दिया।

मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष, माया शर्मा।

प्रधान रामपाल शर्मा का, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा और मध्य प्रदेश अध्यक्ष माया शर्मा द्वारा स्मृति चिह्न और बुका देकर स्वागत करते हुए ।

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की नवगठित कार्यकारिणी की पहली बैठक 22 जून को आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं की भारी संख्या में उपस्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि महिलाओं में भी संगठित करने की अद्वितीय और अद्भुत क्षमता है और अगर नारी शक्ति को विश्वास में लेकर काम किया जाए तो, उस कार्य में आशातीत सफलता अवश्य ही मिलेगी।

मध्य प्रदेश सभा में महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती माया अशोक शर्मा ने, यह उद्गार मध्यप्रदेश महिला प्रकोष्ठ के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान व्यक्त किए। महिला प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई।

माया शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार से मध्यप्रदेश अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला ने मुझ अकिंचन पर विश्वास व्यक्त करते हुए जो महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष पद का जो दायित्व सौंपा है मै समाज की इस महापंचायत में विश्वास दिलाती हूं कि आपकी आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यहां पर आयोजित इस भव्य समारोह में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की त्रैमासिक बैठक के साथ ही महिला प्रकोष्ठ और युवा प्रकोष्ठ का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया।

उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति अपने अधिकारों के प्रति सजग और जागरूक हो रही है और यही कारण है कि आज नारी शक्ति ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर एक विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने भारी संख्या में मातृशक्ति की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका मुख्य कारण यह रहा कि मुझ पर मध्यप्रदेश अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला ने जो विश्वास व्यक्त किया है, उस विश्वास पर खरा उतरने के लिए ही, पिछले दो महीने से सतत् प्रयास किए जा रहे थे और प्रत्येक महिला के घर-घर जाकर उनको आमन्त्रित किया गया और मुझे खुशी है कि इस समारोह की सफलता में महिलाओं की गरिमामयी उपस्थित ने चार चांद लगा दिए।

माया अशोक शर्मा ने महिलाओं को अपने बच्चों को बेहतर संस्कार देने की वकालत करते हुए कहा कि इसकी शुरुआत अपने घर से ही करें और मातृशक्ति अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के साथ ही सुशिक्षा एवं संस्कार भी प्रदान करें और अनुशासन और सहनशीलता का पाठ पढ़ाए । सभी ने मां सरस्वती की साड़ी का कलर पहन कर, महिलाओं ने इस समारोह की गरिमा को द्विगुणित कर दिया । उन्होंने कहा कि महिला प्रकोष्ठ द्वारा, कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रधान रामपाल शर्मा एवं महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा को इन्दौर के रीगल चौराहे से रविंद्र नाट्यगृह तक गाजे-बाजे के साथ लाया गया और सभा स्थल पर पहुंचनें के पश्चात् प्रधान रामपाल शर्मा के सम्मान में स्वागत गीत श्रीमती हेमलता, सुमन, संगीता और जीवन बाला द्वारा प्रस्तुत किया गया और सभी कार्यकारिणी की महिलाओं द्वारा अतिथि महिलाओं का दुपट्टे से स्वागत करके आखिरी में दुर्गा चालीसा का वितरण किया गया। उन्होंने भावुक हो कर कहा कि -- शक्ति की ज्योति हर घर जलाएं, संस्कारों से संतति की ज्योति जलाएं।

दुर्गा चालीसा के मधुर स्वर की, हर नारी के हृदय में ज्योति जलाएं ।।
जांगिड की रेखा फिर से खींचें और सहजता के दीपक घर-घर जलाएं ।
मातृशक्ति के संस्कार हैं, जीवन का सार, हर घर घर में ज्योति जलाएं।।

इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ के नवनियुक्त पदाधिकारियों को महासभा की महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा ने महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी के प्रमुख पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई और इनमें प्रमुख रूप से प्रदेश प्रमुख संरक्षक गीता कडवानिया, प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष किरण जांगिड, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीवन बाला शर्मा, उपाध्यक्ष संतोष कडवानिया, महामंत्री रंजना, प्रदेश प्रभारी सीमा जांगिड कोषाध्यक्ष सुमन, सुनीता, प्रचार मंत्री नंदिता, मंत्री शीतल और पारुल, सचिव मालू, सांस्कृतिक मंत्री संतोष शामिल हैं।

मधु शर्मा ने, महिलाओं का आह्वान किया कि आपका लक्ष्य केवल पद प्राप्त करना या शपथ ग्रहण करना नही होना चाहिए अपितु मातृशक्ति को, जिन्होंने आज पद ग्रहण किया है उन सभी पदाधिकारियों को इससे अपने कर्त्तव्य की इतिश्री नही मान लेना चाहिए, अपितु यह तो कर्त्तव्य पथ का प्रारंभ है और अभी आपकी अग्नि परीक्षा शुरू हुई है। उन्होंने महिलाओं को कहा कि आपने अभी शपथ ग्रहण की है और केवल अपने नाम के आगे पद मात्र लिखने के लिए ही शपथ नही ली है, अपितु आपको पद, काम करने के लिए ही दिए गए हैं, फिर आप चाहे जिस भी प्रकार से कार्य करो, वह समाज हित में ही होना चाहिए और सच्चे अर्थों में यही आपके पद का मान-सम्मान होगा ।

आप सभी के उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की बधाई। ☆☆☆

श्रीमती अनिता नेमी चंद बरड़वा को उज्जैन जिले की महिला प्रकोष्ठ की पहली जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, मध्यप्रदेश सभा के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला और महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष माया शर्मा ने अनिता नेमीचंद बरड़वा को जिला अध्यक्ष बनने पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उसके सफल कार्यकाल की मनोकामना की है।

☆☆☆

राजस्थान प्रदेश में तीन जिलों के जिलाध्यक्ष निर्वाचित हुए

श्री कजोड़मल जांगिड	श्री नीरज जांगिड	श्री मुकेश जांगिड	श्री प्रवीण शर्मा	श्री कन्हैया लाल जांगिड
सुपुत्र श्री किशन लाल जांगिड	सुपुत्र श्री चम्पा लाल जांगिड	सुपुत्र श्री बिहारी लाल जांगिड	सुपुत्र श्री कृष्ण शर्मा	सुपुत्र श्री बाबू लाल जांगिड
जिलाध्यक्ष अलवर	जिलाध्यक्ष चुरू	जिलाध्यक्ष जयपुर	जिलाध्यक्ष बांसवाडा	जिलाध्यक्ष डूंगरपुर
9784014021	9782332125	9828155756	9414101068	9587634122

बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी, मो0. 9680010591

प्रदेश सभा, जिला सभा और शाखा सभाओं को रसीद बुक छपवाने का कोई अधिकार नही है।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने स्पष्ट किया कि जिला सभा को रसीद बुक छपवाने का कोई अधिकार नहीं है और जो भी रसीद बुक छपती है, उसका महासभा को हिसाब देना पड़ता है, क्योंकि वह महासभा के पैन कार्ड पर अपना अकाउंट खुलवाते हैं और जो भी महासभा में दान देता है, उसको आयकर की धारा 80जी के अन्तर्गत, इनकम टैक्स में छूट मिलती है।

प्रधान रामपाल शर्मा ने यह उद्गार 6 जुलाई को, नाशिक में प्रदेश कार्यकारिणी की पांचवीं बैठक, नाशिक जिला सभा कार्यकारिणी और महिला प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण समारोह के उपरांत मुख्य अतिथि के रूप में, उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। शपथ ग्रहण समारोह से पूर्व ध्वजारोहण किया गया और भगवान विश्वकर्मा तथा महर्षि अंगिरा की विधिवत ढंग से पूजा अर्चना की गई। इससे पूर्व प्रधान का, समारोह स्थल पर पहुंचने पर, ढोल नगाड़ों के बीच, पुष्प वर्षा करके और तिलक लगाकर सम्मान किया गया।

प्रधान ने पुनः स्पष्ट किया कि **जिलाध्यक्षों तहसील अध्यक्षों और शाखा अध्यक्षों को महासभा के नाम का उपयोग करके, रसीद बुक छपवाने का कोई भी अधिकार नहीं है और अगर वह किसी भी आयोजन के लिए, रसीद बुक छपवाने के लिए महासभा के नाम का उपयोग करते हैं, तो उनको महासभा को सारा हिसाब देना होगा।**

रामपाल शर्मा ने **घोषणा की है कि वह समाज के गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए 2 लाख 51 हजार रुपए महासभा को जीवन पर्यन्त दान देंगे, लेकिन उसमें शर्त यह है कि यह पैसा केवल और केवल गरीब और प्रतिभावान बच्चों की उच्च शिक्षा पर खर्च किया जाएगा।** उन्होंने याद दिलाया कि मेरी धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने 7-8 वर्ष पहले एक गरीब बच्ची को गोद लिया था और संयोगवश वह बच्ची मुझे बांकनेर स्कूल के शताब्दी समारोह में मिल गई और वह मुझे देख कर भावुक हो गईं और रोने लगी कि मैडम की वजह से मैं अपनी पढ़ाई पूरी कर पाई हूं और उस देवी स्वरूप मां श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा को हृदय से आशीष देती हूं।

प्रधान ने कहा कि महाराष्ट्र भगवान श्री राम और भगवान शिव की मधुर स्मृतियों को अपने में समेटे हुए है और यह धरा भगवान श्री राम के बनवास की साक्षी रही है और यही पर त्रयंबकेश्वर में, भगवान शिव ने ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी और इसी नाशिक की धरा पर महाराष्ट्र में पहली बार महासभा का गठन हुआ था। **उन्होंने सुझाव दिया कि प्रदेश भवन बनाने के लिए मुम्बई या पूणे नहीं अपितु नाशिक शहर बेहतर स्थान है और इसके साथ ही यहां पर कम रेट पर जमीन मिलेगी और यहां मोहनलाल दायमा और प्रदेश अध्यक्ष नानूराम के चेहरे पर समाज के लोगों से उम्मीद से अधिक पैसे मिलेंगे और इस प्रदेश भवन को आपकी आने वाली जनरेशन देखेगी।** इसके साथ ही प्रधान रामपाल शर्मा ने, जाति रत्न मोहनलाल दायमा को महाराष्ट्र में समाज को संगठित करने और समाज की ज्योति प्रज्ज्वलित करने के लिए आभार व्यक्त किया और इसके साथ ही महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नानूराम जांगिड और नाशिक जिला अध्यक्ष गोपाल जांगिड और उसकी टीम का बेहतरीन इन्तजाम करने के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि लोग व्हाट्सएप यूनिर्वसिटी पर महासभा के खिलाफ गलत तरीके दुष्प्रचार करके लोगों को गुमराह करते हैं तथा ऐसे लोग तथ्यों को तोड़-मरोड़कर करके पेश करने में माहिर होते हैं। **उदाहरण के तौर पर मैंने महासभा में एक करोड़ 25 लाख रुपए का दान दिया है तो, ऐसे लोगों का तर्क होता है कि उन्होंने यह दान अपना टैक्स बचाने के लिए दिया है और अगर यही सत्य है तो, समाज को भ्रमित करने वाले महानुभावों को भी एक करोड़ रुपए दान के रूप में महासभा को दे देने चाहिए, क्योंकि उनका टैक्स बचेगा और इसके साथ ही मैं ऐसे लोगों का दिल खोलकर स्वागत करुंगा। मेरा मानना है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए और इसके बारे में महासभा की अगली बैठक में निर्णय लिया जाएगा।**

शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश सभा के अध्यक्ष नानूराम जांगिड ने कहा कि समाज के भामाशाहों के बिना कोई भी कार्य पूर्ण नहीं होता है और मैंने प्रदेश सभा भवन बनाने के लिए 51 लाख रुपए देने की घोषणा की थी और उसमें से 25 लाख रुपए मैंने बैंक में डाल दिए हैं और बाकी 26 लाख रुपए नकद लेकर आया हूं, लेकिन, अफसोस है कि, मुझे प्रदेश अध्यक्ष बने हुए डेढ़ साल हो गया है और आज इस समारोह में पहली बार आपने मेरा मान-सम्मान किया है। इसके लिए मैं, हृदय से आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। प्रधान रामपाल शर्मा ने महासभा भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि दान में दी है और उन्होंने चार मंजिला महासभा का बड़ा ही सुन्दर और भव्य भवन बना दिया, इसके लिए मैं प्रदेश सभा की तरफ से उनका आभार व्यक्त करता हूं।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अभी तक प्रदेश सभा का भवन बनाने के बारे में कोई निर्णय नहीं हो पाया है कि भवन कहां पर बनाया जाएगा। उन्होंने, प्रधान रामपाल शर्मा से अनुरोध है कि वह इस मामले में मार्ग दर्शन करें। **उन्होंने कहा कि मेरी इच्छा है कि यह भवन मेरे प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए इस कार्यकाल के दौरान ही बन जाना चाहिए। मैं आप सभी के साथ घूमूंगा और 4 जिलों से 4 करोड़ रुपए मैं, आपको लाकर दूंगा और इसके अतिरिक्त मैं व्यक्तिगत रूप से भी भवन के और भी पैसा दे सकता हूं।** उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह अपनी श्रद्धा और भावना के अनुरूप एक-एक हजार रुपए भी दें तो, पैसे की कोई भी कमी नही रहेगी। उन्होंने प्रधान जी की, उदात्त हृदय से प्रशंसा करते हुए कहा कि, वह तीसरी बार हमें आशीर्वाद देने के लिए महाराष्ट्र आए है।

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने, **1**- मध्य प्रदेश के चुनाव अधिकारी पुरुषोत्तम जांगिड़ द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि जुलाई 2014 में तत्कालीन प्रधान कैलाश बरनेला के समय में 500 रुपए का सदस्य बनाने का निर्णय लिया था और आज महासभा में 1 लाख 15 हजार सदस्यों में से 500 रुपए वाले सदस्यों की संख्या लगभग 88 हजार है। **2**-चुनाव निर्देशिका में 500 रुपए वाले सदस्यों को अनुमोदन और प्रस्तावक बनने का ही अधिकार दिया गया है। लेकिन अब उन्हें चुनाव लड़ने का अधिकार, समाज के अधिकतर लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए ही प्रधान जी, ने सबकी सहमति से दिया है और यह निर्णय 23 जून 2025 से ही लागू कर दिया गया है, लेकिन चुनाव जीतने के पश्चात 1600 रुपए एक महीने के भीतर जमा करवाने होंगे और इस निर्णय का अनुमोदन इंदौर में 22 जून को हुई महासभा की त्रैमासिक बैठक में भी कर दिया गया है। **3**-महामंत्री ने कहा कि प्रदेश सभा सदस्यों के पहचान पत्र बनवा कर दे दें और उस बिल भेज दें, जिसका भुगतान महासभा द्वारा कर दिया जाएगा। **4**-महासभा द्वारा, प्रदेश सभाओं को, सदस्य बनाने के लिए पहले 100 रुपए प्रति सदस्य देने का प्रावधान था और फिर इसको बढ़ा

कर 200 रुपए कर दिया गया है और प्रधान रामपाल शर्मा ने, इंदौर की मीटिंग में यह घोषणा की है कि जनवरी 2025 से प्रदेश सभाओं को 200 रुपए प्रति सदस्य के हिसाब से शीघ्र ही भुगतान किया जाएगा। 5- प्रदेश सभाओं या जिला सभाओं द्वारा किए जा रहे, सामूहिक विवाह सम्मेलन के बारे में महामंत्री ने कहा कि, ऐसे विवाह सम्मेलनों के बारे में निरंतर शिकायत भी मिलती रही हैं। इसके निराकरण के लिए, सामूहिक विवाह सम्मेलन के सम्पन्न होने के साथ ही, अगले दिन ही हिसाब किताब किया जाना चाहिए। 6-उन्होंनें कहा कि महासभा द्वारा अयोध्या में भगवान विश्वकर्मा मंदिर और एक धर्मशाला के निर्माण के लिए एक कमेटी बनाई गई है, इसी प्रकार की 5-7 सदस्यों की कमेटी बनाई जाए। 7-समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा देने के साथ साथ बेहतर संस्कार प्रदान करें। 8-आप सभी का नैतिक दायित्व है कि महासभा के संविधान का पालन करते हुए, समाज के उत्थान में अपना भरपूर योगदान दें और जाति गणना के समय, अपने नाम के पीछे जांगिड शब्द लिखे।

समाज रत्न और उच्च स्तरीय समिति के सदस्य, मोहनलाल दायमा ने, विट्ठल-रुक्मिणी के नाम पर पंडरपुर में आयोजित किए गए, पाण्डु रंग त्योहार की बधाई देते हुए कहा कि उनकी कृपा से, जांगिड समाज तन-मन और धन से आगे बढ़े। उन्होंने प्रधान जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह बहुत ही तकलीफ उठाकर, इस शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे हैं। बच्चों को बेहतर संस्कार देने की वकालत करते हुए, उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को बचपन से ही बेहतर संस्कार और बेहतर संगत प्रदान करने की जिम्मेदारी माता-पिता की ही है, क्योंकि बच्चे के कोमल मन पर संगत का बहुत अधिक असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर आपकी सोच सकारात्मक होगी, तो समाज में सकारात्मक बदलाव ही आएगा और इसके साथ ही परिवार में एकता रहेगी तो, सकारात्मक दृष्टिकोण के परिणाम स्वरूप ही समाज में बहुत अधिक बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने प्रधान रामपाल शर्मा को, महाराष्ट्र प्रदेश सभा की तरफ से, शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

गोवा से कोर कमेटी के सदस्य सांवरमल जांगिड, ने कहा कि गोवा में भी महासभा का विस्तार हो रहा है। जहां पर सन् 2008 में गोवा में महासभा के केवल 8 सदस्य थे और आज उनकी संख्या बढ़कर 120 तक पहुंच गई है और गोवा प्रदेश सभा द्वारा अगस्त 2023 में महासभा की त्रैमासिक बैठक का जो, आयोजन किया गया था।

महासभा के प्रवक्ता मुम्बई के रूप किशोर जांगिड ने कहा कि समाज में प्रथम का सम्मान होना चाहिए और मातृशक्ति का आह्वान किया कि वह अगर फेरों में आगे रहती हैं तो उनको समाज के कार्यो में भी आगे आना चाहिए और ऐसे कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए, क्योंकि कोई भी परिवार मातृशक्ति के बिना आगे नहीं बढ़ सकता है, इसलिए मातृशक्ति को आगे आने का मौका दिया जाना चाहिए'। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं की सहायता करने के लिए भी समाज के भामाशाहों को आगे आना चाहिए, **क्योंकि जो बच्चा ऐसी विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए आई ए एस और भारतीय पुलिस, राजस्व या किसी अन्य सेवा में जाएगा, वह बच्चा हमेशा ही समाज से जुड़ा रहेगा और उसके बाद आपको भवन बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।** महासभा के पूर्व प्रधान नेमीचंद के आभामंडल को मैं सलाम करता हूं, क्योंकि **उन्होंने कहा था कि महासभा का भवन निर्माण पूरा होने पर, इसका उद्घाटन, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला से करवाया जाएगा और इसी प्रकार कैलाश बरनेला ने भी मंच से नेमीचंद शर्मा भूरि-भूरि प्रशंसा की थी और बोलते समय उनका गला भी भर आया था।** उन्होंने महासभा का प्रवक्ता बनाने पर प्रधान रामपाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, जो पद, प्रधान रामपाल शर्मा ने, मुझे दिया है

उसकी गरिमा को मैं, हमेशा ही बनाए रखते हुए, विश्वास पर हमेशा ही खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करुंगा।

महाराष्ट्र प्रदेश के चुनाव अधिकारी पुरुषोत्तम जांगिड ने कहा कि जिला सभा, अकोला यवतमाल और धूलिया के चुनाव अगले तीन माह में प्रस्तावित है और इनके बारे में जल्दी ही अधिसूचना जारी कर दी जाएगी और जिन जिला सभाओं के चुनाव अभी तक नहीं हुए हैं, उनका भी नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा ।

प्रदेश सभा के महामंत्री, नागपुर के विनोद जांगिड ने कहा कि प्रदेश सभा द्वारा समाज के प्रतिभावान बच्चों जिनके 10-12 वीं कक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक हैं उनको प्रशस्ति पत्र और 1100 रुपए देकर सम्मानित किया गया है।

उन्होंने कहा कि जिस समय पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रोहताश जांगिड से, वर्तमान प्रदेश सभा ने चार्ज लिया था, तो उसकी कार्यकारिणी से 3 लाख 4 हजार 892 रुपए प्राप्त हुए थे और आज प्रदेश सभा के खाते में 28 लाख 61 हजार 842 रुपए जमा हैं। **उन्होंने आश्वासन दिया कि वर्तमान प्रदेश सभा, जाने से पहले प्रदेश भवन की व्यवस्था करके जाएगी।** उन्होंने सुझाव दिया कि प्रदेश सभाओं में महामंत्री की जगह सचिव लिखा जाए। उन्होंने प्रदेश सभा का लेखा जोखा भी प्रस्तुत किया।

पीपल गांव की रहने वाली, पुनम जांगिड ने समाज के लोगों और विशेषकर प्रधान रामपाल शर्मा से मार्मिक अपील करते हुए कहा कि, महेश्वरी और जैन समाज ने मुम्बई और पुणे तथा नाशिक जैसे सभी बड़े शहरों में, छात्रावास खोले हुए हैं और जांगिड समाज को भी बड़े-बड़े शहरों में छात्रावास स्थापित करने के बारे में अवश्य ही पहल करनी चाहिए।

प्रधान रामपाल शर्मा ने **जिला सभा के अध्यक्ष गोपाल मंगल चंद जांगिड और उसकी कार्यकारिणी तथा जिला महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष गीता घीसालाल और उसकी कार्यकारिणी को पद और गोपनीयता की शपथ भी दिलवाई।**

इस बैठक की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, कोर कमेटी के सदस्य मध्यप्रदेश प्रभारी चम्पा लाल जांगिड, जांगिड ब्राह्मण पत्रिका के सम्पादक राम भगत शर्मा, प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष ताराचंद जांगिड, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण शर्मा, ट्रस्टी सुभाष जांगिड, पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद जांगिड, पंकज लक्ष्मी नारायण शर्मा, योगेश सांवरमल शर्मा, पंकज भोलूराम जांगिड, विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, नांदेड़ से प्रहलाद जांगिड, औरंगाबाद से ज्योतिषाचार्य और महासभा के मंत्री, पं प्रकाश जगदीश चोयल, जिला अध्यक्ष संभाजी नगर शंकर लाल जांगिड, संगठन मंत्री सुनील जांगिड और मोहन लाल जांगिड, धूलिया से नानूराम जांगिड और प्रकाश जांगिड, गौतम प्रहलाद जांगिड और मातृशक्ति में, मुन्नी देवी नानूराम जांगिड, अनूजा विनोद जांगिड, अंकिता जांगिड, सुमन जांगिड, शकुंतला लक्ष्मी नारायण जांगिड, पुनम पंकज जांगिड, सावित्री देवी सांवरमल शर्मा, माया देवी भोलूराम जांगिड, ममता राज जांगिड, अनुजा जांगिड, मनीषा जांगिड, दुर्गा जांगिड, करिश्मा जांगिड और मंजू जांगिड भी उपस्थित थी।

7 जुलाई सोमवार को प्रात:, प्रधान रामपाल शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड और कोर कमेटी के सदस्य गोवा के सांवरमल जांगिड सहित अपने सहयोगियों के साथ भगवान त्रयंमकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने के लिए गए और रामपाल शर्मा ने भगवान त्रयंमकेश्वर से, समाज की सुख समृद्धि और खुशहाली का वरदान मांगा। भगवान त्रयंमकेश्वर की अनुकम्पा सदैव ही इस समाज पर इसी प्रकार बनी रहे।

☆☆☆

जयपुर में जिला सभा को, भूमि खरीदने के लिए सहयोग देने वाले भामाशाहों का सम्मान किया गया।

मीडिया प्रभारी, महेश जांगिड जयपुर

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि **भगवान ने मुझे इतना अधिक दिया है, जिसके मैं काबिल भी नहीं था और उसने मुझे हजार गुना अधिक दिया है और मैं जो बोलता हूं, वही करता हूं और इस भवन के निर्माण के लिए मैं अपनी तरफ से सहायता करने के साथ ही दूसरे लोगों को भी इसके लिए दान देने के लिए अभिप्रेरित करुंगा ताकि यहां पर एक शानदार और भव्य भवन का निर्माण हो सके।** उल्लेखनीय है कि जिला सभा राजस्थान को, प्रदेश सरकार द्वारा 2500 वर्ग गज भूमि पर जिला सभा जयपुर को, जे.डी.ए के माध्यम से आवंटित की गई है और जिसके लिए दान दाताओं और भामाशाहों के सहयोग से एकत्रित की गई 50 लाख रुपए की राशि एक मुश्त जे डी ए में जमा करवाने के बाद 29 जून को प्रातः इसका भूमि पूजन और हवन किया गया।

प्रधान रामपाल शर्मा, जिला सभा जयपुर, द्वारा 29 जून को आयोजित भामाशाह समारोह सम्मान समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व, सभी अतिथियों द्वारा भगवान विश्वकर्मा की आरती एवं पूजन किया गया और सभी सम्मानित सदस्यों को दुपट्टा, साफ़ा और फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार द्वारा जांगिड समाज की 7 अन्य संस्थाओं को भी 2-2 हजार वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई है।

रामपाल शर्मा ने, कम पढ़ा लिखा बोलकर अनावश्यक रूप से उनकी आलोचना करने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा कि **मेरे बारे में दुष्प्रचार करने वाले दिग्भ्रमित लोगों को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि, मैं अंग्रेजी में 100 पेज का टैण्डर भरता हूं, जो इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि मैंने जीवन में बहुत कुछ सीखने का प्रयास किया है और जीवन में सीखने की कोई आयु सीमा भी नही होती है और समझदार के लिए इशारा ही काफी होता है।** इसलिए मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि **कम बोलों, लेकिन अच्छा बोलो, इसलिए अधिक और बेफजूल बोलने का कोई भी औचित्य नहीं है।**

प्रधान ने कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा का सर्वाधिक महत्त्व है और मैं, इस सामाजिक मंच से **यह घोषणा करता हूं कि महासभा का आगे कोई भी प्रधान हो, मैं समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष 2 लाख 51 हजार रुपए की राशि महासभा को आजीवन भर सहयोग देता रहूंगा** और इस क्रांतिकारी घोषणा के साथ ही तालियों की गड़गड़ाहट के बीच, पंडाल गूंज उठा और उपस्थित सभी लोगों ने खड़े होकर, प्रधान रामपाल शर्मा का अभिवादन किया और सभी जांगिड बंधुओं ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, प्रतिवर्ष सहयोग देने के इस नेक कार्य के लिए, प्रधान के इस सराहनीय और अनुकरणीय कदम की मुक्त कंठ से भूरि-भूरि प्रशंसा भी की गई।

उन्होंने राजस्थान प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष संजय हर्षवाल को, महासभा का महामंत्री बनाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इस बारे में मैंने पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा तथा संजय हर्षवाल से महामंत्री बनाने के बारे में बात की थी, क्योंकि निर्विरोध प्रधान निर्वाचित होने के बाद मेरा यह दायित्व बनता था कि प्रधान के चुनाव के दौरान जो अन्य 5 उम्मीदवार और खड़े हुए थे उन सभी का यथोचित मान-सम्मान किया जाए और इस बारे में मैंने पांचों उम्मीदवारों से बात की थी, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुझे दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बना दिया जाए और उसको केवल 6 महीने तक ही प्रदेश बनाया जा सकता है। दूसरे उम्मीदवार मदनलाल शर्मा को दिल्ली प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। बैंगलुरू

के बाबूलाल शर्मा को दक्षिण का प्रभारी और पुष्पा शर्मा से बात की गई तो, उसने कहा कि आधी कार्यकारिणी मेरी होनी चाहिए, क्योंकि मेरी वजह से आप प्रधान बने हो, लेकिन यह सम्भव नही हो सकता था और उसने कोर्ट में केस दायर कर दिया। उन्होंने कहा कि संजय हर्षवाल से भी महामंत्री बनाने के बारे में रिकवेस्ट की गई थी, लेकिन उसने कोई सन्तोषजनक जबाब नही दिया। इसलिए दोबारा सांवरमल जांगिड को अनुनय-विनय करके महामंत्री बनाना पड़ा।

प्रधान रामपाल शर्मा ने याद दिलाया कि **संजय हर्षवाल ने, आग बबूला होते हुए मुझे धमकी दी थी कि मैं आपकी किसी भी प्रदेश में त्रैमासिक बैठक नही होने दूंगा** और पिछले कार्यकाल के दौरान भी संजय हर्षवाल ने कहा था कि मैं आपके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आऊंगा। मैं तो कहता हूं कि मेरे खिलाफ जल्दी से जल्दी अविश्वास प्रस्ताव लेकर आओ, ताकि आप जल्दी से जल्दी महासभा के प्रधान बन सको। **उन्होंने पुन: दोहराया कि मैं प्रधान रहूं या न रहूं मैं समाजहित के कार्य इसी प्रकार से करता रहूंगा और मैं जो भी घोषणा करता हूं, उसको पूरा भी करता हूं और आप केवल घोषणा करते हैं। अत: संजय हर्षवाल आप आगे से कोई ऐसी बात मत करें यह आपको शोभा नही देता है। मैं सभी से हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि समाज में आपसी एकता और भाईचारा बनाए रखें।** उन्होंने बाबूलाल शर्मा को विश्वास दिलाया कि इस जिला सभा भवन के निर्माण के लिए मैं अपनी तरफ से सम्मानजनक राशि प्रदान करुंगा और अन्य भामाशाहों को भी दान देने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने का कार्य करुंगा।

प्रधान रामपाल शर्मा ने जिला अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा और उसकी टीम को बधाई देने के साथ ही इस भूखंड के आवंटन में सहयोग करने वाले सभी भामाशाहों और अधिकारियों का भी आभार व्यक्त किया, इसमें जी एस टी के अधिकारी प्रेम जांगिड और गजानंद शर्मा भी शामिल हैं और राजस्थान के पूर्व केबिनेट मंत्री लाल चंद कटारिया द्वारा भी यह भूखण्ड दिलवाने में बहूमूल्य सहयोग दिया गया है और इस परोपकार के लिए प्रधान रामपाल शर्मा ने पूर्व मंत्री को, शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया और इसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि इस भूखंड पर चार दीवारी पहले ही बना दी गई है और इसके साथ ही एक कमरे का भी निर्माण करवाया गया है।

इस समारोह को महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष गजानन्द जांगिड, नन्दलाल खण्डेला और हरिशंकर जांगिड ने भी सम्बोधित किया और सभी ने मुक्तकंठ से जिला अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा और उसकी कार्यकारिणी एवं भूमि क्रय में सहयोग करने वाले समाज के भामाशाहों और सभी दान-दाताओं का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया।

इस समारोह में शामिल होकर चार चांद लगाने वालों में, महासभा के पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड, जी एस टी अधिकारी प्रेम जांगिड, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड, लखन शर्मा, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष राहुल शर्मा शामिल हैं।

जिला अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा ने, उन सभी समाज के भामाशाहों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस भूखण्ड खरीद में सहयोग प्रदान किया है और उन सभी भामाशाहों का सम्मान करना, जिला सभा का सर्वोच्च दायित्व बनता है और उसके साथ ही, सभी तहसील ब्लॉक शाखा अध्यक्षों को भी, मंच पर आमंत्रित करके उनका स्वागत किया गया और यहां पर यह उल्लेख करना उचित होगा, कि इस भूखण्ड के आवंटन के प्रयास तत्कालीन जिला अध्यक्ष घनश्याम शर्मा के समय से ही वर्ष 2018 से ही किया जा रहे थे, जिस समय घनश्याम शर्मा जिला अध्यक्ष और रमेश चंद्र शर्मा महामंत्री थे।

इस समारोह का सफल एवं सुव्यवस्थित ढंग से मंच संचालन विद्वान रमेश चंद्र जांगिड एवं हरि शंकर जांगिड द्वारा किया गया।

☆☆☆

नजफगढ़ के अनिल जांगिड के साहसिक कार्य के लिए नागरिक सम्मान

महासभा की कोर कमेटी के सदस्य, गंगादीन जांगिड।

परमात्मा किसी न किसी रूप में सहायता के लिए अवश्य ही अपनी उपस्थिति का अहसास करवाते हैं और इसका अहसास नजफगढ के साहसी अनिल जांगिड को भी हो गया, जो एक 4 वर्षीय बच्ची सृष्टि को बचाने के लिए 9 जुलाई को पपरावट रोड़, नजफगढ़ के सीवर में उतर गए, क्योंकि इस सीवर के खुले मेन हाल में एक बच्ची के गिर जाने से अफरा तफरी मची हुई थी और नजफगढ़ निवासी अनिल जांगिड ने अद्‌भुत साहस का परिचय देते हुए, अपनी जान की परवाह न करते हुए, न केवल उस मासूम की जिंदगी बचाई अपितु सर्वसमाज को एक नई प्रेरणा भी दी है कि मुसीबत के समय भगवान उस मुसीबत का मुकाबला करने के लिए उसके अन्तर्मन में एक जिज्ञासा और कौतूहल की भावना पैदा कर देते हैं। अनिल जांगिड ने बताया कि उनको इसकी प्रेरणा भगवान से मिली और मैंने सीवर में उतरते समय सोचा कि अगर यह जिन्दगी किसी के काम आ जाए तो क्या हर्ज है। **नजफगढ़ में फर्नीचर का काम करने वाले अनिल ने कहा कि मैं इसका श्रेय भी नहीं लेना चाहता हूं क्योंकि भगवान ने इन परिस्थितियों का निर्माण स्वयं ही कर दिया था। उस दिन मेरे दोस्त की दुकान का मुहूर्त था और जो प्रसाद मुझे मिला था, उसको मैं गाड़ी में रखने आया था और अचानक मेरी दृष्टि उस भीड़ पर पड़ी और जिस समय मैं वहां पहुंचा उस समय उस बच्ची का एक हाथ दिखाई दे रहा था और वह भी थोड़ी देर में दिखाई देना बंद हो गया।** और मैं भगवान का नाम लेकर, सीवर के मेन होल में उतर गया और वह बड़ी मुश्किल से इतने गहरे सीवर के पानी में सृष्टि को नीचे ढूंढ पाए और उसका हाथ पकड़ कर ऊपर खींचा गया और बेहोशी की अवस्था में उस बच्ची को बाहर निकाला गया और उसे उल्टा लिटाकर, पेट से पानी निकाला गया और तब जाकर परमात्मा की अनुकम्पा से सृष्टि की सांसें चलने लगी, तत्पश्चात उसे जाफ़रपुर सरकारी हॉस्पिटल में ले जाया गया और अब भगवान की कृपा से सृष्टि पूर्णतः स्वस्थ है। सृष्टि के पिता एक किरयाने की दुकान पर मजदूरी करते हैं।

अनिल जांगिड को, उसके इस अदम्य साहसिक कार्य के लिए अनेक संस्थाओं, रेजीडनसल वैल्फेयर एसोसिएशन और डॉक्टर्स एसोसिएशन ने भी सम्मानित किया है। इसके साथ ही जांगिड ब्राह्मण महासभा की नजफगढ़ शाखा सभा ने भी 13 जुलाई को रमेश चंद्र जांगिड द्वारा, विश्वकर्मा धर्मशाला, धर्मपुरा नजफगढ़ में अनिल जांगिड को नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती नीलम पहलवान, नजफगढ़ जोन के डिप्टी चेयरमेन बांके पहलवान, दिल्ली प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, जिलाध्यक्ष गुलजारी लाल एवं अनिल कुमार, शाखा अध्यक्ष नवीन कालोनिया, विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान गंगादीन जांगिड एवं उसकी कार्यकारिणी, कृष्ण असोदा, महासभा के पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी देवमणि शर्मा, महासभा के उपाध्यक्ष रामकिशन जांगिड और देशराज जांगिड, अवधेश जांगिड, अनिल बिजनिया, राधेश्याम सत्येन्द्र कुमार सहित भारी संख्या में जांगिड बंधुओं ने अनिल जांगिड का हृदय से स्वागत किया और इस उपकार के लिए कृतज्ञता व्यक्त की।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने इस अदम्य साहसिक कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि अनिल जांगिड ने, एक कन्या को जीवनदान देकर नारी शक्ति का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि महासभा भी अनिल जांगिड का सम्मान करने के साथ ही, उसका नाम महासभा द्वारा राष्ट्रपति को, शौर्य पुरस्कार देने के लिए भेजा जाएगा और मैं आशा करता हूं कि उसको इस महापुण्य के कार्य के लिए शीघ्र ही दिल्ली सरकार द्वारा भी 15 अगस्त पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। ☆☆☆

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास, मुंडका, नई दिल्ली - 110041
दूरभाष : 9990070023

अभिनन्दन पत्र

22 जून 2025, रविवार

सामाजिक समरसता के पक्षधर, सेवाभावी, कर्मठ एवं निष्ठावान कार्यकर्ता

समाज के समाजसेवी **श्रीमान् नरेश कुमार जांगिड**

सम्पादक :– विश्वकर्मा टुडे, जयपुर (राजस्थान)

श्रीमान्, आपके स्वर्गीय पिताजी श्री आर. पी. शर्मा जी ने मन में समाज के लिए कुछ विशेष करने की अभिलाषा को साकार करने के पुनीत उद्देश्य से विश्वकर्मा टुडे पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया। सटीक सम्पादकीय, उपयोगी जानकारियां, प्रेरणादायक लेख, उच्चस्तरीय मुद्रण और नवीनतम सामाजिक समाचार के साथ निरंतर मासिक प्रकाशन की वजह से समाज बंधुओं ने इस पत्रिका का अंतर्मन से स्वागत किया। श्री आर. पी. शर्मा जी के आकस्मिक निधन के पश्चात आपने इस पत्रिका का सम्पादन, प्रकाशन एवं प्रबंधन बखुबी किया जो निरन्तर चल रहा है। यह पत्रिका आज समाज का एक अभिन्न अंग बन चुकी है। समाज बंधुओ को इसके नये अंक का बेसब्री से इंतजार रहता है जिसके लिए आप बधाई के पात्र है।

आपने विभिन्न विधाओं में समाज के कर्मयोगियों का एक प्रेरणादायक, अनुकरणीय और संग्रहणीय दस्तावेज कर्मयोग के सूत्रधार का सफल प्रकाशन कर अपनी उत्कृष्ट पत्रकारिता का परिचय दिया है। आज के इस डिजिटल और इंटरनेट के युग को आपने पहचाना और समय की मांग को देखते हुये आपने यु–ट्युब चैनल प्रारंभ किया, जिसमें महत्वपूर्ण सामाजिक समाचार तत्काल प्रसारित किये जाते है जो बेहद प्रशंसनीय है। इसके साथ ही आपने समाज की जो धरोहरें अज्ञात और उपेक्षित थी, उन्हे खोजकर समाज के सामने लाने का प्रशंसनीय कार्य समाजिक धरोहर भी प्रारंभ किया, जिससे समाज द्वारा अब उनका जीर्णोद्धार एवं रखरखाव सुचारू रूप से किया जा रहा है। आपने समाज के प्रबुद्ध लोगों से खास मुलाकात का प्रेरणा दायक कार्यक्रम भी चालू किया। जिसमें उन हस्तियों के जीवन परिचय के साथ ही समाज बंधुओं को उनके आदर्श और उनके उच्च स्तर तक पहुँचने के मूल मंत्र जानने का भी मौका मिला है। इस के अलावा समाज के विशेषज्ञ डॉक्टरों के साक्षात्कार लेकर स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढाने के उद्देश्य स्वास्थ्यम् जैसा महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी प्रसारित किया है।

विगत् तीन वर्षों में 1500 से ज्यादा वीडियों एवं 15 लाख दर्शक होना अपने आप में महत्वपूर्ण है। जिसके लिए समाज को आप पर हमेशा गर्व है। आपकी इन उल्लेखनीय एवं अनुकरणीय उपलब्धियों को देखते हुए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, आपका हार्दिक अभिनंदन करते हुए आपके स्वस्थ एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करती है।

: मंगलाभिलाषी :

रामपाल शर्मा (जांगिड)

प्रधान

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

धर्मशालाएं और मंदिर तो बहुत बना चुके अब हमें शिक्षा की तरफ ध्यान देना होगा।

महासभा के सहकोषाध्यक्ष, रामकिशन जांगिड।

महासभा के प्रधान रामपाल ने बेबाक शब्दों में कहा कि समाज द्वारा धर्मशालाएं और मंदिर तो बहुत बनाए जा चुके हैं, लेकिन आज के इस आधुनिक डिजिटल युग में अब हमें बच्चों शिक्षा पर सर्वाधिक ध्यान देना होगा, क्योंकि समाज की उन्नति का रास्ता शिक्षा से होकर ही गुजरता है।

यह उद्गार प्रधान रामपाल शर्मा ने, एक जुलाई को, अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर के नवीनीकरण और इसके ऊपर एक और मंजिल बनाने को लेकर, अंगिरस पब्लिक स्कूल में आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

आधुनिक युग में शिक्षा के महत्व का उल्लेख करते हुए, रामपाल शर्मा ने कहा कि इस स्कूल के जीर्णोद्धार और इसका विस्तार करने का लक्ष्य बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाने के उद्देश्य को लेकर, यह कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज का सर्वांगीण विकास सम्भव हो सकेगा और इसके अतिरिक्त शिक्षा हमें ज्ञान, कौशल और समझ बढ़ाने के साथ ही, जीवन में आने वाली सभी चुनौतियों का दक्षतापूर्वक मुकाबला करने में सक्षम बनाती है और इसके साथ ही शिक्षा के माध्यम से समाज में, सकारात्मक परिवर्तन भी लाया जा सकता है।

महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष लादूराम जांगिड ने कहा कि शिक्षा एक और जहां एक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता प्रशस्त करती है वहीं, इसके साथ ही शिक्षा एक व्यक्ति को अपने विवेक से स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्णय लेने में भी सक्षम बनाती है और शिक्षा के द्वारा ही हम अपने अधिकारों और कर्तव्यों को भली-भांति समझ सकते हैं।

इस मीटिंग में महासभा के कोषाध्यक्ष अनिल शर्मा, प्राचीन श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान, गंगादीन जांगिड, महासभा के सह कोषाध्यक्ष रामकिशन जांगिड, दिल्ली महासभा के महामंत्री ब्रह्मानंद शर्मा, उत्तरी दिल्ली के बांकनेर जिला अध्यक्ष महावीर जांगिड, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष बंकट लाल जांगिड और बांकनेर जिला अध्यक्ष महावीर जांगिड और शाखा सभा अध्यक्ष बांकनेर, नरेश जांगिड और शिव चरण जांगिड भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस बैठक में अपने-अपने बहुमूल्य सुझाव देकर इस बैठक की गरिमा को बढ़ाने का काम किया। ☆☆☆

बांकनेर स्कूल के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के लिए 5 सदस्यीय कमेटी का गठन।

महासभा की कोर कमेटी के सदस्य, गंगादीन जांगिड।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, समाज में शिक्षा रुपी दीपक की लौ को प्रज्ज्वलित करने के लिए जो संकल्प लिया है, उसके भविष्य में निश्चित रूप से ही सार्थक परिणाम सामने आएंगे और समाज में शिक्षा की एक क्रांति आएगी। इस दिशा में प्रधान रामपाल शर्मा, जो कदम उठा रहे हैं उसकी सर्वत्र भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है और ऐसा मानना है, महासभा की कोर कमेटी के सदस्य गंगादीन जांगिड का, जिनको अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर की पांच सदस्यीय कमेटी का सदस्य बनाया गया है।

गंगा दीन जांगिड ने कहा कि श्री अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर के जीर्णोद्धार के लिए महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा जो पांच सदस्यीय कमेटी बनाई गई है, उसका अध्यक्ष, महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड को बनाया गया है और इसके साथ ही गंगा दीन जांगिड, उप प्रधान महासभा, योगेंद्र सिंह जांगिड, बांकनेर शाखा अध्यक्ष बांकनेर, नरेश जांगड़ा और नजफगढ़ के ठेकेदार कंवर सिंह जांगिड को, इसका सदस्य बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा की इस स्कूल के जीर्णोद्धार में विशेष रुचि रही है और यही कारण है कि महासभा के वह एक मात्र ऐसे प्रधान हैं, जिन्होंने 5-6 बार व्यक्तिगत रूप से इस स्कूल में बैठक करके, हमारा मार्ग दर्शन करने के साथ ही हौसला बढ़ाया और आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित किया है।

गंगा दीन जांगिड ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधान रामपाल शर्मा के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस स्कूल का न केवल जीर्णोद्धार होगा, अपितु समय के साथ-साथ इसका दर्जा बढ़वाने का भी प्रयास किया जाएगा और मेरा तो यह मानना है कि यहां पर एक कालेज की भी स्थापना करने के बारे में भी विचार किया जाए। मैं, प्रधान जी को विश्वास दिलाता हूं कि उन्होंने मुझे जो दायित्व सौंपा है, उसको न केवल सत्य निष्ठा के साथ पूर्ण किया जाएगा, अपितु उनकी उम्मीदों पर भी खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास किया जाएगा। ☆☆☆

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

अंगिराऽसि जांगिड

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2629/2025 **दिनांक 12/07/2025**

*** कोर कमेटी मीटिंग आयोजन की सुचना ***

व्हाट्सअप्प मेसेज - दिनांक:- 02/07/2025 समय 10.48 AM

सम्माननीय कोर कमेटी सदस्य गण, सादर नमस्कार,

महासभा से सबंधित अत्यावश्यक मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय करने हेतु आज रात्रि 8 बजे महासभा प्रधान श्री राम पाल जांगिड़ की अध्यक्षता कोर कमेटी की एक ऑन लाइन विडिओ मीटिंग करना निर्धारित की गई है जिसमें सभी सदस्यों को ऑन लाइन जुड़कर चर्चा किये जाने वाले मुद्दों पर विचार विमर्श कर निर्णय लेना प्रस्तावित है। धन्यवाद।

महामंत्री महासभा

*** कोर कमेटी मीटिंग के मिनट्स ***

महासभा प्रधान जी के निर्देशानुसार आज **दिनांक 02/07/2025 को रात्री 8 बजे** महासभा कोर कमेटी के समस्त सदस्यों की ऑन लाइन विडिओ मीटिंग **महासभा प्रधान श्रीमान रामपाल जांगिड** की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें निम्न कमेटी सदस्य ऑन लाइन उपस्थित हुये :-

1.	श्री राम पाल जांगिड	प्रधान	8. श्री गंगा दीन जांगिड	दिल्ली
2.	श्री सांवर मल जांगिड	महामंत्री	9. श्री पूना राम बरनेला	जोधपुर
3.	श्री श्रीगोपाल चोयल	मुख्य सलाहकार	10. श्री बाबु लाल शर्मा	अहमदाबाद
4.	श्री अरुण कुमार जांगिड	कोषाध्यक्ष	11. श्री सांवर मल जांगिड	गोवा
5.	श्री मोहन लाल दायमा	नासिक	12. श्री सुरेन्द्र वत्स	दिल्ली ऑन ऑडियो काल
6.	श्री विद्या सागर जांगिड	गुडगाँव	13. श्री बजरंग लाल जांगिड	दुर्ग ऑन ऑडियो काल
7.	श्री ओम प्रकाश शर्मा	दिल्ली	14. श्री पी. डी. शर्मा	देवास ऑन ऑडियो काल

मीटिंग में निम्न एजेंडा बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया :-

1. महासभा द्वारा संचालित अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर के भवन की मरम्मत एवं रंग रोगन तथा रख रखाव कार्य शुरू करवाने के लिए **महासभा के खाते से रूपये दस लाख स्कूल के खाते में स्थानान्तरण** करने बाबत चर्चा

2. महासभा भवन के संचालन हेतु जब तक किसी कमेटी का गठन नही हो जाता तब तक महासभा में **कार्यरत स्टाफ श्री दीपक कुमार जांगिड** को आवश्यक मानदेय राशी के रूप में अतिरिक्त भुगतान करने बाबत चर्चा

3. **श्री संजय हर्षवाल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान** द्वारा **महासभा प्रधान के खिलाफ** विभिन्न सामाजिक मंचों पर झूठे, निराधार, बेबुनियाद एवं मनघडन्त इल्जाम लगाकर दुष्प्रचार करने एवं सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट / विडिओ डालकर समाज को भ्रमित करके उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाकर अपमान करने पर कार्यवाही करने बाबत चर्चा।

4. **अन्य विषय प्रधान जी की अनुमति से ....**

महासभा सदस्यों द्वारा किसी भी पदाधिकारी के खिलाफ सोशल मिडिया पर पोस्ट की गई कोई भी पुरानी टिप्पणी / पोस्ट को बार बार सोशल मिडिया ग्रुप्स में डाल कर समाज को गुमराह करते हुए महासभा के पदाधिकारी या भामाशाहों की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाकर समाज में बदनाम करने से साथ ही उन्हें ब्लैक मेल करने की कोशिश करने वाले सदस्यों के खिलाफ कार्यवाही करने बाबत चर्चा। **जैसे श्री मालचंद जांगिड अहमदाबाद, एवं श्री अशोक शर्मा प्रदेश अध्यक्ष उतरप्रदेश**

सर्वप्रथम महामंत्री सांवरमल जांगिड ने महासभा के वर्तमान कार्यकाल की प्रथम ऑन लाइन कोर कमेटी मीटिंग की विधिवत शुरुआत करते हुए उपस्थित सभी कमेटी सदस्यों एवं महासभा पदाधिकारियों का हार्दिक स्वागत, अभिनंदन किया तदुपरांत मीटिंग में उपस्थित हुये समस्त सदयों एवं पदाधिकारियों आपस में सभी से परिचय करवाया तथा सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने एक साथ मिलकर महासभा प्रधान का स्वागत एवं अभिनंदन किया तत्पश्चात मीटिंग के एजेंडा अनुसार चर्चा करते हुये मीटिंग की विधिवत शुरुआत की गयी जो निम्नानुसार हैं :--

एजेंडा नम्बर एक पर चर्चा करते हुए सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार रखते हुए सर्व सम्मत्ति से यह निर्णय किया गया कि बांकनेर स्कूल भवन की अत्यावश्यक मरम्मत एवं रंग रोगन तथा रखरखाव कार्य शुरू करवाने के लिए **महासभा के SBI बैंक खाते से कुल रूपये पन्द्रह लाख स्कूल के UBI बैंक खाते में स्थानान्तरण करने का अनुमोदन किया तथा फिलहाल सिर्फ दस लाख रूपये स्थानान्तरण करने का निर्णय किया गया। यदि भविष्य में जब भी धनराशी की स्कूल को आवश्यकता हो तब बाकि अनुमोदित राशी भी आवश्यकतानुसार स्थानान्तरित की जा सकती है।**

एजेंडा नम्बर दो पर चर्चा करते हुए कमेटी के समस्त सदयों ने एक मत होकर यह निर्णय किया कि महासभा के नवनिर्मित भवन मुंडका के नियमित संचालन करने के लिए **जब तक प्रबन्धकीय कमेटी का गठन** नही हो जाता तब तक महासभा में कार्यरत स्टाफ **श्री दीपक कुमार जांगिड** को **जनवरी-2025 से मानदेय के रूप में रूपये 5000/- मासिक का अतिरिक्त भुगतान** करने की सहमती प्रदान की गई।

एजेंडा नम्बर तीन पर चर्चा करते हुए कमेटी के समस्त सदयों ने अपने अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत करते हुए कहा **की महासभा प्रधान के विरुद्ध श्री संजय हर्षवाल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान** द्वारा विभिन्न सामाजिक मंचों पर झूठे, निराधार, बेबुनियाद एवं मनघडन्त इल्जाम लगाकर दुष्प्रचार करने एवं सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट / विडिओ डालकर समाज को भ्रमित करके महासभा प्रधान की प्रतिष्ठा को सार्वजानिक रूप से धूमिल कर उनका निरंतर अपमान करने पर उनके खिलाफ़ अविलम्ब अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के सुझाव दिए।

काफी विचार विमर्श के बाद कमेटी के सभी सदस्यों ने **श्री संजय हर्षवाल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान** द्वारा किये गये उक्त कृत्य को गम्भीर क्षेणी की अनुशासनहीनता मानते हुए **सर्व सम्मति से यह निर्णय** किया गया कि **श्री संजय हर्षवाल** पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान को अविलम्ब **सात दिवस का समय देते हुए कारण बताओं नोटिस** जारी किया जाए तथा यदि उनका जबाब प्राप्त नही होने पर / संतोषप्रद प्राप्त नही होने पर महासभा द्वारा अग्रिम अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करनी चाहिए साथ ही महासभा प्रधान यदि चाहे तो महासभा के माध्यम से उनके खिलाफ मानहानी का कोर्ट केस करने की भी सहमती प्रदान की गई ।

एजेंडा नम्बर चार - प्रधान जी की अनुमति से महासभा के कुछ सदस्यों **जैसे श्री माल चंद जांगिड अहमदाबाद एवं अन्य के** द्वारा पिछले काफी समय से महासभा पदाधिकारीयों के खिलाफ सोशल मिडिया पर पोस्ट की गई कोई भी पुरानी टिप्पणी / पोस्ट को बार बार सोशल मिडिया ग्रुप्स में डाल कर समाज को गुमराह करते हुए महासभा के पदाधिकारी या भामाशाहों की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाकर समाज में बदनाम करने से साथ ही उन्हें ब्लैक मेल करने की कोशिश करने वाले सदस्यों के खिलाफ अविलम्ब कार्यवाही करने के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए सभी ने सर्व सम्मति से यह निर्णय किया गया की महासभा के ऐसे सदस्यों के खिलाफ तुरंत प्रभाव से कड़ी से कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए साथ ही यदि महासभा प्रधान को आवश्यक लगे तो उनके खिलाफ मानहानी का कोर्ट केस करने का भी कोर कमेटी ने अनुमोदन किया।

अंत में महासभा प्रधान ने कोर कमेटी के सभी सदस्यों का उर्जेंट काल पर ऑन लाइन विडिओ मीटिंग में भाग लेकर अपने अपने विचार एवं सुझाव से अवगत करवाने के लिए धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया एवं श्री विश्वकर्मा भगवन के जय घोष के साथ ही मीटिंग को समाप्त करने की घोषणा की गई ।

महामंत्री–महासभा

वाइस प्रेसिडेंट असीम शर्मा द्वारा समाज के गरीब और मेधावी बच्चों की सहायता के लिए एक लाख रुपए प्रति वर्ष आजीवन देने की घोषणा।

महाकालेश्वर ज्योर्तिलिंग की पुण्य धरा जिला उज्जैन में पैदा हुए और माता-पिता द्वारा दिए गए बेहतर संस्कार और समाज के प्रति उदारता का भाव रखने वाले 32 वर्षीय इंजीनियर असीम शर्मा की सोच, इतनी ही बड़ी असीम है जितना बड़ा उसका नाम असीम है। उसने अपने माता-पिता की प्रेरणा और अपनी जीवन संगिनी वर्तिका शर्मा के सहयोग से जांगिड समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों की पीड़ा और दर्द को महसूस करते हुए ही, समाज के **इन गरीब और होनहार बच्चों की सहायता के लिए आजीवन एक लाख रुपए प्रति वर्ष देने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, ताकि समाज का कोई भी गरीब और प्रतिभावान बच्चा, पैसे के अभाव में अपने कैरियर को ही दांव पर ना लगा दे।**

इन्दौर के रहने वाले पिता शैतान मल शर्मा और माता श्रीमती जीवन बाला शर्मा के घर गांव खाचरोद जिला उज्जैन में पैदा हुए असीम शर्मा के नाम के अनुरूप भी उसकी सोच भी असीम है और इस सोच का ही यह परिणाम है कि, जिस आयु में बच्चे अपनी घर गृहस्थी को बसाने और अपने बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाने के सपने देखतें हैं। उस आयु में इन सपनों से परे हटकर असीम शर्मा ने समाज के उन गरीब और होनहार बच्चों की आर्थिक कठिनाईयों को ध्यान में रखते हुए ही एक साहसिक कदम उठाया और इस कदम के भविष्य में सार्थक परिणाम सामने आएंगे।

एक साक्षात्कार में असीम शर्मा ने बताया कि **मेरे पिता ने मुझे जिस तरीके से पढ़ाया लिखाया मुझे अच्छी तरह मालूम है कि उन्होंने अपनी जरूरतों को कम करके मुझे बेहतरीन शिक्षण संस्थानों में शिक्षा दिलाने का काम किया।** जीवन में एक माता-पिता ही एक ऐसे शुभचिंतक होते हैं जो अपने बच्चों को अपने से बड़ा बनना देखना चाहते हैं। लेकिन मैं समझता हूं कई बच्चे मेधावी होते हैं, लेकिन उसके घर की आर्थिक परिस्थितियां इस प्रकार की होती है कि न चाहते हुए भी उनको अपनी इच्छाओं का गला घोटना ही पड़ता है। **इस समस्या को देखते हुए ही मैंने अपने पिता और माता की प्रेरणा से इस प्रकार से समाज के प्रतिभावान और गरीब छात्र-छात्राओं के लिए एक लाख रुपए वार्षिक आजीवन देने का फैसला किया है।** उन्होंने कहा कि हालांकि यह धनराशि इतनी बड़ी नहीं है कि इसका ढिंढोरा पीटा जाए, लेकिन एक छोटा सा प्रयास किया गया है और भविष्य में इस प्रयास में और भी अभिवृद्धि हो सकती है।

असीम शर्मा के पिता शैतान मल शर्मा ने कहा कि असीम शर्मा शुरू से शिक्षा में अव्वल रहा है और इन्होंने 10वीं और 12वीं की बोर्ड की परीक्षाएं इन्दौर शहर से ही टॉप अंकों के साथ उत्तीर्ण की और उसके पश्चात आई आई टी, जे ई ई की परीक्षा में भी बेहतरीन 676वीं रैंक प्राप्त कर देश के प्रतिष्ठित संस्थान भारतीय प्राद्यौगिकी संस्थान, आई आईटी, दिल्ली से केमिकल इंजीनियरिंग में बी टेक एवं एम टेक की डिग्री हासिल की और उसके बाद असीम की नियुक्ति हैदराबाद की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी युनाईटेड हैल्थ केयर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में हो गई और उसके पश्चात उन्होंने इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कोलकाता में मास्टर आफ बिजनेस मैनेजमेंट में डिग्री हासिल की और असीम शर्मा ने आई आई एम कोलकाता में अध्ययन के दौरान ही एच एस बी सी बैंक, मुंबई में इंटर्नशिप की और वह एम बी ए की पढ़ाई के दौरान ही, स्टुडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत अध्ययन के लिए फ्रांस (पेरिस) भी गए। आई आई एम कोलकाता में उत्कृष्ट रैंक प्राप्त करने के कारण ही उनका चयन फिलीपकार्ट बैंगलुरू में सबसे उच्चतम पैकेज पर प्रोडक्ट मैनेजर के पद पर हो गया और उन्होंने प्रोडक्ट मैनेजर के रूप में सितम्बर 2023 कार्यभार संभाला और फिर कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और उसके पश्चात् उनका करियर फिलीपकार्ट के संस्थापक सचिन बंसल द्वारा स्थापित कम्पनी में शुरू हुआ और वह निरन्तर आगे बढ़ता ही जा रहा है और

वहां पर उन्होंने प्रोडक्ट हैड, ग्रोथ हैड, मार्किटिंग डायरेक्टर जैसी वरिष्ठ भूमिकाओं में कार्य किया है। इसके पश्चात उन्हें बैटरहाफ. ए आई कंपनी में सीनियर डायरेक्टर - ग्रोथ हैड के रूप में आमंत्रित किया गया है जहाँ उन्होंने कंपनी को शीर्ष पर पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फिर उन्हें मुम्बई में आधारित एंजल वन कम्पनी में वाईस प्रेजिडेंट बिजनेस ग्रोथ हैड स्वतंत्र प्रभार बैंगलुरू में उच्च वेतनमान पर नियुक्त किया गया है।

परिवार और वैवाहिक जीवन असीम शर्मा का विवाह, वर्तिका से हुआ है और वह वर्तमान में नैस्ले इण्डिया वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं और परमात्मा, असीम और वर्तिका पर अपनी कृपा दृष्टि सदैव ही बनाए रखें।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने असीम शर्मा द्वारा समाज के गरीब बच्चों की सहायता करने के लिए एक लाख रुपए वार्षिक आजीवन देने की घोषणा का स्वागत किया है और भगवान उनकी दान देने की इस भावना को सदैव ही इसी प्रकार से बनाए रखे।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और मध्य प्रदेश सभा के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला ने भी असीम शर्मा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह सब उसके माता-पिता द्वारा दिए गए बेहतरीन उदात्त संस्कारों और उच्च शिक्षा देने के परिणाम स्वरूप ही सम्भव हो सका है। परमात्मा अपनी कृपा दृष्टि सदैव ही इस परिवार पर बनाए रखें।

सम्पादक राम भगत शर्मा।

चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद - बीकानेर, कोटा, झालावाड़, पाली

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा बीकानेर, कोटा, झालावाड़, पाली का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। अतः चुनाव करवाए जाने अपेक्षित है। इन जिलों के चुनाव के लिए प्रदेश सभा, राजस्थान के मुख्य चुनाव प्रभारी बसन्त कुमार जांगिड ने बीकानेर, कोटा, झालावाड़, पाली जिला अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए चुनाव अधिसूचना जारी की जा चुकी है। जारी अधिसूचना के अन्तर्गत बीकानेर, कोटा, झालावाड़, पाली जिलों का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा :-

क्र.सं.	जिला	सदस्यता मान्य	नामांकन तिथि	नामांकन का स्थान	मतदान तिथि
1	बीकानेर	10 जुलाई 2025(गुरूवार)	27 जुलाई 2025(रविवार)	सिद्ध धर्मशाला तुलसी सर्कल सादुलगंज, बीकानेर	10 अगस्त 2025 (रविवार)
2	कोटा	24 जुलाई 2025(गुरूवार)	10 अगस्त 2025(रविवार)	जांगिड ब्राह्मण छात्रावास महावीर नगर, कोटा	24 अगस्त 2025 (रविवार)
3	झालावाड़	24 जुलाई 2025(गुरूवार)	10 अगस्त 2025(रविवार)	खेड़ापति बालाजी माधोपुर रोड, झालरापाटन	24 अगस्त 2025(रविवार)
4	पाली	24 जुलाई 2025(गुरूवार)	10 अगस्त 2025(रविवार)	जांगिड भवन वी डी नगर, पाली	24 अगस्त 2025(रविवार)

बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी, मो0. 9680010591

इंदौर में आयोजित प्रदेशाध्यक्षो की त्रैमासिक मीटिंग में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली के अंतर्गत कार्यरत, प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों की, प्रथम त्रैमासिक बैठक, मध्यप्रदेश सभा के सौजन्य से 21 जून, 2025 को सांयकाल 5:30 बजे, श्री जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत श्री राम विश्वकर्मा मंदिर, तोप खाना, इंदौर में, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें समाज हितैषी अनेक निर्णय लिए गए, जिसके दूरगामी परिणाम होंगे।

सर्वप्रथम, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने, इस प्रथम बैठक में उपस्थित सभी प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों तथा महासभा के पदाधिकारियों का मीटिंग में पधारने पर हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया और सभी ने अपना-अपना परिचय दिया और तत्पश्चात मीटिंग की शुरुआत करते हुए महामंत्री ने प्रदेशाध्यक्षों की त्रैमासिक मीटिंग के एजेंडा अनुसार चर्चा करते हुए, विधिवत ढंग से शुरुआत की गई जो निम्नानुसार हैं :--

1. एजेंडा नम्बर - **बेंगलुरू में 28 सितम्बर, 2024 को आयोजित महासभा की त्रैमासिक बैठक में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन।** महामंत्री ने एजेंडे के अनुसार मीटिंग को प्रारम्भ कर, प्रथम बिंदु का उल्लेख करते हुए कहा कि 28 सितम्बर, 2024 को बैंगलुरू में प्रदेशाध्यक्षों की अंतिम त्रैमासिक मीटिंग, में लिए गए निर्णयों की सम्पूर्ण रिपोर्ट (मिनट्स) महासभा की मासिक जांगिड पत्रिका में प्रकाशन करने के साथ ही महासभा के पत्रांक क्रमांक:- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2419/2024 दिनांक 07/11/2024 के तहत समस्त प्रदेश अध्यक्षों को प्रेषित की जा चुकी है। अत: उक्त मीटिग के निर्णयों का अनुमोदन करने के लिए निवेदन किया गया और सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने-अपने हाथ उठाकर करतल ध्वनि से विगत मीटिंग में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन किया ।

2. एजेंडा नम्बर- **उत्तराखंड, छतीसगढ़, गुजरात और कर्नाटक में प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव करवाने का अनुमोदन।** जैसा कि आपको विदित है कि उतराखंड और छतीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्षों का कार्यकाल 3 सितंबर 2025 को तथा गुजरात एवं कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्षों का कार्यकाल 15 अक्टूबर 2025 को समाप्त होने जा रहा है। अत: इससे पूर्व इन दोनों प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव करवाना जरूरी है। इस एजेंडा बिंदु पर सभा कक्ष में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय करते हुए, महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा को सभी प्रदेशों के चुनाव निष्पक्ष तथा पारदर्शी से महासभा संविधान के अनुसार सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया का पालन करते हुए करवाने के लिए अधिकृत किया गया तथा इस निर्णय का सभी ने एक स्वर में अनुमोदन किया ।

3. एजेंडा नम्बर - **महासभा के नवनिर्मित भवन को संचालित करने के लिए संचालन कमेटी का गठन करने पर चर्चा।** जैसा की आप सभी को विदित है की महासभा के मुंडका दिल्ली में नवनिर्मित चार मंजिला भवन का लोकार्पण 7 सितंबर 2024 को गणेश चतुर्थी के अवसर पर किया जा चुका है और इसके कुशल एवं सफल संचालंन करने के लिए एक प्रबन्धकीय संचालन कमेटी का गठन करने की नितान्त आवश्यकता है। इस बैठक में उपस्थित, समस्त पदाधिकारियों ने गहन विचार विमर्श करने के उपरांत सर्वसम्मति से महासभा प्रधान शर्मा एवं महासभा के कार्यकारी प्रधान को लादुराम जांगिड को अधिकृत किया गया और भवन के बेहतर संचालन के लिए कुशल एवं अनुभवी पदाधिकारियों की एक कमेटी का गठन करने का एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। इस निर्णय का स्वागत करते हुए, सर्वसम्मति से इसे अनुमोदित किया ।

4. एजेंडा नम्बर - **महासभा द्वारा संचालित बांकनेर, नरेला स्कूल की मरम्मत एवं जीर्णोद्वार करवाने पर चर्चा।** महासभा द्वारा संचालित अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर का भवन, काफी पुराना होने के कारण जर्जर एवं जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है, जिसकी मरम्मत एवं रंग-रोगन तथा रख-रखाव का कार्य करवाना अति आवश्यक है, क्योंकि इस स्कूल का 8 वीं से 10 वीं तक का दर्जा बढ़वाने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाने का कार्य प्रगति पर है। इसके लिए दिल्ली शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल का सर्वे करना पेंडिंग है और इसका उचित रख

रखाव नही होने के कारण शिक्षा विभाग द्वारा सर्वे करने के उपरांत इसके रजिस्ट्रेशन का कार्य रुक सकता है ।

महासभा के कार्यकारी प्रधान लादू राम जांगिड ने सुझाव दिया कि, बांकनेर स्कूल के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य करवाने के लिए एक कमेटी के गठन का मामला मेरे और प्रधान जी के ऊपर छोड़ दिया जाए। राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा और हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड ने सुझाव दिया की स्कूल में फिलहाल बड़ा निर्माण कार्य करने की अपेक्षा, सिर्फ आवश्यक मरम्मत एवं रंगरोगन का कार्य ही करवा लिया जाए ताकि शिक्षा विभाग में स्कूल को 10वीं कक्षा तक मान्यता के लिए रजिस्टर्ड करवाने की स्वीकृति भी मिल सके और इस मरम्मत कार्य के लिए आवश्यक धनराशि स्कूल के बैंक खाते में जमा एफडीआर को तुड़वाकर एक बार में यह कार्य करवाया जा सकता है । इसके अतिरिक्त दिल्ली प्रदेश प्रभारी मदन लाल शर्मा, दिल्ली के ओम प्रकाश शर्मा एवं गोवा के सांवरमल जांगिड ने, यह भी सुझाव दिया कि एक बार मरम्मत कार्य शुरू करने के लिए महासभा के बैंक खाते से स्कूल के बैंक खाते में, एक निश्चित राशि स्थानांतरित करके, कार्य शुरू किया जा सकता है ।

उक्त एजेंडा बिंदु पर काफी विचार विमर्श के बाद बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने बांकनेर स्कूल भवन की अत्यावश्यक मरम्मत एवं रंग रोगन तथा रखरखाव कार्य शुरू करवाने के लिए प्राप्त उक्त तीनों ही सुझावों पर सर्व सम्मत्ति से सहमति जताते हुए महासभा प्रधान एवं कार्यकारी प्रधान को यह जिम्मेदारी दी गई की वे अपने स्वः विवेक से उचित एवं आवश्यक निर्णय लेकर अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल–बांकनेर के जीर्णोद्धार एवं रखरखाव के लिए कमेटी गठित करने के उपरांत यदि आवश्यक हो तो खर्च राशि के लिए स्कूल की एफडीआर को तुड़वाकर या महासभा से राशि स्थानांतरित करके स्कूल का मरम्मत कार्य अविलम्ब शुरू करवाए जिसका सम्पूर्ण सदन ने उक्त निर्णय का स्वागत करते हुए करतल ध्वनि के साथ अनुमोदन किया।

5. एजेंडा नम्बर – **अयोध्या में विश्वकर्मा मन्दिर एवं धर्मशाला का निर्माण करने के लिए भूमि क्रय करने हेतु क्रय कमेटी का गठन करने बाबत चर्चा।**

बन्धुओं जैसा की आप सभी को ज्ञात होगा की को हैदराबाद में सम्पन्न महासभा कार्यकारिणी की त्रैमासिक मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों एवं भामाशाहों ने एक साथ खड़े होकर तालियों की गडगडाहट एवं जोश एवं उल्लास के साथ जय श्रीराम का जय घोष करते हुये सर्व सम्मत्ति से एक प्रस्ताव पारित किया था कि **भगवान राम की जन्म भूमि–अयोध्या नगरी** में महासभा द्वारा एक भव्य विश्वकर्मा मन्दिर के साथ ही भव्य धर्मशाला भवन का निर्माण कार्य किया जाना चाहिए ।

महासभा कार्यकारिणी द्वारा लिए गये उक्त निर्णय के मध्य नजर ही महासभा प्रधान, मुख्य सलाहकार, महामंत्री, मध्यप्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र श्री रोहिताश जी जांगिड ने दिनांक 17/12/2024 को श्री विश्वकर्मा मंदिर और धर्मशाला के निर्माण के लिए भूमि खरीदने के लिए अयोध्या का दौरा किया था जिसके काफी अच्छे परिणाम भी आये है परन्तु बिना किसी कमेटी के कोई भी प्रधान अकेला कोई निर्णय नही ले सकता इसलिए अयोध्या में मन्दिर एवं धर्मशाला निर्माण हेतु भूमि क्रय करने के लिए एक कमेटी का गठन करना आवश्यक है।

उक्त एजेंडा बिंदु पर बैठक में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने अयोध्या में विश्वकर्मा मन्दिर एवं धर्मशाला का निर्माण करने के लिए भूमि क्रय करने के लिए पूर्व मीटिंगों में लिए गये निर्णय का पूर्ण समर्थन किया तथा सबकी सर्व सम्मत्ति से सहमति जताते हुए **महासभा प्रधान एवं कार्यकारी प्रधान** को यह जिम्मेदारी दी गई की वे दोनों अपने स्वः विवेक से उचित एवं आवश्यक निर्णय लेकर एक भूमि क्रय कमेटी गठित करके अयोध्या में भूमि क्रय करने का कार्य अविलम्ब शुरू करवाए जबकि महासभा के पूर्व प्रधान श्री रविशंकर शर्मा जयपुर ने सुझाव दिया की महासभा का कार्य सिर्फ समाज सेवा एवं समाज उत्थान के कार्य करना है इसलिए महासभा को अयोध्या में मन्दिर या धर्मशाला अपने नाम से ना बनाकर एक अलग से ट्रस्ट की स्थापना करके उसके अधीन बनानी चाहिए। परन्तु सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने बहुमत का आधार पर लिए गये उक्त निर्णय का स्वागत करते हुए जय श्रीराम का जय घोष करते हुये अनुमोदन किया साथ ही महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष श्री नानू राम जी कहा की यदि अयोध्या में समाज की धर्मशाला बनती है तो मैं, सहयोग करने के तैयार हूँ । कोर कमेटी सदस्य श्री सुरेन्द्र वत्स दिल्ली ने कहा की महासभा को अपनी

नियमित आय करने के लिए हरिद्वार एवं खाटू श्याम जी की तर्ज पर धर्मशाला बनानी चाहिए ।

6. एजेंडा नम्बर - **महासभा प्रधान एवं प्रदेश अध्यक्षों की वर्तमान चुनाव प्रणाली पर चर्चा**- जैसाकि आपको विदित है कि, महासभा के प्रधान एवं प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव करवाने में, वर्तमान चुनाव प्रणाली से होने वाली काफी असुविधाओं एवं परेशानियों के अलावा लगने वाले समय एवं श्रम तथा खर्च के मध्य नजर महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा ने महासभा की वर्तमान चुनाव प्रक्रिया में बदलाव की महत्ती आवश्यकता पर बल देते हुए, चुनाव प्रक्रिया में बदलाव के एक नए प्रस्ताव की प्रतियां वितरित करते हुए नए प्रस्ताव को विस्तार से सदन में प्रस्तुत किया तथा इस पर विचार विमर्श कर आगामी मीटिंगो में निर्णय करने के लिए निवेदन किया और इस प्रस्ताव का गुण-दोष के आधार पर अध्ययन करने के बाद ही आगामी मीटिंग में इस पर पुनः चर्चा करने का निर्णय लिया गया है और जिसका सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने हाथ खड़े करके अनुमोदन किया ।

7. एजेंडा नम्बर- **राष्ट्रीय जनगणना कार्यक्रम के तहत जातीय जनगणना करवाने के बारे में चर्चा** - यह ऐजेण्डा आज के परिपेक्ष्य में बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है, क्योंकि भारत सरकार द्वारा एक अध्यादेश जारी करके, अगले साल 2026 में भारत की राष्ट्रीय जनगणना के साथ-साथ, जातीय जनगणना करवाने का भी निर्णय किया है । **लेकिन हमारे समाज के लोग अलग अलग राज्यों में जांगिड, शर्मा, बढ़ई, खाती, विश्वकर्मा, सुथार, तिरखान, पांचाल, रामगढिया, मालवीय, जांगड़ा, धीमान आदि अलग-अलग जातियों के नामो से जाने जाते है, जिससे हमारी कुल जनसंख्या का सही आंकलन नही हो पाता है और हमारी जाति राजनैतिक स्तर एवं संख्याबल स्तर पर लगातार पिछड़ती जा रही है और** हमारा समाज किसी भी सरकारी लाभ की योजना या समाज उत्थान की स्कीम से भी वंचित रह जाता है। **अतः इस विषय पर हम सबको मिलकर गहन मंथन करके निश्चित करना होगा की अगली जनगणना कार्य के दौरान जाति की जगह क्या नाम लिखे जिससे सरकार को हमारी जाति का संख्या बल का सही आकलन हो सके।**

इस बिंदु पर बोलते हुए उतरप्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा ने जांगिड ब्राह्मण तथा विश्वकर्मा लिखने का सुझाव दिया, इसी तरह प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान, गोवा, गुजरात, उतराखंड, मध्यप्रदेश, प्रदेश प्रभारी छतीसगढ़, दिल्ली ने, सिर्फ जांगिड शब्द लिखने का सुझाव दिया तथा **महासभा पूर्व प्रधान कैलाश चंद बरनेला और रविशंकर शर्मा ने सुझाव दिया की महासभा को प्रत्येक प्रदेश अध्यक्ष को पत्र लिखकर पूछना चाहिए कि किस राज्य में हमारी कौन-कौन सी जाति सरकारी रिकोर्ड में दर्ज है।** सभी की आम सहमति से समग्र रूप से आगामी राष्ट्रीय जनगणना कार्यक्रम के तहत जातीय जनगणना कार्य में **सिर्फ जांगिड लिखने का सुझाव निश्चित हुआ और इसके साथ ही यह भी निश्चित किया गया की समस्त प्रदेश अध्यक्षों से प्राप्त सूचना के आधार पर महासभा द्वारा केंद्र एवं सम्बन्धित राज्य सरकारों को भी पत्र लिख कर अवगत कराया जाना चाहिए की जांगिड, शर्मा, बढ़ई, खाती, विश्वकर्मा, सुथार, तिरखान, पांचाल, रामगढिया, मालवीय, जांगड़ा, धीमान आदि जांगिड जाति ही है,** जो विभिन राज्यों में अलग-अलग नामों से जानी जाती है, इस कार्य के लिए प्रदेश अध्यक्षों को यह भी जिम्मेदारी दी गई कि वह, **इस बारे में अपने-अपने प्रदेश की सूची से महासभा को अवगत करवाने का कष्ट करें।** इस निर्णय का सम्पूर्ण सदन ने स्वागत करते हुए अपने अपने हाथ खड़े करके सामूहिक रूप से अनुमोदन किया ।

8. एजेंडा नम्बर - **अन्य कोई विषय प्रधान जी की अनुमति से....**

1. महासभा के 500 रूपये वाले बिना पत्रिका के संरक्षक सदस्यों को महासभा की किसी भी ईकाई के चुनाव में भाग लेने का पुनः अधिकार दिए जाने बाबत चर्चा :- हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड एवं उतरप्रदेश के अध्यक्ष अशोक शर्मा ने कहा कि महासभा के 500 रूपये वाले, बिना पत्रिका के संरक्षक सदस्यों को, महासभा की किसी भी ईकाई के चुनाव में भाग लेने का पुनः अधिकार दिया जाना चाहिए, **इस प्रस्ताव का महासभा के पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा एवं राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा तथा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सिया राम जांगिड ने भी समर्थन किया।** आपको याद होगा की सीकर में सम्पन्न महासभा की त्रैमासिक मीटिंग में संशोधित चुनाव निर्देशिका - 2024 के तहत

सबकी सहमति से यह प्रस्ताव पारित किया गया था की **महासभा के किसी भी चुनाव में भाग लेने के लिए कम से कम पत्रिका सहित 1100 रुपए या 2100 रूपये के संरक्षक सदस्य या उससे उच्च श्रेणी के सदस्य को ही, अधिकार होगा** तथा जो 500 रूपये का पत्रिका रहित संरक्षक सदस्य है, उसे चुनाव अधिसूचना में वर्णित सदस्य बनने की अंतिम तारीख से पहले 1600 रुपए जमा करवाकर महासभा का संरक्षक सदस्य बनने के उपरांत ही चुनाव लड़ने का अधिकार होगा।

इस विषय पर काफी विचार विमर्श एवं अधिकतम पदाधिकारियों का निवेदन एवं महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश चंद बरनेला के निवेदन के बाद, **महासभा प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा मीटिंग में उपस्थित पदाधिकारियों के बहुमत को देखते हुए महासभा के 500 रूपये वाले बिना पत्रिका के संरक्षक सदस्यों को भी, महासभा की किसी भी ईकाई के चुनाव में भाग लेने का पुनः अधिकार दिए जाने की घोषणा की गई** और इस निर्णय का स्वागत करते हुए एवं अनुमोदन करते हुए प्रधान रामपाल शर्मा का भी आभार व्यक्त किया । उनको चुनाव लड़ने की यह पात्रता इस शर्त के साथ दी गई है की **पत्रिका रहित 500 रूपये वाले सदस्य यदि चुनाव जीत जाते है तो, उन्हे चुनाव जीतने के एक माह के भीतर 1600 रुपए महासभा में जमा कर के 2100 रुपए का पत्रिका वाला सदस्य बनना अनिवार्य होगा अन्यथा उनका निर्वाचन 30 दिन के पश्चात स्वतः ही निरस्त माना जाएगा।**

2. प्रधान जी की अनुमति से मीटिंग में उपस्थित विभिन्न प्रदेश अध्यक्षों ने एक साथ सीकर में सम्पन्न महासभा की त्रैमासिक मीटिंग में लिए गये निर्णय की याद दिलाते हुए एक बार पुनः निवेदन करते हुए कहा कि महासभा में नये सदस्य बनाये जाने पर 100/- रूपये प्रति सदस्य के हिसाब से सम्बन्धित प्रदेश सभा को अविलम्ब भुगतान किया जाना चाहिए । साथ ही उक्त हिस्सा राशी को 100/- रूपये से बढ़कर 200/- रूपये के हिसाब से माह जनवरी-2025 से भुगतान किया जाना चाहिए। इस प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान, हरियाणा, उतरप्रदेश, गुजरात, एवं महाराष्ट्र के अलावा कई पदाधिकारियों के द्वारा भी किया गया ।

इन दोनों ही मुद्दों पर सभी के विचार एवं सुझाव सुनने के बाद महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि महासभा में बनने वाले नए सदस्यों से प्राप्त राशि का 200 रूपये प्रति सदस्य के हिसाब से हिस्सा राशि का भुगतान करने की घोषणा मेरे द्वारा पहले ही कई बार सामाजिक मंचों से की जा चुकी हैं। एक बार फिर सदन की आम सहमति एवं निवेदन को ध्यान में रखते हुए **प्रधान जी ने घोषणा करते हुए कहा कि महासभा में बनने वाले नए सदस्यों से प्राप्त राशि का 200 रूपये प्रति सदस्य के हिसाब जनवरी 2025 से सभी प्रदेश सभाओं को बारी-बारी से भुगतान किया जायेगा।** जिसका सम्पूर्ण सदन ने स्वागत करते हुए करतल ध्वनि के साथ अनुमोदन किया ।

3. महासभा के चांदनी चौक स्थित भवन को किराये देने बाबत चर्चा।

महासभा पूर्व प्रधान श्री कैलाश बरनेला जी ने सुझाव दिया कि चांदनी चौक में स्थित महासभा पुराने भवन को अविलम्ब किराये पर दिया जाना चाहिए ताकि महासभा को एक निशिचित मासिक आय प्राप्त हो सकें। इस पर मीटिंग में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने सर्व सम्मति से निर्णय किया कि महासभा के पुराने भवन को तुरंत किराये पर देने हेतु कार्यवाही शुरू करनी चाहिए ।

इस बैठक की अध्यक्षता प्रधान रामपाल शर्मा ने की और इसकी शोभा को द्विगुणित करने वालों में, महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड, महामंत्री सांवरमल जांगिड, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार जांगिड, महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश चंद बरनेला और रवि शंकर शर्मा, मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, मुख्य चुनाव अधिकारी, प्रवीण शर्मा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड, मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभुदयाल बरनेला, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नानू राम जांगिड, गुजरात अध्यक्ष कैलाश शर्मा, गोवा प्रदेश अध्यक्ष भंवर लाल सुथार, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सिया राम जांगिड, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष जगत राम भदरेचा, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा, उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद शर्मा, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष सतीश जांगिड, दिल्ली प्रदेश प्रभारी मदन लाल जांगिड, छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी धर्मचंद शर्मा, कोर कमेटी सदस्य ओम प्रकाश शर्मा, सुरेन्द्र वत्स, प्रदीप शर्मा मंडावाले और पी डी शर्मा, उच्च स्तरीय कमेटी के सदस्य कैलाश चंद्र जांगिड और जगदीश प्रसाद शर्मा, मिशन प्रभारी डेढ़ लाख रामजी लाल जांगिड, मध्य प्रदेश सभा के महामंत्री अनिल कुमार शर्मा, फरीदाबाद से टेक चंद जांगिड, प्रदेश सभा के मुख्य सलाहकार सुभाष जांगिड और हरदा मध्य प्रदेश से जगदीश जांगिड शामिल हैं।

सभी का आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए प्रधान जी की अनुमति से भगवान श्री विश्वकर्मा जी के जयकारे के साथ मीटिंग समाप्ति की घोषणा की गई ।

महासभा के महामंत्री, सांवरमल जांगिड।

सन्तोष राधेश्याम जी जांगिड चैरिटेबल ट्रस्ट, सूरत

धन्यवाद-पत्र

प्रिय समाजसेवी,

श्रीमान प्रमोद कुमार जांगिड,

कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष गुजरात सभा।

सर्वप्रथम आपको और आपके परिवार को, समाज सेवा की भावना से ओत-प्रोत होने के कारण ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण, प्रदेश सभा गुजरात"की तरफ से बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित हैं। आपका समाज सेवा के प्रति समर्पण भाव, अनूठी पहल और स्तुत्य प्रयास, नि:संदेह रुप से आर्थिक रूप से कमजोर समाज के छात्र-छात्राओं की सहायता करके, मानव सेवा की एक अनूठी मिसाल कायम कर रहे हैं। आप जैसे उदारमना भामाशाह, समाज के कमजोर एवं जरूरतमंदों की सहायता करके समाज सेवा का सराहनीय कार्य कर रहे हैं और आपके द्वारा प्रदत्त आर्थिक सहायता की मदद से अनाथ एवं समाज के गरीब बच्चों के जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन आया है, जो उनके जीवन को बेहतर बनाने में अहम भूमिका प्रदान करेगा। आपकी इस समर्पण और संवेदनशीलता की भावना के कारण ही यह प्रतिभावान छात्र-छात्राएं समाज में अपनी जगह बना सकने में समर्थ हो सकते हैं।

प्रिय श्री, प्रमोद जांगिड, आप गुजरात प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष भी है और आपके अनुज राकेश शर्मा, दिनेश शर्मा एवं बहन रेखा का कार्य, समाज सेवा का एक ज्वलंत उदाहरण ही नहीं, अपितु प्रेरणादायक भी है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक शुभ संकेत होने के साथ ही एक अमूल्य योगदान भी है और आपका यह समर्पण और समाज सेवा की उत्कट अभिलाषा, आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के जीवन में निश्चित रूप से एक संजीवनी की तरह काम करेगी। आपके द्वारा इस चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से शुरु की गई यह अद्वितीय पहल, बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसर होने में एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगा और इसके साथ ही समाज में मानवता एवं संवेदनशीलता की एक आदर्श मिसाल भी होगी। आपकी इस अनूठी पहल और सेवाकार्य का जितनी भी भूरि-भूरि प्रशंसा की जाए वह कम है।

आपने ट्रस्ट के द्वारा जो परोपकार के कार्य शुरू किए हैं। वह इस प्रकार से हैं:-

1- महेन्द्र जांगिड पुत्र नेमीचन्द ग्राम खिंयाला (नागौर) को एम एम बी एस परीक्षा की फीस के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज, अजमेर में 27,000 रूपये दिए गए।

2- चुरू, राजस्थान के मनोजकुमार जांगिड पुत्र युवराज द्वारा नीट की परीक्षा पास करने के बाद, एम बी बी एस कोर्स करने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, चूरू को 85,265 रूपए प्रदान किए गए।

3- श्लोक जांगिड पुत्र महेन्द्र, झुन्झूनू आकाश एज्यूकेशनल सर्विसेज लि., दिल्ली को 1 लाख 30 हजार रुपए प्रदान किए गए।

4- दीपिका पुत्री मनोहरचन्द जांगिड, नागौर, मरूधर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जयपुर में एक लाख रुपए फीस के लिए प्रदान किया गया।

आपके परिवार द्वारा दिए गए इस अमूल्य योगदान के लिए **अखिल भारतीय ब्राह्मण प्रदेश सभा गुजरात** आपके और आपके परिवार के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करती है। इसके साथ ही भगवान श्री विश्वकर्मा जी, से आपके स्वस्थ, दीर्घायु एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते हुए, यह सम्मान-पत्र अर्पित करते हैं।

जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा-गुजरात

(अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा-दिल्ली)

मानाराम सुथार
गुजरात प्रदेशसभा-महामंत्री

कैलाशचन्द्र जांगिड
प्रदेश अध्यक्ष गुजरात

जिला सभा साबरकांठा का 15 जून को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा गुजरात के तत्वावधान में, एक मनोरम प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण, ऐतिहासिक स्थलों और डेयरी उधोग के लिए प्रसिद्ध जिला साबरकांठा की धन्य धरा पर, हिम्मतनगर के प्रांगण में साबरकांठा जिला अध्यक्ष मुकेशकुमार एवं उसकी 17 सदस्यीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रदेश सभा कि छठी, त्रैमासिक मीटिंग का आयोजन किया।

कार्यक्रम का श्रीगणेश भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना के साथ शुरू किया गया और समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों ने भगवान विश्वकर्मा की आरती और पूजन करके उनका आशीर्वाद लिया और मंचासीन अतिथियों को माला-साफा और शाल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया और तत्पश्चात साबरकांठा जिला अध्यक्ष और उसकी कार्यकारिणी को, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश जांगिड ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

जिला सभा साबरकांठा के शपथ ग्रहण के उपरांत सभी उपस्थित महानुभावों ने कार्यकारिणी के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना भी की। शपथ ग्रहण के पश्चात प्रदेशसभा की 6वीं त्रैमासिक बैठक का शुभारंभ, प्रदेशसभा अध्यक्ष कैलाश चंद्र जांगिड की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ और इस त्रैमासिक मीटिंग के एजेंडे के अनुरूप, इसका संचालन प्रदेश सभा के महामंत्री मानाराम सुथार ने किया और उन्होंने उपस्थित जिला अध्यक्षों एवं नवठित कार्यकारिणी के इस त्रैमासिक मीटिंग में पधारे, सभी महानुभावों का स्वागत व अभिनन्दन करते हुए निम्नलिखित विषयों पर विचार विमर्श कर सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए ।

1- साबरकांठा जिला सभा की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती नीतू देवी, धर्म पत्नी जैनिशजी शर्मा जांगिड, हिम्मतनगर को सर्व सम्मति से नियुक्त किया गया, उसके पश्चात महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सहित 11 महिलाओं की कार्यकारिणी को, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई। 2- पिछले महीनों में जिन शाखा सभाओं, तहसील सभाओं व जिला सभाओं का गठन, प्रदेशसभा द्वारा किया गया है, उसकी सम्पूर्ण जानकारी उपस्थित बैठक में दी गई और जिसका सभी ने करतल ध्वनि से अनुमोदन किया। 3- प्रदेश सभा का 14 जून तक तीन साल तक का, लेखा-जोखा व बैंक स्टेटमेंट इस बैठक में पढ़ कर सुनाया गया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष कैलाश जांगिड ने बताया कि अब तक वे महासभा के 26 सर्वोच्च प्लेटिनम सदस्य एवं सम्मान पत्र भामाशाह को प्रदान कर चुके है। कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, श्रीमती सुमित्रा, मदनलाल और अनिल ने भी प्रसंगोचित उद्‌बोधन देते हुए समाज को संगठित रहने, गुजरात में एक सुसंगठित व मजबूत समाज खड़ा करने के साथ ही बच्चों को उच्च शिक्षा व व्यवसायिक प्रशिक्षण की ओर अग्रसर करने का सकारात्मक संदेश दिया और इसके साथ ही गुजरात प्रदेश सभा के भवन के बारे में विस्तृत चर्चा और विचार विमर्श किया गया। व तीन साल में 14-06-2025 तक का प्रदेशसभा का लेखा, जोखा व बैंक स्टेटमेंट सभा के सामने सुनाया गया। साबरकांठा जिला सभा, जांगिड समाज द्वारा आयोजित इस सुव्यवस्थित कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई और साबरकांठा जिला सभा के शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रदेश सभा की त्रैमासिक बैठक में शामिल होकर इसे सफल बनाने के लिए जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार एवं उनकी कार्यकारिणी एवं साबरकांठा के तमाम कार्यकर्ताओं ने मिल कर एक सफल कार्यक्रम आयोजित किया और इसे सफल बनाने में मदद करने वाले, सभी समाज बंधुओं का, प्रदेश सभा और जिला सभा की ओर से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया गया।

इस बैठक में शामिल होने वालों में, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चंद्र जांगिड, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महावीर प्रसाद अहमदाबाद, कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद शर्मा प्रदेश महामंत्री मानाराम सुथार, प्रदेश चुनाव अधिकारी उमाकांत बड़ौदा, कोषाध्यक्ष चेतन प्रकाश, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा अहमदाबाद एवं अहमदाबाद जिलाध्यक्ष रवि दत्त, बड़ोदा जिलाध्यक्ष शंकर, साठम्बा अरावली जिला अध्यक्ष अनिल कुमार, भावनगर जिलाध्यक्ष राजेश कुमार, भरुच जिलाध्यक्ष मदनलाल, तापी जिलाध्यक्ष नारायण लाल, चिकली तहसील अध्यक्ष चिमनाराम सुथार, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती मीना देवी अरावली, सहित महासभा एवं प्रदेश सभा की कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ महानुभाव शामिल हैं। धन्यवाद...........

मानाराम सुथार गुजरात प्रदेश सभा (महामंत्री) **कैलाशचंद्र जांगिड (प्रदेशाध्यक्ष गुजरात)**

प्रदेश सभा मध्यप्रदेश की त्रैमासिक बैठक 24 अगस्त को सेंधवा, जिला बड़वानी में प्रातः 10 बजे होगी।

मध्यप्रदेश सभा के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला ने कहा कि, अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने के लिए, प्रदेश सभा की त्रैमासिक बैठक अगले महीने 24 अगस्त 2025 को सेंधवा जिला बड़वानी में प्रातः 10:15 बजे, नायरा पेट्रोल पम्प के पास जोगवाड़ा रोड़ सेंधवा (मुम्बई-आगरा हाईवे) मध्य प्रदेश में आयोजित की जाएगी, जिसमें इस मीटिंग मध्य प्रदेश राज्य से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस मीटिंग का एजेंडा निम्नानुसार है -

(1) गत मीटिंग में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन।

(2) कार्यकाल पूर्ण हो चुके जिला अध्यक्षों के चुनाव की अधिसूचना जारी करने पर चर्चा।

(3) प्रदेश सभा मध्यप्रदेश के अन्तर्गत जिलाध्यक्षों द्वारा अपने कार्यकाल की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

(4) समाज को ''अन्य पिछड़ा वर्ग'' की अनुसूची में शामिल करवाने के बारे में कार्यवाही से अवगत करवाना।

(5) राष्ट्रीय जातिगत जनगणना के सम्बन्ध में महासभा पत्र क्रमांकः-अ.भा.जां.ब्रा.म.-2636/2025 दिनांक 14/07/2025 की अनुपालना हेतु चर्चा।

(6) प्रदेश कार्यालय भवन बनाने के बारे में चर्चा।

(7) महासभा की सदस्यता में वृद्धि करने के लिए प्रदेश पदाधिकारियों के लक्ष्य निर्धारित करना।

(8) समाज के परिवारो में आपस में मनमुटाव एवं तलाक, लडाई झगड़ा सुलझाने के बारे में सर्व सम्मति से वरिष्ठजनों की एक कमेटी का गठन करना।

(9) मध्यप्रदेश के समस्त जिला अध्यक्षों एवं भामाशाहों का सम्मान ।

(10) अन्य कोई विषय प्रदेशाध्यक्ष की अनुमति से-----

मध्यप्रदेश सभा के महामंत्री अनिल शर्मा ने बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला करेंगे और इस मीटिंग में उपरोक्त विषयों पर चर्चा कर समुचित निर्णय लिया जाना है। अतः सभी सम्मानित जिला अध्यक्षों और कार्यकारिणी के सभी सदस्यों से विनम्र अनुरोध है कि इस बैठक में निर्धारित समय एवं स्थान पर पहुंच कर अपने बहुमूल्य विचारों एवं सुझावों से अवगत करवाने एवं समाजोत्थान के कार्यों को नई दिशा देने में सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करते हुए भरपूर सहयोग प्रदान करें। पुनः विनम्र प्रार्थना, कृपया मीटिंग में समय पर पधारने का कष्ट करें।

महामंत्री, प्रदेशसभा मध्य प्रदेश, अनिल शर्मा।

मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष प्रभुदयाल (बरनेला) ने समाज के युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने उद्देश्य से एक कर्मठ, मिलनसार, एवं झुझारु प्रवृत्ति के युवा नेता **कपिल शर्मा इन्दौर** को मध्य प्रदेश के युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोनीत किया है।

प्रदेश सभा मध्यप्रदेश एवं समाज केप्रबुद्ध व्यक्तियों की एक बैठक श्री जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत तोपखाना मदिर मे आयोजित की गई, जिसमें इन्दौर के **धीरज शर्मा (दैमण)** को जिला इन्दौर के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है।

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

अंगिराऽसि जांगिड

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2630/2025 दिनांक 12/07/2025

" स्कूल भवन निर्माण एवं जीर्णोद्धार कमेटी का गठन"

****

सम्मानीय महोदय,

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली द्वारा संचालित **अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर, नरेला, नई दिल्ली** में स्थित है तथा स्कूल को दसवीं कक्षा तक क्रमोनत करवाकर सरकारी मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया विचाधीन है परन्तु स्कूल भवन काफी पुराना होकर जीर्ण-शीर्ण अवस्था में होने के कारण सरकारी मान्यता प्राप्त करने का कार्य अटका हुआ है इसलिए स्कूल भवन का मरम्मत, रंग रोगन एवं जीर्णोद्धार कार्य अविलम्ब करवाना अतिआवश्यक हो गया है।

मुझे, आपको सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है की समाज के प्रति आपका अनुकरणीय योगदान, समाज में सक्रियता, सामाजिक कार्यों में दीर्घअनुभव, सकारात्मक विचार, कुशल नेतृत्व तथा जिम्मेदारी एवं पारदर्शिता से कार्य करने की शैली को ध्यान में रखते हुए **महासभा प्रधान श्री रामपाल जांगिड ने अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर** स्कूल भवन के समुचित जीर्णोद्धार एवं भवन से संबंधित अति आवश्यक मरम्मत एवं निर्माण कार्य करवाने के लिए **" स्कूल भवन की निर्माण एवं जीर्णोद्धार कमेटी "** का गठन किया है। इस समिति में निम्नलिखित समाजसेवियों को मनोनीत किया जाता है :--

1.	**अध्यक्ष :- श्री लादूराम जांगिड**	**कार्यकारी महासभा प्रधान - दिल्ली**
2.	सदस्य :- श्री गंगादीन जांगिड	महासभा कोर कमेटी सदस्य – दिल्ली
3.	सदस्य :- श्री योगेन्द्र सिंह जांगिड	उप प्रधान महासभा – दिल्ली
4.	सदस्य :- श्री नरेश जांगड़ा	शाखा अध्यक्ष - बांकनेर, दिल्ली
5.	सदस्य :- श्री कँवर पाल सिंह ठेकेदार	नजफगढ़ – दिल्ली

आशा करता हूँ की आप स्कूल भवन के मरम्मत एवं रंगरोगन तथा जीर्णोद्धार के लिए आवश्यक निर्माण कार्य महासभा संविधान का पालन करते हुये पूर्ण निष्ठां तथा पारदर्शिता के साथ समय समय पर वांच्छित निरिक्षण करते हुए स्कूल भवन के समस्त निर्माण एवं मरम्मत कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ शीघ्र से शीघ्र पूर्ण करवाकर अविलम्ब समाज को सुपुर्द करने के लिए निरंतर सहयोग प्रदान करेंगे I इसी आशा और विश्वास के साथ ....

शुभकामनाओं सहित I

प्रतिलिपि :- सम्माननीय समस्त कमेटी के सदस्यों को सूचनार्थ

(सांवर मल जांगिड)
महामंत्री–महासभा–दिल्ली

सन्त और महात्मा हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं और ऐसी ही एक महान विभूति हुई है महात्मा भूरी बाई।

सन्त महात्मा हमारे देश की धरोहर हैं, जिन्होंने अपने प्रवचनों के माध्यम से एक मानवता को नई दिशा दी और उन्होंने अपना सारा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया और सन्त परम्परा का एक उदीयमान सितारा है, संत परम्परा की महान विभूति संत महात्मा भूरी बाई और जिन्हें अलख उपाधि के नाम से भी जाना जाता है। महात्मा भूरी बाई को 'अलख' नाम एक महान सन्त महात्मा ने अभिभूत होकर दिया था। ''महात्मा भूरी बाई अलख'' का जन्म राजसमन्द जिले के लावा सरदारगढ़ गाँव में 9 जुलाई 1892 को एक सुथार परिवार में हुआ था। महात्मा भूरी बाई, का जन्म माता केसर बाई और पिता रुपाराम सुथार के घर में हुआ ।

उनके माता-पिता धर्मपरायण प्रवृत्ति के साथ-साथ नीति और धर्म पर चलने वाले दंपति थे। लेकिन दूर्भाग्य वश उसका विवाह 13 वर्ष की अल्पायु में ही नाथद्वारा के एक अधेड़ आयु के धनी चित्रकार फतहलाल सुथार के साथ कर दिया गया। लेकिन इस बेमेल विवाह के परिणाम सकारात्मक नहीं रहे और कुछ समय पश्चात उसके पति बीमारी के कारण संसार छोड़ कर चले गए और भूरीबाई पर विपदाओं का पहाड़ टूट पड़ा और इस असाधारण परिस्थितियों के कारण उनके जीवन में एक भूचाल आ गया और तब उन्होंने अपना मन धीरे-धीरे संसार से विरक्त करके उस अनन्त और असीम सुख देने वाली प्रभु भक्ति की ओर लगाना शुरू कर दिया।

जीवन में जो भी सन्त महात्मा प्रभु भक्ति और साधना करता है, उसका जीवन धन्य हो जाता है और इसके लिए परमात्मा से जुड़ाव करने के लिए स्व-प्रयत्न और भक्ति करना पहली सीढ़ी है। मां के पेट से जन्म लेते ही बच्चे को, अपनी उदर-पूर्ति के लिए दूध पीने की स्वयं ही कोशिश करनी पड़ती है, इसलिए कहा गया है कि जीवन में प्रयत्न करने का कोई भी विकल्प नहीं है और इस प्रयत्न के पीछे का मूल आधार है लगन और सत्य निष्ठा और लगन के बिना प्रयत्न भी नहीं होगा। परमात्मा की साधक के रूप में, जो भक्तिमई भावना मीरा बाई या महात्मा भूरी बाई में थी। वह बहुत ही कम साधकों में देखने को मिलती है और यही वास्तविक लगन उस भक्त को अपने लक्ष्य तक पहुंचाती है। भूरी बाई की प्रभु भक्ति और साधना में एक ऐसी तीव्र लगन थी कि कई धर्मपरायण लोग उनके जीवन से प्रभावित हुए और प्रभु भजन और सत्संग करने के लिए वह भूरी बाई के पास आने लगे।

ओशो के साथ भूरीबाई

भूरी बाई ने गृहस्थ जीवन में रहते हुए और सभी कर्तव्यों और दायित्वों का पालन करते हुए भी वह भक्ति भावना के कारण वह महात्मा भूरीबाई के नाम से विख्यात हो गई। महात्मा भूरीबाई विचारों से अद्वैत परम्परा की परम समर्थक थी और वह परमहंस की महानुभूति में रमी हुई और वह दार्शनिक चर्चा में अधिक विश्वास नहीं रखती थी। उनका अपनी भक्त-मंडली को एक ही निर्देश था- ''चुप''। **'बस चुप रहो और मन ही मन उस प्रभु का भजो, उसमें रमो** और 'चुप' शब्द समस्त विधियों का निषेध है। बोलने-कहने से भ्रम पैदा होता है, बात उलझती है और अधूरी रह जाती है। इसीलिए ब्रह्मानन्द को अनिर्वचनीय माना गया है। उसे अनुभव तो किया जा सकता है, पर कहा नहीं जा सकता। 'भूरी बाई' सबको कहती ''चुप''! बोलो मत, उसमें ध्यान लगाओ आपकी चिंता वह स्वयं ही करेगा और अध्यात्म जगत में भूरीबाई के नाम, उनकी भक्ति और ज्ञान की प्रसिद्धि पाकर ओशो रजनीश जैसे विश्व प्रसिद्ध ऋचतक व दार्शनिक भी उनसे मिलने आए थे और भूरीबाई की भक्ति व दर्शन की मुक्त कंठ से प्रशंसा की थी। वह महाराज जनक की तरह अपने घर में ही देह पाकर भी 'विदेह' बनीं रहीं और इस बात को झुठला दिया कि भगवद्प्राप्ति के लिए गृहत्याग और संन्यास आवश्यक है। उनके पास बड़े बड़े सन्त महात्मा भगवत भजन की चर्चा करने के लिए आते थे। इस महान विभूति का देहावसान 3 मई 2036 को हुआ। यह हमारा दुर्भाग्य ही है कि हम समाज की इस महान विभूति और ऐसे परमहंस व्यक्तित्व से अनभिज्ञप्राय हैं।

मीडिया प्रभारी महेश जांगिड, जयपुर।

हरिथी जांगिड ने एशिया कप अन्तर्राष्ट्रीय ताईकमाण्डो में स्वर्ण पदक हासिल किया।

जीवन में सफलता हासिल करने का एक ही मूल मंत्र है और वह मंत्र है, अपने आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प तथा निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ना और उससे ही सफलता के द्वार खुलते हैं। हरिथी जांगिड ने, अपनी दक्षता बुद्धिमता और खेल प्रतिभा से यह सिद्ध करके दिखलाया है सोडाला जयपुर की रहने वाली हरिथी जांगिड ने, नेपाल में 27-29 जून तक आयोजित 8वीं एशिया कप ओपन इन्टरनैशल ताईकमाण्डों प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस प्रतियोगिता का आयोजन नेपाल के पोखरा में, ताईकमाण्डो कांउसिल आफ इंडिया और नेपाल यंग ब्रदर्स ताईकमाण्डो क्लब ने संयुक्त रूप से किया था और उसने अंडर 38 किलो ग्राम प्रतियोगिता में भाग लिया था।

जांगिड के पिता गौरव जांगिड ने कहा कि जयपुर में सन् 2013 में पैदा हुई हरिथी जांगिड की अभिरुचि बचपन से ही इस खेल में रही है और द कोस्टल कान्वेंट स्कूल सोडाला जयपुर में पढ़ने वाली हरिथी जांगिड पिछले तीन वर्षों से इस खेल का अभ्यास कर रही है और स्कूल प्रतियोगिता में जीतने के पश्चात्, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लगभग सभी जिलों के खिलाडियों ने भाग लिया था। उसने पिछले साल सन् 2024 में जुलाई में हुई 31वीं राज्य स्तरीय जूनियर प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था।

हरिथी जांगिड के दादा, जोकि राजस्थान प्रदेश सभा के मुख्य सलाहकार भी हैं ने कहा कि हरिथी की प्रेरणा स्रोत उसकी मां हेमलता जांगिड है, जिसने उसका सबसे अधिक उत्साहवर्धन किया है। उन्होंने कहा कि जीवन में यह बात बिल्कुल सत्य है कि मनुष्य सफलता से उतना नहीं सीखता जितना असफलता से सीखता है और इसीलिए कहा गया है कि असफलता सदैव एक अनुभवी इंसान को जन्म देती है और अपने अनुभव के आधार पर वह एक दिन समाज का नाम गौरवान्वित करेगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने उसको बधाई देते हुए कहा कि, जिस प्रकार से वह सफलता हासिल कर रही है, उससे, उसका भविष्य बड़ा ही उज्ज्वल है और सफलता का मार्ग, असफलता के मार्ग से होकर ही गुजरता है और मुझे विश्वास है कि उसका धैर्य एवं पुरुषार्थ का दामन, उसके लिए भविष्य में भी सफलता के द्वार खोलेगा।

मुख्य सलाहकार, प्रदेश सभा राजस्थान, मूल चंद लाड़ीवाल।

करण जांगिड ने बास्केटबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

मेहनत और पुरुषार्थ करने के साथ-साथ अपने लक्ष्य में अडिग रहने वाला युवा जीवन में सफलता हासिल कर ही लेता है और यह सिद्ध करके दिखलाया है जांगिड ब्राह्मण ब्लाक सभा चौमूं के अध्यक्ष ओम प्रकाश भादरिया के सुपौत्र तथा पवन भादरिया के सुपुत्र और समाज की होनहार प्रतिभा करण जांगिड ने, जिन्होंने बास्केटबॉल की हाल ही में हुई राज्य स्तरीय ओपन प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। उसने फाइनल मैच में संस्कार स्कूल को 38-14 अंकों से पराजित करके राज्य स्तरीय ट्राफी पर कब्जा किया है ।

करण जांगिड ने कहा कि स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए, जहां मैं अपने माता-पिता और मेरे प्रशिक्षक का आभार व्यक्त करता हूं, वहीं मेरे को मार्गदर्शन करने वाले मेरे गुरुजनों अध्यापकों का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने करण जांगिड को, उसकी इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि उसने न केवल अपने परिवार का, अपितु जांगिड समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है।

मैं, उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

आर एम जांगिड, जयपुर।

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला, (इन्दौर)

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स, दिल्ली

श्री अशोक कुमार बरनेला, इन्दौर

श्री पी.एल.शास्त्री, गुड़गांव

श्री देबूराम जांगिड, दिल्ली

श्री रामनिवास शर्मा, दिल्ली

श्री राजेन्द्र शर्मा, इन्दौर

श्री निर्मल कुमार जांगिड, इन्दौर

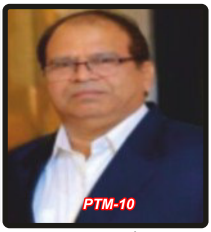

श्री लीलू राम शर्मा, दिल्ली

श्री रमेशचन्द शर्मा 'सरपंच', दिल्ली

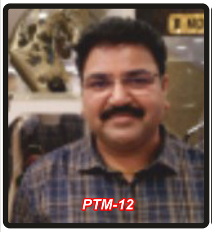

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली

श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर

श्री कृष्ण कुमार शर्मा, मुम्बई

श्री विद्यासागर जांगिड, गुड़गांव

श्री सुशील कुमार शर्मा, कोलकता

श्री सांवरमल जांगिड, सीकर

श्री रघुवीर सिंह आर्य, शामली

श्री वेदप्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री प्रभुदयाल शर्मा, देवास

श्री प्रहलादराय शर्मा, इन्दौर

श्री पूनाराम जांगिड, जोधपुर

श्री ललित जड़वाल, अजमेर

श्री मीता राम जांगिड, मुम्बई

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री यश अजय शर्मा, मुम्बई

श्री रविन्द्र शर्मा, बीकानेर

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन

श्री नरेश जांगिड, गुड़गांव

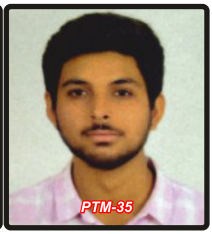

श्री भुवन जांगिड, गुड़गांव

श्री कृष्ण कुमार जांगिड, गुड़गांव

श्री किशन लाल शर्मा, नागपुर

श्री किशोर जी मोखा, नागपुर

श्री बाबू लाल शर्मा, अहमदाबाद

श्री नारायण दत्त, साड़ीवाले, दिल्ली

श्री ओमप्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री धनपत शर्मा, फरीदाबाद

श्री सुरेन्द्र शर्मा, अहमदाबाद

श्री सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली

श्री सोमदत्त शर्मा, दिल्ली

श्री बी.सी. शर्मा, जयपुर

श्री सुरेश शर्मा, नीमच

श्री नितिन शर्मा, इन्दौर

श्री प्रमोद कुमार जांगिड, सूरत

श्री हुकुमचन्द जांगिड, इन्दौर

श्री सत्यनारायण जांगिड, इन्दौर

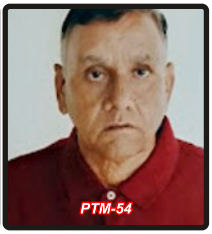

श्री गजानन जांगिड, जालना

श्री अशोक कुमार मोखा, नागपुर

श्री घनश्याम जांगिड, बैंगलुरू

श्री देवमणि जांगिड, दिल्ली

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री फूलकुमार शर्मा, द्वारका-दिल्ली

श्री अमराराम जांगिड, जोधपुर

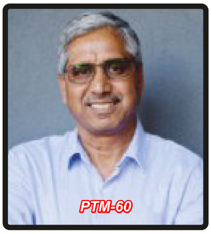

श्री रमेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री रविशंकर शर्मा, जयपुर

श्री यादराम जांगिड, दिल्ली

श्री बाबू लाल, बैंगलुरू

श्री अशोक दत्तु राम, अहमदाबाद

श्री दयानन्द शर्मा, दिल्ली

श्री यशवंत नेपालिया, अजमेर

श्री राधेश्याम शर्मा, वापी

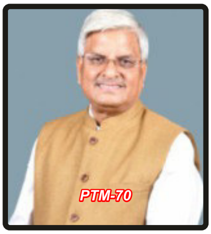

श्री रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

श्री गोपाल शर्मा, कोरबा

श्री भंवर लाल कुलरिया, मुम्बई

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

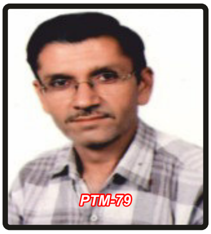

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

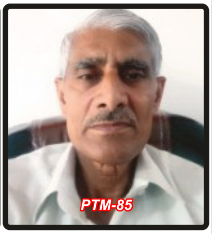

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

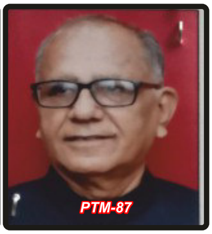

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

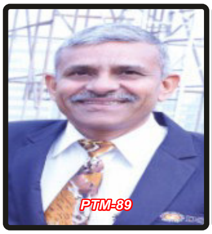

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

श्री महावीरप्रसाद जांगिड,अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

श्री संजय शर्मा, चित्तौड़गढ़

श्री जगतराम भद्रेचा, बंगलौर

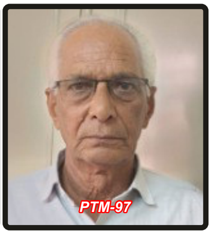

श्री पुरूषोत्तम लाल जांगिड, जयपुर

श्री अनिल शर्मा, चंडीगढ़

श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड, गुरूग्राम

श्री नेमीचन्द जांगिड, सूरत

श्री चिरंजीलाल जांगिड, इन्दौर

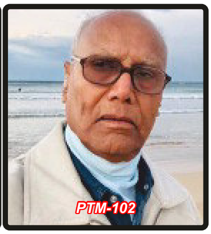

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सूरत

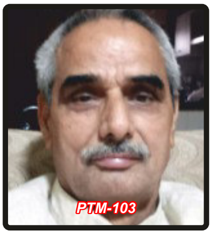

श्री सत्यपाल वर्त्स, बहादुरगढ़

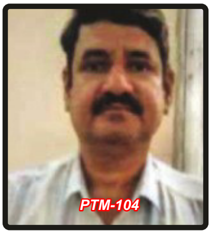

श्री सोमदत्त शर्मा, लखनऊ

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री अनिल शर्मा, तेलंगाना

श्री मुकेश जांगिड, तेलंगाना

श्री भंवरलाल जांगिड, सूरत

श्री जगदीश खण्डेलवाल, दिल्ली

श्री भंवरलाल शर्मा, पाली,राज०

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री प्रहलाद चन्द शर्मा, बैंगलुरू

श्री नानूराम जांगिड, हिंगोली,

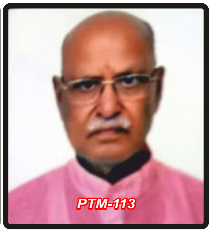

श्री रामानन्द शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री कैलाश जांगिड, सूरत

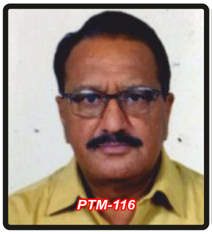

श्री मदन लाल शर्मा, वडोदरा

श्री गजानन्द जांगिड, सूरत

श्री हरिराम शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

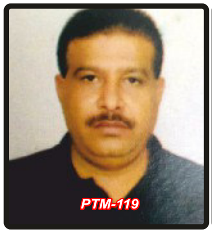

श्री सतवीर शर्मा, गुरूग्राम

श्री किशोरी लाल शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री सुनील सिद्धड, चिड़ावा, झुंझुनू

श्री सुरेश कुमार जांगिड, नजफगढ़

श्री मोहन पंवार, सागरपुर दिल्ली

श्री रामावतार जांगिड, सरदारशहर, चूरू

श्री राजील कुमार जांगिड, सूरत

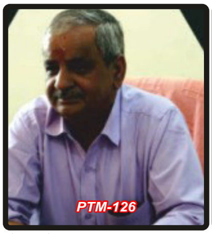

श्री सादीराम जांगिड, हनुमानगढ़,रा0

श्री मामराज मिस्त्री, सूरत

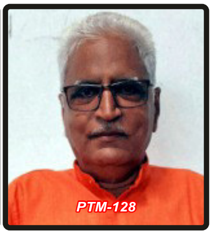

श्री सागरमल जांगिड, वडोदरा

श्री सुनील कुमार जांगिड, महाराष्ट्र

श्री महेश कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री किशन लाल जांगिड, जयपुर

श्री एकलिंग प्रसाद सुथार, सूरत

श्री राजेश जांगिड, हैदराबाद

श्री सियाराम जांगिड, हैदराबाद

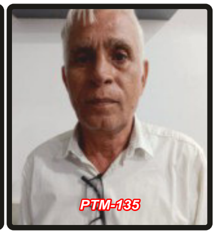

श्री रामवतार शर्मा,तिरूवल्लुर,तमिलनाडू

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री सतीश कुमार जांगिड,(किशनगढ़ बास)वलसाड

श्री शंकरलाल माकड़, हैदराबाद

श्री महेश चन्द शर्मा, साध नगर, दिल्ली

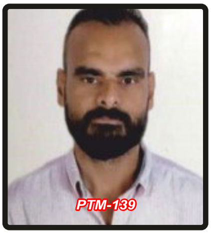

श्री राकेश जांगिड, सूरत

श्री देवकरण जांगिड, हैदराबाद

श्री सुभाष शर्मा, भरूच

श्री महेश शर्मा, बैंगलुरू

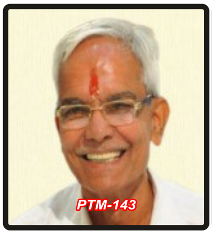

श्री चंद्र प्रकाश शर्मा, गांधीधाम,कच्छ

श्री सतवीर जांगिड, बैंगलुरू

श्री महेन्द्र सिंह जांगिड, धारूहेड़ा रेवाड़ी

श्री पूरनमल जांगिड, सूरत

स्वर्गीय श्री नरेश शर्मा, भरूच

श्री बंशीधर जांगिड, भरूच

श्री मुकेश कुमार जांगिड, हिम्मतनगर

श्री गोपाल जांगिड, गांधी नगर

श्री राजेन्द्र कुमार डभाण, खेड़ा

श्री ओम प्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री अरूण कुमार डभाण, खेड़ा

श्री कैलाश चंद्र शर्मा, डभाण, खेड़ा

श्री मदन लाल सुथार, भरूच

श्री महेन्द्र जांगिड, भरूच

श्री कन्हैया लाल, (ओजटू वाले) बैंगलुरू

श्री शंकरलाल जांगिड, झुंझुनूं

श्रीमती उषा बरड़वा धर्मपत्नी श्री आनन्द बरड़वा, कोटा राज0

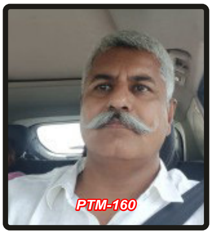

श्री देवेन्द्र शर्मा, उदयपुर, राजस्थान

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री नरोत्तम लाल जांगिड, फरीदाबाद, हरियाणा

श्री हजारी लाल शर्मा, जयपुर, राज0

वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 05.11.1992, Height 5'9", Birth place- Meerut (UP), Education -B.Tech, MBA,Job-Private, Gotra : Kaloniya, Ransiwal, Vashisth, Present Address- Lucknow, (UP), Contact- 6394740576, 9454969269

2. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 09.12.1997, Height 6'1", Education -B.Tech (Civil Engineering) Punjab Engineering College Chandigarh, Sibling-2, Job-Junior Engineer (Civil) in Central Public Works Department, MoHUA and Currtently Posted in Punjab, Gotra- Self-Dhariwal, Contact- 9888776775 9780776706

3. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 01.02.1995, Height 5'5", Birth place- Sikar (Rajasthan), Education -M.Tech from IIT Kharagpur, WB, Job-Ministry of Home Affairs, New Delhi, Gotra : Self- Rohliwal, Mother- Bodaliya, Dadi- Aasaliya, Nani- Danewa, Native Place Jalund Near Khatushyam ji, Sikar, Contact- 9421916629

रोहतक के अर्पित जांगिड ने एन. आई. टी. कुरुक्षेत्र के टॉपर बने।

जो व्यक्ति अपने जीवन में दृढ़ इच्छाशक्ति आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा संकल्प के साथ आगे बढ़ता है उसको जीवन में आशातीत सफलता अवश्य ही मिलती है और इसका ज्वलंत उदाहरण है, रोहतक के रहने वाले अर्पित जांगिड। उनका जन्म माता श्रीमती रेखा जांगिड और पिता सुनील जांगिड के घर रोहतक में हुआ।

उनके पिता निशल कम्पनी में मैनेजर तथा मां लैक्चरार है, ने कहा कि अर्पित पढ़ाई में शुरू से ही अव्वल रहा है, उसने अपनी प्रारंभिक शिक्षा डी.ए.वी. स्कूल रोहतक से हासिल की और प्रत्येक कक्षा में सर्वोत्कृष्ट अंक हासिल किए और 10+2 की परीक्षा में भी 97.60 प्रतिशत अंक हासिल किए और उसके पश्चात राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र से, बी.टेक सिविल में जून 2025 में 9.56 सीजीपीए ग्रेडिंग लेकर इंजीनियरिंग की परीक्षा पास की और वह अपने बैच के टॉपर विद्यार्थी बने हैं और वह गोल्ड मेडल के हकदार हो गए हैं।

अर्पित के दादा, जांगिड विधार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक देवी शंकर जांगिड ने बताया कि अर्पित का एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में प्लेसमेंट भी हो गया है और इसके साथ ही वह संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की भी तैयारी भी कर रहा है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने अर्पित जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार से परिश्रम करते हुए समाज का नाम गौरवान्वित करेगा। मैं, उसके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

महासभा, संगठन मंत्री, रामेश्वर दास जांगिड, बहादुरगढ़ ।

महासभा दिल्ली के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य

श्री मदनलाल जांगिड
जोधपुर

श्री मुरारी लाल शर्मा
अहमदाबाद

श्री राजतिलक जांगिड
गुड़गांव

श्री मनोज कु.जांगिड
अहमदाबाद

श्री सुरेश कु.जांगिड
इन्दौर

श्री घनश्याम कडवानिया
इन्दौर

श्री बंशीलाल शर्मा
इन्दौर

श्री सीताराम जांगिड
नागपुर

श्री बंशीलाल शर्मा
जयपुर

श्रीमती शारदा शर्मा
दिल्ली

श्री सांवरमल जांगिड
गोवा

श्री रमेशचन्द्र शर्मा
इन्दौर

श्रीमती सुमित्रा देवी जांगिड
अहमदाबाद

श्री मोतीराम जांगिड
रींगस–सीकर

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

श्री प्रेमाराम जांगिड
अहमदाबाद,

श्री महेन्द्र जांगिड (पंवार)
इन्दौर

श्री कल्याण राजकीय मेडिकल कॉलेज सीकर के मुख्य हॉल में श्री विश्वकल्याण समिति सीकर के सौजन्य से मां सरस्वती देवी की मूर्ति का अनावरण किया गया।

श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति, सीकर, के सौजन्य से मां सरस्वती की मूर्ति की स्थापना एवं मूर्ति अनावरण 3 जुलाई 2025 को सुबह 11.15 बजे, राजकीय मेडिकल कॉलेज के नवनिर्मित भवन सांवली के प्रवेश हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा के आगमन पर कल्याण समिति अध्यक्ष द्वारा साफा, दुपट्टा माला पहनाई, साथ ही कॉलेज प्राचार्य डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. देवेंद्र दाधीच, डॉक्टर दर्शन भार्गव, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड सभी ने शाल ओढ़ाकर कलेक्टर साहब का अभिनंदन किया।

लोकार्पण रस्म उपरांत कलेक्टर साहब ने जांगिड समाज व मेडिकल कॉलेज परिवार का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति द्वारा किए गए कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए कॉलेज के विद्यार्थियों को योग प्राणायाम के बारे में विशेष रूप से बताया तथा सभी विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ–साथ नित्य प्राणायाम करने की सलाह दी। इस अवसर पर मंचस्थ जिलासभा सीकर एवं कल्याण समिति के वर्तमान व पूर्व अध्यक्षों के अलावा निम्न समाज बंधु भी उपस्थित थे। जिनमें हरिनारायण जांगिड, बाबूलाल पालड़ी, बजरंग रोसावा, विश्वनाथ पनलावा, शिवदयाल भादवासी, बनवारी खंडेलसर, बद्री प्रसाद, ओम प्रकाश गोकुलपुरा, सुनील जांगिड पलसाना, प्रहलाद जांगिड दूजौद एवं सीताराम जांगिड मूंडवाडा भी उपस्थित थे। श्री कल्याण समिति अध्यक्ष द्वारा कल्याण समिति के द्वारा किए गए कार्य एवं आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में प्रकाश डाला एवं संगठन के प्रति सदैव की भांति आगे भी पूर्ण समर्पण का संकल्प करते हुए कॉलेज के स्टाफ व विद्यार्थियों के साथ–साथ जांगिड समाज से आए हुए सभी बंधुओं का हृदय से स्वागत किया एवं सदैव सहयोग बनाए रखने की अपील की, कार्यक्रम के अंत में कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर अशोक चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं भविष्य में भी समिति के सहयोग की अपेक्षा रखते हुए सभी को बारंबार धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

प्रवक्ता, राधेश्याम मांडण
श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर

नाशिक में 6 जुलाई को महाराष्ट्र प्रदेश सभा की 5वीं बैठक और नाशिक जिला सभा कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह की एक झलक

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

HYUNDAI
25
YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

FOUNDER

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	**Satellite** Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	**Naroda** Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Posted at:L.P.C. DELHI
R.M.S., Delhi-06

Total Page-64

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26
of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise.

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 July 2025
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)